डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram chhanel search @rojgaraurnirman

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में निर्धारित स्वास्थ्य लक्ष्य समय पर पूरे करें - मुख्यमंत्री

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये दृढ़-संकल्पित है राज्य सरकार

भोपाल, प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि के लिए व्यापक पैमाने पर कार्य हुए हैं। शासकीय चिकित्सकीय संस्थाओं का उन्नयन कर विशेष रूप से आवश्यक दवायें एवं ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप अनुसार स्वास्थ्य के क्षेत्र में निर्धारित किये गये लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाये। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत गठित लोक स्वास्थ्य समूह के प्रस्तुतिकरण में स्वास्थ्य, आयुष एवं चिकित्सीय शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत गठित लोक स्वास्थ्य समूह की बैठक में समीक्षा करते हुये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि स्वास्थ्य का क्षेत्र मानव सेवा का क्षेत्र है। जिन नर्सिंग सेंटर्स संचालकों ने मानव सेवा छोड़ अपने सेंटर्स को धन उगाही का केंद्र बना लिया है, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज करें।

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स का उन्नयन

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि प्रदेश में 5091 उप स्वास्थ्य केंद्रों का हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में उन्नयन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य का 71 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। 2850 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की पदस्थापना के लिये चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके अलावा 1134 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में उन्नयन किया जा चुका है। निर्धारित लक्ष्य का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इन सेंटर्स पर 128 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं।

प्रदेश में आयुष्मान कार्डों का सत्यापन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की प्रत्येक योजना आम आदमी के लाभार्थ चलाई जाती है। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति को मिले। स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे आम नागरिक योजनाओं से अवगत होकर लाभ ले सकें। बैठक में जानकारी दी गई कि आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं नामांकन के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश में अभी तक कुल 2 करोड़ 53 लाख आयुष्मान कार्ड सत्यापित किए गए हैं।

टी.बी. उन्मूलन की दिशा में प्रयास

मुख्यमंत्री ने टी.बी. उन्मूलन की दिशा में किये जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। बताया गया कि वर्ष 2020-21 में एक लाख 75 हजार 130 मरीजों का सफल उपचार किया गया। वर्ष 2021-22 में कुल 60 हजार 997 मरीजों का उपचार किया गया। टी.बी. की रोकथाम के प्रारंभिक स्तर पर दवाओं का छिड़काव एवं अन्य आवश्यक कदम उठाये गये हैं। वर्ष 2020-21 में 2 लाख 13 हजार 192 मरीजों को 49.50 करोड़ और वर्ष 2021-22 में एक लाख 3 हजार 250 मरीजों को 18.61 करोड़ का डीबीटी भुगतान किया गया।

100 प्रतिशत आयुष हेल्थ सेंटर्स चिन्हित

बैठक में बताया गया कि आयुष हेल्थ एवं वेलनेस केंद्रों के चिन्हांकन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इन सेंटर्स पर योग शिक्षकों के माध्यम से 362 केंद्रों में योगाभ्यास प्रारंभ किया गया है। भोपाल और इन्दौर में आयुष सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की स्थापना का कार्य लगभग 50 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

प्रतिवर्ष 55 लाख बच्चों का होगा पूर्ण टीकाकरण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने परिवार नियोजन के कार्य को पुनः गति देने की आवश्यकता बताई। बैठक में बताया गया कि अनमोल पोर्टल पर गर्भवती माताओं का पंजीयन शुरू किया गया है। इसके तहत विगत दो वर्षों में लगभग 14 लाख दम्पति लाभांवित हो चुके हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के 55 लाख बच्चों का प्रतिवर्ष पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया गया है।

एमबीबीएस की सीटों में वृद्धि

बैठक में बताया गया कि चिकित्सा महाविद्यालयों की प्रवेश क्षमता में वृद्धि की गई है। भोपाल एवं इन्दौर के चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस के लिये 100 सीटों की वृद्धि की गई है। ग्वालियर, जबलपुर और सागर में सीटों में वृद्धि के लिये केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसकी स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

शिक्षक पुरस्कार-2021

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 28 शिक्षकों का चयन

भोपाल, राज्य सरकार ने शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार 2021 की घोषणा की है। विभिन्न जिलों के 28 शिक्षकों का चयन राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिए किया गया है।

उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2021 के लिए प्रदेश के शिक्षकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों में से जिला चयन समिति की अनुशंसा पर राज्य स्तरीय चयन समिति ने राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिए शिक्षकों का चयन किया है।

राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार 2021 के लिए चयनित इंदौर की प्राचार्य श्रीमती पूजा सक्सेना, उज्जैन की डॉ. चित्ररेखा जैन, राजगढ़ की व्याख्याता सुश्री बबीता मिश्रा, दमोह के श्री अजय कुमार सिंघई, डिंडोरी के उच्चतर माध्यमिक शिक्षक श्री प्रशांत कुमार साहू, बालाघाट के शिक्षक श्री गौरीशंकर पटले, बड़वानी के श्री अनिल प्रबोध मिश्रा, बैतूल की सुश्री ममता गोहर, भोपाल की सुश्री वंदना पांडे, छतरपुर के श्री सचिन कुमार द्विवेदी, छिंदवाड़ा की सुश्री भावना शर्मा, धार के श्री बालकृष्ण शुक्ला, गुना की डॉ. सारिका जैन, मंदसौर के श्री पंकज कुमार गुप्ता, मुरैना के श्री उमेश कुमार तिवारी, नरसिंहपुर के श्री सुशील कुमार शर्मा, रतलाम की सुश्री सीमा अग्निहोत्री, सीहोर के श्री संजय सक्सेना, सिवनी के श्री अविनाश पाठक, शहडोल की डॉ. निधि शुक्ला, शाजापुर के श्री आशीष जोशी, टीकमगढ़ के श्री शफी मोहम्मद, राजगढ़ के श्री मोहन विश्वकर्मा, श्री रमाकांत पांडे, भिंड के माध्यमिक शिक्षक मोहम्मद शकील, मंडला के श्री अखिलेश उपाध्याय, देवास के श्री महेश कुमार सोनी और नीमच के श्री निर्मल राठौर शामिल हैं।

खास खबर

साठ युवाओं को मिला वाहन चालन का प्रशिक्षण

होशंगाबाद, सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व स्थानीय लोगों की आजीविका में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा रहा है। होशंगाबाद जिले में स्थित टाइगर रिज़र्व ने छिन्दवाड़ा में अशोक लीलैंड प्रशिक्षण संस्थान में बफर और स्थानांतरित गांव में 60 युवाओं को एक माह का ड्राइविंग प्रशिक्षण उपलब्ध कराया है। प्रशिक्षण के बाद इन युवाओं को ड्राइविंग लाइसेंस के साथ प्रमाण-पत्र भी दिया गया, इनमें से अधिकांश युवाओं को प्लेसमेंट भी मिला।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा**- प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी**- देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में**- प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह**- देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

नक्सली गतिविधियों की रोकथाम

विकासखण्डवार कार्ययोजना तैयार कर किया जायेगा विकास

बालाघाट, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बालाघाट जिले के विकास एवं नक्सली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विकासखंडवार अलग-अलग कार्य-योजना तैयार की जाये। जिससे विकास कार्यों को गति मिलने के साथ ही स्थानीय युवाओं को रोज़गार के अवसर सुलभ हो सकें।

श्री चौहान ने कहा कि नक्सल गतिविधियों पर रोक लगाने में पुलिस के जवानों ने अच्छा काम किया है। जिले में पुलिस एवं अन्य विभागों में विशेष भर्ती के लिए विचार किया जा रहा है। नक्सल प्रभावित विकासखंडों के ग्रामों में सड़क सम्पर्क, सिंचाई एवं रोज़गार पर विशेष ध्यान दिया जाये। पात्र लोगों को प्राथमिकता से वन अधिकार के पट्टे दिये जायें। प्रदेश सरकार बालाघाट जिले के विकास कार्यों के लिए राशि की कमी नहीं आने देगी।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उद्यमियों से बालाघाट जिले में निवेश को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों बालाघाट में हुई इन्वेस्टर्स मीट में मैं वर्चुअली शामिल हुआ था। इस मीट में लगभग 4500 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे जिले में 10 हजार लोगों को रोज़गार मिलने की संभावना है।

श्री चौहान ने कहा कि बिना निवेश के रोज़गार एवं विकास नहीं हो सकता है। उद्योगों में निवेश होगा तो स्थानीय लोगों के लिए रोज़गार के अवसर मिलेंगे। बालाघाट जिले में प्राकृतिक रूप से वन एवं खनिज संपदा भरपूर मात्रा में उपलब्ध है और यहां पर इतना अधिक धान उत्पादन होता है कि गोदाम कम पड़ जाते हैं। जिले में एथेनॉल आधारित उद्योग लगेंगे तो धान को रखने के लिए गोदाम की समस्या का भी समाधान करने में मदद मिलेगी और किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से कहा कि वे जिले में उपलब्ध संसाधनों पर आधारित उद्यम लगाने के लिए आगे आयें। प्रदेश सरकार उन्हें हर संभव मदद करेगी।

बुधनी में शीघ्र लगाया जायेगा फूड प्रोसेसिंग पार्क - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बुधनी में प्रमाण-पत्र वितरित करते हुये।

सीहोर, बुधनी में जल्दी ही फूड प्रोसेसिंग उद्योग लगाया जाएगा। साथ ही बुधनी के लकड़ी के खिलौनों के काम को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए क्लस्टर आधारित मध्यम उद्यम प्रारंभ कराए जाएंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले के बुधनी विकासखण्ड के शत-प्रतिशत टीकाकृत होने और लगभग 98 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहीं।

श्री चौहान ने कहा कि वे स्व-सहायता समूहों को मजबूत अधोसंरचना उपलब्ध करवाकर और क्लस्टर आधारित इकाइयों के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का फोकस गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबों के कल्याण के साथ रोज़गार पर भी है। उन्होंने कहा कि सीएम राइज़ स्कूलों से गांव के बच्चे भी उत्कृष्ट शिक्षा हासिल कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर करने के साथ ही आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ हर गरीब तक पहुंचाने के प्रयास हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

28 अगस्त

एनटीए ने टाई ब्रेकिंग पॉलिसी में किया बड़ा बदलाव

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस वर्ष मेडिकल पाठ्यक्रम के लिये आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा नीट तथा इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेंस में बड़ा बदलाव करते हुये इन परीक्षाओं की रैंक लिस्ट से अब एज प्रिफेरेंस (उम्र की प्राथमिकता) हटा दिया है। इस बदलाव के तहत अब इन परीक्षाओं में टाई ब्रेकिंग पॉलिसी के अंतर्गत उन विद्यार्थियों को वरीयता नहीं दी जायेगी, जिनकी उम्र ज्यादा है। एनटीए ने कहा कि इन परीक्षाओं में अभी तक कुल स्कोर बराबर रहने पर उन विद्यार्थियों का नाम मेरिट लिस्ट में ऊपर रहता था, जिनकी उम्र अधिक होती है, लेकिन अब फैसला विषय के नंबर के आधार पर होगा। अब जेईई मेंस में स्कोर बराबर रहने पर गणित विषय में ज्यादा अंक अर्जित करने वाला छात्र मेरिट लिस्ट में ऊपर होगा। इसी तरह नीट परीक्षा में स्कोर बराबर रहने पर बॉटनी तथा जूलॉजी विषय में अधिक अंक हासिल करने वाला छात्र मेरिट लिस्ट में ऊपर रहेगा।

● केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम के तहत विलंब शुल्क माफी योजना का लाभ उठाने की समय-सीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी है। पहले यह समय-सीमा 31 अगस्त, 2021 तक थी। इस योजना के तहत करदाताओं को मासिक जीएसटी रिटर्न दाखिल करने में हुई देरी के लिये कम शुल्क का भुगतान करना होगा। वित्त मंत्रालय की जीएसटी परिषद ने लंबित रिटर्न पर विलंब शुल्क में राहत देने के लिये मई माह में माफी योजना लाने का फैसला किया था।

29 अगस्त

मिशन गगनयान के लिये वायु सेना के चार पायलट रूस जायेंगे

● भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष अभियान 'गगनयान' के लिये रूस में प्रशिक्षण लेने वाले भारतीय वायु सेना के चार पायलट एक बार फिर प्रशिक्षण के लिये रूस जायेंगे। ये चारों पायलट गगनयान मिशन के दौरान इस्तेमाल किये जाने वाले स्पेससूट की डिजाइनिंग के लिये मॉस्को लौटेंगे। रूस में भारत के राजदूत डीबी वेंकटेश वर्मा ने बताया कि मिशन गगनयान के लिये इन चारों पायलटों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, लेकिन रूस में स्पेससूट तैयार किये जा रहे हैं, जिससे जुड़े कार्मो के लिये पायलटों को मॉस्को में रहना होगा। उल्लेखनीय है कि मिशन गगनयान वर्ष 2022 में लॉन्च किया जायेगा। इस मिशन के लिये केंद्र सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपये जारी किये हैं।

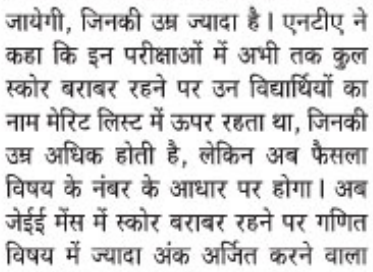

● भारत और फ्रांस के शोधकर्ताओं ने मिलकर तीन बड़े ब्लैक होल की खोज की है। यह जानकारी केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीक मंत्रालय ने दी है। शोधकर्ताओं के अनुसार इन ब्लैक होल में कई आकाशगंगा (गैलेक्सी) एकत्र है। शोधकर्ताओं ने बताया कि बड़े आकार के ब्लैक होल को खोज पाना काफी कठिन होता है, क्योंकि इनसे किसी भी तरह का प्रकाश नहीं निकलता, लेकिन ये आसपास का वातावरण बदलते हुये अपनी मौजूदगी का संकेत देते हैं। आसपास की गैस और धूल के कण जब ब्लैक होल के नजदीक आते हैं, तब वहां ऊर्जा का एक क्षेत्र बन जाता है तथा इलेक्ट्रो मैग्नेटिक रेडिएशन की स्थिति बनती है, तब कुछ समय के लिये ब्लैक होल प्रकाशमान हो जाता है। यही वह समय होता है, जब ब्लैक होल को पहचाना जा सकता है।

● भारतीय नौसेना ने देश में पहली बार विकसित रोबोटिक लाइफबायज की खरीदी के लिये विशाखापट्टनम स्थित सैफ सीज नामक स्टार्टअप के साथ 13 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। नौसेना के अनुसार रोबोटिक लाइफबायज पूरी तरह ऑटोमैटिक है। इनमें जल क्षेत्र में फंसे व्यक्ति का पता लगाने तथा उसे निकालने के लिये सेंसर्स और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगे हैं।

30 अगस्त

पीएफआरडीए ने एनपीएस की उम्र सीमा में किया बदलाव

● पेंशन फंड नियामक संस्था पीएफआरडीए ने नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) में बड़ा बदलाव किया है। पीएफआरडीए ने एनपीएस के लिये एंट्री और एक्जिट की आयु सीमा में बदलाव किया है। अब इस योजना में जुड़ने की अधिकतम आयु 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष कर दी है। अब 65-70 आयु वर्ग में भारत या विदेश में निवासरत कोई भी भारतीय एनपीएस से जुड़ सकता है। 65-70 आयु वर्ग के नये सदस्य अपने खाते को 75 वर्ष की आयु तक संचालित कर सकते हैं। पीएफआरडीए ने एनपीएस में कॉर्पस फंड नियम में भी बदलाव किया है। अगर अंशधारक का कॉर्पस फंड पांच लाख रुपये या इससे कम है, तो वह पूरी राशि एकमुश्त निकाल सकता है। पीएफआरडीए ने कहा कि तीन वर्ष से पहले एनपीएस से बाहर निकालने को प्रीमेच्योर एक्जिट माना जायेगा।

● केंद्र सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर लगी रोक को 30 सितंबर 2021 तक के लिये बढ़ा दिया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया है। डीजीसीए ने कहा कि यह रोक केवल अंतर्राष्ट्रीय यात्री विमानों पर जारी रहेगी। इससे अंतर्राष्ट्रीय कार्गो उड़ाने प्रभावित नहीं होंगी। साथ ही डीजीसीए से मंजूरी प्राप्त विशेष उड़ानों पर भी यह रोक प्रभावी नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि मार्च 2020 में कोरोना महामारी के कारण यात्री उड़ानों पर रोक लगा दी गई थी, हालांकि मई 2020 में घरेलू यात्री उड़ानों पर रोक हटा दी गई थी। इसके अलावा वंदे भारत मिशन के तहत विशेष अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें संचालित की जा रही हैं।

● लंबे समय से गृहयुद्ध का सामना कर रहे यमन के एक प्रमुख सैन्य अड्डे पर मिसाइल और विस्फोटकों से लदे ड्रोन से हमला हुआ। इस हमले में यमन के 30 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 65 से अधिक सैनिक घायल हुये हैं। यमन सेना के अधिकारियों के अनुसार दक्षिणी प्रांत लाहज के अल-अनद सैन्य अड्डे पर मिसाइल और ड्रोन के जरिये हमला हुआ। हमले के वक्त सैनिक अभ्यास कर रहे थे। अधिकारियों ने इस हमले के लिये हौती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है।

31 अगस्त

विदेशी जहाजों के लिये चीन ने जारी किये नये नियम

● चीन ने अपने समुद्री जल क्षेत्र में विदेशी जहाजों के लिये नये नियम जारी किये हैं। नये नियमों में कहा गया है कि चीनी जल क्षेत्र से रेडियोएक्टिव सामग्री, तेल, रसायन और अन्य सामग्री ढोने वाले जहाजों को सामग्री की जानकारी चीनी जल क्षेत्र में प्रवेश के समय चीन को देनी होगी। चीन के इस कदम पर रक्षा विशेषज्ञों ने कहा कि चीन अगर इन नियमों को दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में सख्ती के साथ लागू करता है तो इससे इन क्षेत्रों में तनाव बढ़ सकता है। इस क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी देश नौसैनिक अभ्यास कर रहे हैं।

1 सितम्बर

सुप्रीम कोर्ट में पहली बार नौ न्यायाधीशों को दिलाई गई एक साथ शपथ

● सुप्रीम कोर्ट में पहली बार नौ नये न्यायाधीशों ने एक साथ शपथ ग्रहण की। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन.वी. रमना ने नये न्यायाधीशों को शपथ दिलाई। न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ लेने वालों में जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, जस्टिस हिमा कोहली, जस्टिस बी.वी. नागरत्ना, जस्टिस सी.टी. रविकुमार, जस्टिस एम.एम. सुंदरेश, जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा शामिल हैं। शपथ ग्रहण के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 24 से बढ़कर 33 हो गई है। इनमें मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के कुल 34 पद हैं। सुप्रीम कोर्ट में अब महिला न्यायाधीशों की संख्या भी चार हो गई है।

● भारत ने लद्दाख में विश्व की सबसे ऊंची सड़क तैयार की है। यह सड़क 18 हजार 600 फीट की ऊंचाई पर बनी है। यह सड़क लेह से पैंगॉन्ग झील तक बनाई गई है। ये केला दर्रे को पार कर पैंगॉन्ग झील की दूरी 41 किलोमीटर कम कर देगी। इस सड़क का निर्माण सेना की 58 इंजीनियर रेजिमेंट ने किया है। सड़क को आम लोगों के लिये खोल दिया गया है। इससे पहले सबसे ऊंची सड़क का रिकॉर्ड खरदूंगला दर्रा पर 18 हजार 380 फीट की ऊंचाई पर बनी सड़क के नाम था। लद्दाख के सांसद जामयांग सेरिंग नामग्याल ने सड़क का उद्घाटन करते हुये कहा कि यह सड़क लद्दाख के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभायेगी।

2 सितम्बर

डीसीजीआई ने बॉयोलॉजिकल-ई के टीके के ट्रायल की दी मंजूरी

● देश में जल्द ही पांच वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिये कोरोना महामारी से बचाव का टीका उपलब्ध होगा। यह टीका हैदराबाद की दवा कंपनी बॉयोलॉजिकल-ई लिमिटेड तैयार कर रही है। भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने इस टीके के क्लीनिकल ट्रायल को मंजूरी प्रदान की है। डीसीजीआई ने टीके के ट्रायल के लिये कुछ प्रोटोकॉल तय किये हैं, इनमें बच्चों और किशोरों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने को कहा गया है। बॉयोलॉजिकल-ई कंपनी ने बताया कि यह टीका कॉर्बेवैक्स आरबीडी प्रोटीन पर आधारित है। इस टीके का ट्रायल देश में 10 स्थानों पर किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि भारत में अभी 18 या इससे अधिक आयु वर्ग के लोगों का टीकाकरण चल रहा है। डीसीजीआई ने 12 से 18 वर्ष की उम्र के बच्चों के लिये जायडस कैडिला के टीके जायकोव-डी के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दी है।

● केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में 2.5 लाख रुपये वार्षिक से अधिक योगदान पर मिलने वाले ब्याज पर कर के नियम का मसौदा जारी किया है। मसौदे के तहत कर योग्य ब्याज की गणना के लिये भविष्य निधि खाते के भीतर एक अलग खाता खोला जायेगा। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने बजट में घोषणा की थी कि एक वित्तीय वर्ष में ईपीएफ और स्वैच्छिक भविष्य निधि (वीपीएफ) में 2.5 लाख रुपये से अधिक योगदान पर मिलने वाले ब्याज पर टैक्स लगेगा। इसी के तहत नया मसौदा जारी किया गया है। यह नियम एक अप्रैल, 2022 से लागू होगा।

● दक्षिण कोरिया की संसद ने अमेरिकी आईटी कंपनियों गूगल और एपल जैसे बड़े एप स्टोर्स पर प्रतिबंध लगा दिया है। दक्षिण कोरियाई सरकार के अनुसार ये एप स्टोर सॉफ्टवेयर डेवलपर्स से मनमर्जी शुल्क वसूलते हैं। दक्षिण कोरियाई संसद में अमेरिकी आईटी कंपनियों पर प्रतिबंध के लिये बिल पारित हो जाने के बाद अब यह कंपनियां एप निर्माताओं से कोई वसूली नहीं कर पायेंगी।

3 सितम्बर

अफगानिस्तान में लोगों के पास बचा है एक माह का राशन

● अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद जहां लोगों के सामने सुरक्षा की चिंता है, वहीं लगभग चार करोड़ आबादी अब भुखमरी की कगार पर आ गई है। संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान में भुखमरी की संभावना व्यक्त करते हुये कहा कि देश में इस माह के अंत तक के लिये ही खाद्यान्न शेष बचा है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व समुदाय से अफगान नागरिकों के लिये भोजन की व्यवस्था करने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के विशेष उप प्रतिनिधि और अफगानिस्तान में मानवाधिकार संयोजक रमीज अलक बारोव ने खाद्य असुरक्षा पूरे देश में घर कर चुकी है। कुछ दिन पहले पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान में 600 मीट्रिक टन खाद्यान भेजा गया था, जो अब खत्म होने की कगार पर है।

● भारत और ब्रिटेन ने मौसम में हो रहे बदलाव के कारणों से निपटते हुये आपस में निवेश बढ़ाने और आर्थिक विकास करने का संकल्प लिया है। भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक मामलों पर हुई 11वें दौर की वार्ता के दौरान यह निर्णय लिया गया। यह वार्ता भारत की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और ब्रिटेन के वित्त मंत्री श्री ऋषि सुनक के बीच हुई। दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच यह वार्ता वर्चुअल रूप से हुई। इस वार्ता का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार सहयोग बढ़ाना है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

R-45906/2021

वर्ष 38, अंक 36 06.09.2021 से 12.09.2021

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (रु. पाँच सौ) का डी.डी., मनी ऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर, रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें:-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011,
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ जनजातियों का

प्रदेश के संसाधनों पर बराबर का अधिकार

जनजातियों का प्रदेश के सभी संसाधनों पर बराबर का अधिकार है। यह समुदाय विकास और उन्नति करे और प्रदेश की प्रगति में बराबर की भूमिका निभाए। इसके लिये राज्य सरकार कृत संकल्पित है। इन जनजातियों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिये सभी आवश्यक प्रयास किये जायेंगे। इस क्रम में इन जनजातियों के विद्यार्थियों के लिये श्रमोदय विद्यालय, ग्रामोदय विद्यालय और एकलव्य विद्यालयों में सीटें आरक्षित की जायेंगी। छात्रावासों में भी इन विद्यार्थियों के लिये स्थान आरक्षित होंगे। विमुक्त, घुमक्कड़ तथा अर्धघुमक्कड़ जनजातियों की परंपरा, संस्कृति और जीवन मूल्यों को संरक्षित करने के लिये संग्रहालय स्थापित किया जायेगा। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित अपने निवास पर विमुक्त, घुमक्कड़ तथा अर्धघुमक्कड़ जनजाति पंचायत को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रति वर्ष 31 अगस्त का दिन जनजातियों के विमुक्ति दिवस के रूप में मनाया जायेगा। प्रदेश में विमुक्त, घुम्मकड़ एवं अर्धघुमक्कड़ वर्ग के कल्याण के लिये 2011 में पृथक विभाग का गठन किया गया है। वर्षों तक विकास की मुख्य धारा से कटी रही इन जनजातियों की पीड़ा को समझकर की गई इस पहल को विस्तार देते हुये अब जनजातियों के संपूर्ण कल्याण के लिये घुमन्तु तथा अर्धघुमन्तु मंत्रालय बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने पंचायत में उपस्थित सभी व्यक्तियों को अपने बेटा-बेटियों को स्कूल भेजने और पढ़ाने की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातियों की भ्रमण करने की परिस्थिति और परंपरा को देखते हुये यह व्यवस्था की जा रही है कि एक शाला में प्रवेश के आधार पर बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था दूसरे स्थान के स्कूल में भी हो सके। जो माता-पिता अपने बच्चों को साथ रखकर भ्रमण पर जाना चाहते हैं उनके बच्चों को उन्हीं स्थानों के शासकीय विद्यालयों में प्रवेश मिल जायेगा। इन जनजातियों के जो प्रतिभाशाली बच्चे मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश लेंगे, उनकी फीस राज्य शासन द्वारा भरी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नति के लिये आर्थिक सशक्तिकरण जरूरी है। शासकीय सेवा में निकलने वाली सभी भर्तियों की परीक्षाओं के लिये इन जनजातियों के युवाओं को आवश्यक शिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश में कुछ ही दिनों में लगभग 1 लाख शासकीय पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। साथ ही स्वरोज़गार योजनाओं के लिये युवाओं को बैंक से लोन सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। लोन का ब्याज राज्य सरकार द्वारा भरा जायेगा। जनजातियों के जो लोग कला-कौशल में निपुण हैं, उन्हें आई.टी.आई. में प्रशिक्षण दिलवाया जायेगा। आजीविका की पुख्ता व्यवस्था के लिये ऐसे व्यक्तियों को बैंक से भी ऋण सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। मध्यप्रदेश सरकार विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ जनजातियों के विकास के लिये सतत् प्रयत्नशील है। इनके जीवन स्तर में सुधार के लिये सभी संभव उपाय प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे हैं।

दिल के दौरे का इलाज मकड़ी के जहर से

मकड़ी के जहर से दिल के दौरे का इलाज हो सकेगा। यह संभव हो पाया है एक अध्ययन से। मकड़ी का जहर शिकार के तंत्रिका तंत्र और मस्तिष्क के बीच का संपर्क तोड़ देता है। इसी जहर से अब वैज्ञानिकों ने दिल के दौरे से पीड़ितों के लिये एक जीवन रक्षक दवा बनाई है। एक अध्ययन के मुताबिक शोधकर्ताओं ने फनल-वेब मकड़ी से जहर की खोज की, जिसका दिल के दौरे से पीड़ित लोगों की मदद करने के लिये इस्तेमाल किया जा सकता है। यह अध्ययन क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ग्लेन किंग के नेतृत्व में वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। मकड़ी के जहर का इस्तेमाल करने वाले वैज्ञानिकों ने एक ऐसे अणु की खोज की, जो दिल के स्ट्रोक का शिकार होने पर मस्तिष्क की क्षति को रोक सकता है। शोधकर्ताओं ने इस अणु पर अध्ययन कर दवा को विकसित करने में सफलता प्राप्त की। शोध में बताया गया कि ऑक्सीजन की कमी कोशिका की मौत को रोकने का काम करती है। मकड़ी के जहर में कई तरह के प्रोटीन होते हैं, जिसे एच.आई. 1 ए कहा जाता है। इसमें कुछ ऐसे प्रोटीन भी हैं, जो इंसानी दिमाग को दर्द का अनुभव नहीं होने देते। रिसर्च टीम के प्रमुख ग्लेन किंग के अनुसार जहर में सात ऐसे तत्व मिलें हैं, जो दर्द का आभास कराने वाले संकेतों को मस्तिष्क तक पहुंचने से रोकते हैं। मकड़ी इस जहर का इस्तेमाल शिकार को मारने के लिये करती है। जहर शिकार की तंत्रिकाओं और दिमाग के बीच के संपर्क को तोड़ देता है। शोधकर्ता का लक्ष्य अगले दो-तीन साल के अंदर स्ट्रोक और हृदय रोग दोनों के लिये मानव नैदानिक परीक्षणों का लक्ष्य रहा है।

- देवेश तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस | 8 सितम्बर

शिक्षा के महत्व को दर्शाना और निरक्षरता मिटाना है इस दिवस का प्रमुख लक्ष्य

विश्व में शिक्षा के महत्व को दर्शाने और निरक्षरता को समाप्त करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र के सहयोगी संगठन संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की पहल पर वर्ष 1965 में 17 नवम्बर को यह निर्णय लिया कि प्रति वर्ष 8 सितंबर को विश्व साक्षरता दिवस के रूप में मनाया जाए। वस्तुतः शिक्षा के महत्व को दर्शाना और निरक्षरता को जड़ से मिटाना ही अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का प्रमुख लक्ष्य है। पहला अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस वर्ष 1966 में 8 सितम्बर को मनाया गया था और तब से लेकर आज तक पूरे विश्व में 8 सितंबर को विश्व साक्षरता दिवस मनाया जाता है। विश्व में साक्षरता दिवस को भिन्न-भिन्न रूप में मनाया जाता है। कहीं पर समारोह का आयोजन कर साक्षरता को लेकर भाषण दिये जाते हैं, तो कहीं गरीब बस्तियों में जाकर शिक्षा का अलख जगाने का प्रयास किया जाता है। कहीं केवल साक्षरता और निरक्षरता के आंकड़ों की तरफ लोगों का ध्यान आकर्षित किया जाता है। वैसे भी इस दिन सोशल मीडिया, साक्षरता दिवस से जुड़े लेखों और जानकारियों से भरा होता है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, शिक्षा के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने और लोगों का ध्यान शिक्षा की तरफ आकर्षित करने के साथ ही उन्हें शिक्षा के सही संस्कार देने के अभिप्राय से भी मनाया जाता है। शिक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभा रहे शिक्षण संस्थानों, कोचिंग इंस्टीट्यूट्स से भी इस दिन यह अपेक्षा की जाती है कि वो शिक्षा को मात्र मुनाफा कमाने का साधन न मानकर सही और योग्य संस्कारों वाले समाज का निर्माण करने में अहम् भूमिका निभाएं।

साक्षरता के मूल अभिप्राय को समझना बेहद जरूरी है

वह व्यक्ति साक्षर कहा जाता है, जो पढ़ने और लिखने की क्षमता से सम्पन्न हो। अलग-अलग देशों में साक्षरता के अलग-अलग मानक हैं। भारत में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अनुसार अगर कोई व्यक्ति अपना नाम लिखने और पढ़ने की योग्यता हासिल कर लेता है तो उसे साक्षर माना जाता है। एक भाष्य के अनुसार उन लोगों को भी कार्यकारी शिक्षित गिना जाता है, जो अपने हस्ताक्षर कर सकते हैं तथा पैसे का हिसाब किताब करना जानते हैं अथवा समझ सकते हैं अथवा दोनों विधा में सक्षम हैं। यहां इसे वित्तीय साक्षरता से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

विश्व में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं। वैश्विक निगरानी रिपोर्ट 2018 के अनुसार विश्व में लगभग 7750 लाख वयस्क अनपढ़ हैं। हर पांच में से एक पुरुष निरक्षर है। इतना ही नहीं विश्व की सकल आबादी की दो- तिहाई महिलाएं निरक्षर हैं। पूरी दुनिया में बहुत से बच्चे आज भी स्कूल नहीं जा रहे हैं या तो उनके पास स्कूल नहीं है या माता-पिता बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं। कई बच्चे छोटी उम्र से पैसा कमाने में लग जाते हैं। इस दिवस का लक्ष्य साक्षरता के मूल अभिप्राय को समझकर हर बच्चे को पढ़ने के लिए स्कूल भेजना भी है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का लक्ष्य विश्व में सभी अशिक्षितों को शिक्षित करना है। बच्चे, वयस्क, महिलाओं और बूढ़ों को साक्षर बनाना, उनको अपने अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें अपने कर्तव्य की समझ से वाकिफ करवाना भी साक्षरता का ध्येय है। पूरे विश्व में खुशहाली आये यह सब भी साक्षरता से ही सम्भव है।

वैश्विक साक्षरता औसत से पीछे है भारत

किसी देश अथवा राज्य की साक्षरता दर वहां के कुल लोगों की जनसंख्या व

पढ़े-लिखे लोगों के अनुपात को कहा जाता है। आमतौर पर यह प्रतिशत में दर्शाया जाता है। परन्तु कभी-कभी इसे प्रति-कोटि (प्रति हजार पर) के मान से भी दिखाया जाता है। आजादी के समय भारत की साक्षरता दर मात्र बारह प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर लगभग चौहत्तर प्रतिशत हो गई है। परन्तु अभी भी भारत की सामान्य वैश्विक साक्षरता दर पिच्यासी प्रतिशत से पीछे है। इस समय भारत में पुरुष साक्षरता लगभग बयासी प्रतिशत और महिला साक्षरता लगभग पैंसठ प्रतिशत है। राज्यों के मान से सर्वाधिक साक्षरता दर करीब चौरान्नवे प्रतिशत केरल में और सबसे कम साक्षरता दर लगभग चौंसठ प्रतिशत बिहार में है। केन्द्र शासित क्षेत्र के मान से सर्वाधिक साक्षरता दर बान्नवे प्रतिशत लक्षद्वीप में है। जब से भारत ने शिक्षा का अधिकार लागू किया है, तब से भारत की साक्षरता दर बहुत तेजी से बढ़ी है। केरल, हिमाचल, मिजोरम, तमिलनाडु एवं राजस्थान में हुए व्यापक बदलावों ने इन राज्यों की कायापलट कर दी है। सभी बच्चों को अब वहां शिक्षा प्रदान की जाती है। जो लोग जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं जैसे रोटी, कपड़ा और मकान का भी जुगाड़ नहीं कर पाते हैं। वे किताबों का खर्च नहीं उठा पाते हैं। उस स्थिति से बाहर आने के लिये राज्य सरकार अथक प्रयास कर रही है।

बदले हालात में नई रणनीति, वेबिनार से होगा साक्षरता का प्रसार

कोरोना महामारी के दौरान, शुरुआत में कई देशों में वयस्क साक्षरता या प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों की कोई तैयारी नहीं थी। इसलिए या तो वे चलाए ही नहीं गए या उन्हें निलम्बित कर दिया गया। फिलहाल, टीवी, रेडियो और इंटरनेट के जरिए शिक्षा और साक्षरता के प्रसार के काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस साल भी इस दिन संयुक्त शिक्षा व साक्षरता के मुद्दे पर कई ऑनलाइन वेबिनार हो रहे हैं। अब बदले हालात में एक्चुअल के स्थान पर वर्चुअल कार्यक्रम हो रहे हैं और नई रणनीति बनाकर वेबिनार से साक्षरता का प्रसार हो रहा है।

आम नागरिक भी साक्षरता प्रसार में महती भूमिका निभा सकता है

आम नागरिक के लिए यह जरूरी नहीं है, कि वह साक्षरता दिवस पर कोई बड़ा काम या व्यापक अभियान का संचालन करें। हमारी छोटी-छोटी कोशिश भी कई बार बड़ा आकार लेने में सक्षम होती हैं। ध्यान दें कि अगर आप घर पर किसी गरीब बच्चे को न पढ़ा पाएं, तो अपने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर कोई छोटा सा समूह बनाकर, उसके स्कूल जाने की व्यवस्था तो जरूर कर सकते हैं, आप कुछ वक्त निकालकर, उन पिछड़े क्षेत्रों व लोगों के बीच शिक्षा के महत्व को साझा कर सकते हैं, जहां शिक्षा से जरूरी मजदूरी और ज्ञान से जरूरी भोजन होता है, आप ज्ञान के प्रकाश से वंचित तबके को इस बात की अनुभूति करवा सकते हैं कि शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र नहीं होती और आप सरकार की शिक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी तो बांट ही सकते हैं, जो आपके छोटे से प्रयास से अंधकारमय जीवन में एक नया दीपक जला सकती है, क्योंकि शिक्षा रोज़गार या पैसे से ज्यादा खुद के विकास के लिए जरूरी है।

इस दिवस को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जोश और उल्लास के साथ मनाना चाहिये

साक्षरता के वैश्विक महत्व और उसकी शाश्वत मूल्यगत अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में हम सभी को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाना चाहिये। शिक्षा के बिना कोई देश तरक्की नहीं कर सकता है। शिक्षा हमारे भीतर और देश एवं समाज में फैले अंधकार को दूर करती है। इसलिए सभी देशों को इस अंतर्राष्ट्रीय पर्व को निश्चित तौर पर मनाना चाहिये। भारत के लिए इस दिवस का महत्व और भी अधिक है, क्योंकि यहां अनेक बच्चे और वयस्क अनपढ़ हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अकादमिक और तथ्यपूर्ण लेखन करने वाले विश्वस्तरीय लेखकों मार्गरेट एटवुड, पॉलो कोहेलहो, फिलीप डेलर्म, पॉल ऑस्टर, फिलीप क्लॉडेल, फैटेउ डियोम जैसे लेखकों ने विश्व में साक्षरता बढ़ाने के लिए अनेक लेख और किताबें लिखी हैं। अनेक कम्पनियां अपने मुनाफे से बनाये गये कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिविलिटी फंड से गरीब देशों में स्कूल, कॉलेज बनवा रही हैं। बच्चों की पढ़ाई के लिए कॉपी, किताबें और जरूरी चीजें प्रदान कर रही हैं। सेवा संस्थायें यथा रोटरी क्लब, लॉयन्स क्लब, ब्लड बैंक और राष्ट्रीय साक्षरता संस्थान बच्चों को पढ़ाने में मदद कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर ऐसी संस्थाओं को पुरस्कृत किया जाता है जो देश और दुनिया में लोगों को पढ़ाने का काम कर रही हैं। वर्चुअल परिसम्वाद और वेबिनार जैसे कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। शिक्षाविद, शिक्षक और साक्षरता अभियान से जुड़े बुद्धिजीवी इस अवसर पर भाषण देते हैं। इस दिवस पर खबरों का प्रसारण और प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाती है। टीवी पर इससे जुड़ी बातों पर कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस से जुड़ी समस्याओं पर केन्द्रित कार्यक्रम भी दिखाये जाते हैं।

तय थीम पर मनाते हैं साक्षरता दिवस

बहुत सारे देशों में समूचे विश्व की निरक्षरता से संबंधित समस्याओं को सुलझाने के लिये सामयिक योजनाओं के कार्यान्वयन के द्वारा इसे प्रभावशाली बनाने के लिये हर वर्ष एक खास विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस उत्सव मनाया जाता है। वर्ष 2006 का विषय 'साक्षरता से सतत विकास' था। एचआईवी, टीबी और मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियां और साक्षरता पर ध्यान देने के लिये वर्ष 2007, 2008 और वर्ष 2011 का विषय 'शांति के लिये साक्षरता' था। महिला सशक्तिकरण के लिये 'साक्षरता और महिला सशक्तिकरण' वर्ष 2009 का मुद्दा था। वर्ष 2010 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम - 'विकास को बनाए रखने के लिए साक्षरता' थी। वर्ष 2012 में थीम 'लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए साक्षरता' थीम रखी गई थी। वर्ष 2013 में 'साक्षरता और शान्ति' थी। वर्ष 2014 में इक्कीसवीं सदी के लिए साक्षरता, वर्ष 2015 में सतत् विकास और सक्षरता, वर्ष 2016 में 'अतीत पढ़ना और भविष्य लिखना', वर्ष 2017 में डिजिटल दुनिया में साक्षरता, वर्ष 2018 में साक्षरता और कौशल विकास और वर्ष 2019 में साक्षरता और बहुभाषावाद को थीम बनाया गया था। गत वर्ष 2020 में कोविड-19 संकट और उससे परे साक्षरता और शिक्षण साक्षरता दिवस की थीम थी।

राजा दुबे
(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड विदिशा (म.प्र.)

Mail ID : eephvid@mp.nic.in, Fax No. : 07592-250663, Telephone No. : 07592-250663
VIDISHA 464001 (M.P.)

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 08/नि.प्र./लोस्वायांवि/खण्ड विदिशा 2021-22 दिनांक : 25.08.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

विदिशा जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में 200/150/125 मि.मी. व्यास के औसतन 120 मीटर गहरे निम्नानुसार संख्या में नलकूपों के खनन एवं अन्य संबंधित कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 10.09.2021 को सायं 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है :-

स. क्र.	टेन्डर आई.डी. क्रमांक	विकास खण्ड	नलकूपों की संख्या	अनुमानित लागत (PAC) (रु. में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा का आमंत्रण	ठेकेदार की श्रेणी
1.	2021_PHED_156669_1	बासौदा	60	5779155/-	57792/-	10000/-	180 दिवस वर्षाऋतु सहित	तृतीय	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार
2.	2021_PHED_156680_1	ग्यारसपुर	60	5779155/-	57792/-	10000/-	180 दिवस वर्षाऋतु सहित	तृतीय	

कार्यपालन यंत्री
जी-16216/45889/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड विदिशा (म.प्र.)

कार्यालय सचिव, मध्यप्रदेश स्पेशल एण्ड रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी MPSARAS, द्वितीय तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल

क्रमांक/MP-SARAS/E-Tender/596/1049 भोपाल, दिनांक : 24.08.2021

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

सचिव मध्यप्रदेश स्पेशल एण्ड रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी (MP-SARAS) द्वारा ऑनलाइन निविदा के माध्यम से लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई मध्यप्रदेश भोपाल के S.O.R. (01/12/2020 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक निर्माण विभाग में केंद्रीयकृत व्यवस्था अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।) निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	ऑनलाइन निविदा का क्रमांक	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्णता का समय
1.	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डिंडौरी जिला डिंडौरी में सी.बी.एस.ई. मापदण्ड अनुसार 07 क्लास रूम, 01 कम्पोस्ट पिट/वेस्ट वॉटर डिस्पोजल सिस्टम, सीसी रोड, नाली निर्माण, इंडोर खेल कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य एवं वॉलीबाल मैदान निर्माण कार्य।	2021_TAD_156566_1	295.48 लाख	295480/- रुपये	15000/- रुपये	12 माह

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **mptenders.mp.gov.in** पोर्टल पर दर्शित तिथि तक क्रय की जा सकती है। 2. निविदा का विस्तृत विवरण पोर्टल पर देखा जा सकता है। 3. निविदा में किसी प्रकार का संशोधन केवल ऑनलाइन पोर्टल पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-16171/45879/2021 म.प्र. स्पेशल एण्ड रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी मध्यप्रदेश

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 815/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 26.08.2021

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 15.09.2021 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2021_WRD_156879	सॉक नून के.पी., पी.एस. नहर में अतिवृष्टि से हुई क्षति का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	1445.55

जी-16241/45892/2021 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 812/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 24.08.2021

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 14.09.2021 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2021_WRD_156552	अम्बाह शाखा नहर के कि.मी. 0 से 31.64 कि.मी. के मध्य अतिवृष्टि से हुई क्षतिग्रस्त नहरों का मिट्टी कार्य, बैंक रेजिंग, रेनकट फिलिंग, कंक्रीट लाइनिंग, प्रोटेक्शन आदि का वार्षिक मरम्मत कार्य।	मुरैना	44.41
2.	2021_WRD_156557	अम्बाह शाखा नहर के कि.मी. 31.64 से 81.74 कि.मी. के मध्य अतिवृष्टि से हुई क्षतिग्रस्त नहरों का मिट्टी कार्य, बैंक रेजिंग, रेनकट फिलिंग, कंक्रीट लाइनिंग, प्रोटेक्शन कार्य एवं कैटल घाट का वार्षिक मरम्मत कार्य।	मुरैना	28.31
3.	2021_WRD_156560	वार्षिक मरम्मत अंतर्गत भगोरा लघु सिंचाई योजना के नहर नेटवर्क एवं स्ट्रक्चर्स का मरम्मत कार्य एवं मुख्य नहर की आर.डी. 1045 मी. पर एक्वाडक्ट का पुनर्निर्माण कार्य।	शिवपुरी	509.61
4.	2021_WRD_156562	वार्षिक मरम्मत अंतर्गत महुअर बांध की गाइड वाल का विस्तारीकरण कार्य।	शिवपुरी	571.39
5.	2021_WRD_156575	चम्बल दाहिनी मुख्य नहर की शाखा 6 एल से 11 एल एवं इसकी उपशाखाओं में मिट्टी का कार्य, लाइनिंग कार्य, स्ट्रक्चर रिपेयर कार्य एवं सड़क का वार्षिक मरम्मत कार्य।	श्योपुर	559.47

जी-16176/45881/2021 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय कार्यपालन यंत्री, संभाग-ग्वालियर माधवराय सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03), भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्रं-01/2021-22/338 भोपाल, दिनांक : 24.08.2021

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-ग्वालियर की ओर से निम्नलिखित जिलों के विभिन्न विकासखण्डों में एस.एन.सी.यू.पी.एच.डी.यू. का रिनोवेशन एवं मेटरनिटी वार्ड निर्माण एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्यों हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 02 लिफाफा एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्रमांक	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	एस.एन.सी.यू.पी.एच.डी.यू. मेटरनिटी वार्ड एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों की संख्या	अनुमानित लागत राशि रु. लाख में
1.	2021_DHS_151441	गुना	राघौगढ़	01	44.22
2.	2021_DHS_151442	भिण्ड	मेहगांव	01	44.72
3.	2021_DHS_151443	अशोकनगर	अशोकनगर	01	18.62
4.	2021_DHS_151444	अशोकनगर	अशोकनगर	01	30.27
5.	2021_DHS_151445	मुरैना	पहाड़गढ़	02	87.75
6.	2021_DHS_151446	गुना	चाचौड़ा एवं बीनागंज	02	87.75
7.	2021_DHS_151447	अशोकनगर	शाढौरा	03	131.63
8.	2021_DHS_151448	अशोकनगर	शाढौरा	04	175.51
9.	2021_DHS_151451	अशोकनगर	शाढौरा	05	219.37

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 13.09.2021 समय 17.30 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
जी-16158/45878/2021 संभाग-ग्वालियर

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक गांधी स्मारक चिकित्सालय रीवा (म.प्र.)

Website : http://ssmcrewa.com, E-mail : jdsupdtgmhrewa@rediffmail.com
फोन/फैक्स : 07662-292001, 242104

क्रमांक 11238 क्रय/जी.एम.एच./2021 रीवा, दिनांक : 25.08.2021

ई-निविदा विज्ञप्ति

श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में संबद्ध गांधी स्मारक, संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय एवं सुपरस्पेशिलिटी ब्लॉक में निम्नलिखित सेवाओं हेतु ई-निविदा वेबसाइट **https://mptenders.gov.in//** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर ऑनलाइन क्रय एवं जमा किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। इसे चिकित्सालय की वेबसाइट **https://www.ssmcrewa.com** पर भी देखा जा सकता है।

स. क्र.	ऑनलाइन फार्म क्रय/जमा करने की प्रारंभ तिथि	ऑनलाइन फार्म क्रय करने की प्रारंभ तिथि	ऑनलाइन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि	ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि
1.	निविदा क्र. 17/2021-22 श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा से संबद्ध सुपरस्पेशिलिटी ब्लॉक में 24 घंटे सीटी स्कैन जांच की ऑनलाइन रिपोर्टिंग हेतु रेडियोलॉजिस्ट की सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु ई-निविदा (प्रथम आमंत्रण)	27.08.2021 11.00 AM	18.09.2021 05.00 PM	20.09.2021 12.30 PM
2.	निविदा क्र. 18/2021-22 श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा से संबद्ध सुपरस्पेशिलिटी ब्लॉक हेतु कंज्यूमेबल एवं सर्जिकल सामग्री के स्थानीय क्रय हेतु ई-निविदा (लोकल पर्चेस) (प्रथम आमंत्रण)	27.08.2021 11.00 AM	18.09.2021 05.00 PM	20.09.2021 12.30 PM

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
जी-16199/45894/2021 गांधी स्मारक चिकित्सालय रीवा म.प्र.

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग), जिला-अलीराजपुर (म.प्र.)

E-Mail : actw.alp@mp.gov.in

क्रमांक/अतिथि/2021/3756 अलीराजपुर, दिनांक : 27.08.2021

अतिथि शिक्षक साक्षात्कार की अधिसूचना

कार्यालयीन विज्ञप्ति क्रमांक/अतिथि/2021/3514, अलीराजपुर दिनांक 11.08.2021 अनुसार, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अलीराजपुर, सेजावाड़ा (च.शे.आ. नगर), सोंडवा (उमराली) एवं जोबट, जिला-अलीराजपुर अंतर्गत सत्र 2021-22 में कक्षा 6वीं से 12वीं तक अध्यापन कार्य हेतु अतिथि शिक्षकों की विज्ञप्ति जारी की गई, जो दिनांक 14.08.2021 के दैनिक समाचार पत्रों (फ्री प्रेस, नई दुनिया, पत्रिका, राज एक्सप्रेस) में प्रकाशित हुई हैं, जिसके बिंदु क्रमांक 07 अनुसार साक्षात्कार की सूचना पृथक से किये जाने का उल्लेख होने से, पात्र अभ्यर्थियों का निम्नानुसार साक्षात्कार का आयोजन होना है :-

क्र.	दिनांक	पद/विषय	विद्यालय	स्थान	समय
1.	06.09.2021	PGT विज्ञान संकाय (जीव विज्ञान, गणित, रसायन, भौतिकी)	EMRS अलीराजपुर, सेजावाड़ा, सोंडवा (उमराली), जोबट	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अलीराजपुर जिला-अलीराजपुर	प्रातः 10.30 में सायं 05.00 बजे तक
2.	07.09.2021	PGT कला संकाय, कॉमर्स, भाषा (इतिहास, राजनीति, भूगोल, हिन्दी, अंग्रेजी, कॉमर्स)	EMRS अलीराजपुर, सेजावाड़ा, सोंडवा (उमराली), जोबट		
3.	08.09.2021	TGT हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, गणित	EMRS अलीराजपुर, सेजावाड़ा, सोंडवा (उमराली), जोबट		
4.	09.09.2021	TGT संगीत, कम्प्यूटर, लाईब्रेरियन, प्रयोगशाला, पीटीआई, डाटा एंट्री ऑपरेटर	EMRS अलीराजपुर, सेजावाड़ा, सोंडवा (उमराली), जोबट		

उक्तानुसार साक्षात्कार में नियम समय में 01 (एक) घंटा पूर्व पात्र अभ्यर्थियों को उपस्थित होकर, अपने समस्त मूल दस्तावेजों का सत्यापन करवाना अनिवार्य है एवं पहचान पत्र के रूप में अपना आधार कार्ड अथवा वोटर आईडी प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

सहायक आयुक्त
जी-16173/45880/2021 जनजातीय कार्य विभाग अलीराजपुर

सभी देशवासियों को

75 वें स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएँ

जय हिंद

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

"देश की आज़ादी का अमृत महोत्सव कोटि-कोटि भारतवासियों का पर्व है, जिसमें पूरे भारत की परंपरा भी है, स्वाधीनता संग्राम की परछाई भी है और आज़ाद भारत की गौरवान्वित करने वाली प्रगति भी है। यह आयोजन हमारे इन 75 वर्षों की उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने का और अगले 25 वर्षों के विकास की रूपरेखा और संकल्प के लिए प्रेरणा लेने का अवसर है।"

- नरेन्द्र मोदी

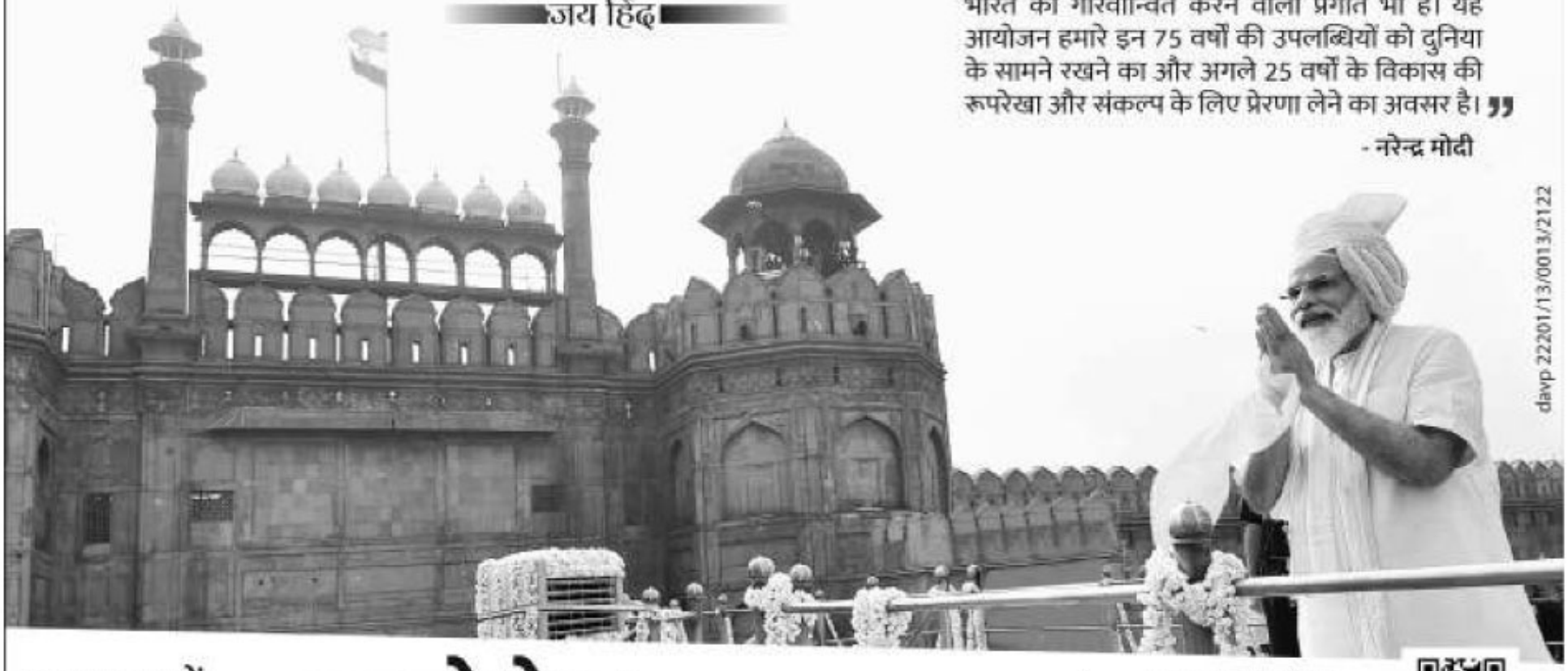

davp 22201/13/0013/2122

कण-कण में,
हर धड़कन में... पहले देश

#AmritMahotsav
एमआर कोड स्कैन करें और
आज़ादी के अमृत महोत्सव में भाग लें

R-45895/2021

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
राज्य वन सेवा (मुख्य) परीक्षा-2019
के आयोजन की सूचना दिनांक 27.08.2021

प्रवेश-पत्र उपलब्धता अवधि :	परीक्षा तिथि
दिनांक 09.09.2021 से दिनांक 17.09.2021 तक	19.09.2021

01. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य वन सेवा परीक्षा 2019 हेतु जारी विज्ञापन क्रमांक 04/2019 दिनांक 14.11.2019 के संदर्भ में आयोजित की गयी प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम दिनांक 21.12.2020 को घोषित किया गया है। उक्त परीक्षा में सफल आवेदकों हेतु राज्य वन सेवा (मुख्य) परीक्षा 2019 **दिनांक 19.09.2021 को** इंदौर स्थित परीक्षा केंद्र पर निम्नानुसार आयोजित की जायेगी :-

प्रश्नपत्र	विवरण	समय
प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन, मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय प्रारंभिक गणित, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी आदि।	प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक
द्वितीय प्रश्न पत्र	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण	दोपहर पश्चात 02.00 बजे से 4.00 बजे तक

प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा परीक्षा ऑफलाइन पद्धति से OMR आधारित होगी।

02. मुख्य परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र दिनांक 09.09.2021 से दिनांक 17.09.2021 तक **www.mponline.gov.in, www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगे। प्रवेश पत्र डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से प्रेषित नहीं किये जायेंगे। प्रवेश पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन mponline के अधिकृत कियोस्क का भी उपयोग कर सकते हैं। कियोस्क के माध्यम से प्रवेश पत्र प्राप्ति हेतु रु. 5/- पोर्टल शुल्क देय होगा।

03. आवेदक कृपया ध्यान रखें कि परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश पत्र के साथ निम्न मान्य फोटोयुक्त मूल पहचान-पत्र प्रस्तुत करने एवं उससे पहचान की पुष्टि होने के पश्चात् ही परीक्षा देने की अनुमति मिलेगी।
   1. मतदाता परिचय पत्र
   2. आधार कार्ड (फोटोकॉपी मान्य)
   3. ड्रायविंग लायसेंस
   4. आयकर का पैन कार्ड
   5. पासपोर्ट
   6. फोटो सहित बैंक पासबुक
   7. केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय एवं अन्य नियोक्ताओं द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र।
   8. शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत आवेदकों के मामले में शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा अधिकतम तीन वर्ष पूर्व जारी फोटो पहचान पत्र।
   9. राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय पत्र।

04. मध्यप्रदेश के ऐसे मूल निवासी अभ्यर्थियों को जो कहीं सेवारत न हों तथा मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित अनूसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी हों को मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेखित वर्तमान पते के शहर/ग्राम से उन्हें आवंटित परीक्षा शहर तक आने-जाने के यात्रा व्यय का भुगतान वापसी यात्रा के पूर्व परीक्षा केन्द्र पर केन्द्राध्यक्ष द्वारा किया जायेगा। अभ्यर्थियों को इसके लिये केन्द्राध्यक्ष को वांछित घोषणा-पत्र भरकर देना होगा तथा यात्रा भत्ते की पात्रता से संबंधित निम्न अभिलेख प्रस्तुत करना होंगे :-
   (1) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रति।
   (2) यात्रा टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गयी, तथा किराये की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो।

05. राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2019 की परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम राज्य वन सेवा परीक्षा-2019 के विज्ञापन में प्रकाशित किया गया है।

जी-16177/45882/2021

सचिव

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
निर्माण भवन, प्लाट नं. - 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.-18/2021/निविदा/सा/एपीडी/ **भोपाल, दिनांक : 23.08.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती हैं:-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएससी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2021_PWPIU_156339_1	100 बिस्तरीय जिला चिकित्सालय हरदा का 200 बिस्तरीय में भवन उन्नयन/निर्माण कार्य।	हरदा	1478.25	1000000/-	30000/-	18 माह वर्षाकाल सहित
2.	2021_PWPIU_156446_1	कंस्ट्रक्शन ऑफ माईनर ओरिजनल वर्क/लेफ्ट ओव्हर वर्क बाय दि कॉन्ट्रेक्टर एंड वर्क अंडर परफॉरमेंस गारंटी ऑफ बिल्डिंग्स फ्रॉम दि डिपॉजिट्स ऑफ ओरिजिनल कान्ट्रेक्टर अंडर पी.आई.यू. होशंगाबाद डिवीजन (जोनल कांट्रेक्ट)	होशंगाबाद	114.55	114550/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
2.	2021_PWPIU_156440_1	रायसेन जिले के अंतर्गत रायसेन छोटे-छोटे स्वीकृत कार्य मूल ठेकेदार द्वारा छोड़े गये कार्य एवं पी.जी. अंतर्गत सुधार कार्य की निविदा।	रायसेन	114.55	114550/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/केशकार्ड बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 23.08.2021 समय 10.30 से दिनांक 06.09.2021 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किय जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त परियोजना संचालक
(मुख्य अभियंता)
लो.नि.वि. पी.आई.यू., भोपाल

जी-16198/45893/2021

मेयो ग्रुप ऑफ कॉलेज

सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल–462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर, इंडियन नर्सिंग कांउसिल, नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग काउंसिल एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश प्रारंभ सत्र 2021-22

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ नर्सिंग (एम.एस.सी नर्सिंग)– योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग	2 वर्ष
2.	मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (एम.पी.टी.) योग्यता बी.पी.टी.	2 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन (एम.एम.एल.टी.) योग्यता बी.एम.एल.टी.	2 वर्ष
4.	पोस्ट बैसिक बी.एस.सी नर्सिंग–योग्यता जी.एन.एम.	2 वर्ष
5.	बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बी.पी.टी.) 6 माह इंटर्नशिप	4 वर्ष
6.	बी.एस.सी. इन एक्स–रे	3 वर्ष
7.	डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्निशियन (डी.एम.एल.टी.)	2 वर्ष
8.	सर्टिफिकेट इन एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन	1 वर्ष
9.	ओ.टी. टेक्निशियन (ऑपरेशन थ्रीएटर)	1 वर्ष
10.	एम.बी.ए.	2 वर्ष

क्रमांक 5 से लेकर क्रमांक 9 तक के लिए योग्यता 12वी जीव विज्ञान विषय से। तथा क्र. 10 के लिए स्नातक किसी भी विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडे वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। छात्राओं के लिए उत्तम भोजन युक्त छात्रावास की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

संचालक

LAKECITY

R-45907/2021

PEOPLE'S UNIVERSITY

(Established by M.P. Act No. 18 of 2011 & approved u/s 2 (f) of UGC act 1956)

PEOPLE'S COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES & RC

Recognized by the Paramedical Council of Madhya Pradesh, Director of Medical Education and Higher Education Department

ADMISSION OPEN 2021-22

MPT	Masters of Physiotherapy - (Ortho'/ Neuro'/ Cardio' & Sports) 2 yrs PG Degree Program, Eligibility : BPT	
BPT	Bachelor of Physiotherapy*	4½ yrs Degree Course
BMLT	Bachelor of Medical Lab Technology*	3 yrs Degree Course
DMLT	Diploma in Medical Lab Technology*	2 yrs Diploma Course
DDT	Diploma in Dialysis Technology*	2 yrs Diploma Course

*Eligibility : 12th with Physics, Chemistry & Biology

Attached with People's Teaching Hospital 1000 bedded (ISO 9001:2015) Training facilities such as dissection/demonstration hall, Anatomy Museum OPD/IPD postings, community/ field visit etc. ▮ Separate hostel facility Scholarship facility available. ▮ Medical camps, Health & Nutritional awareness Camp. etc. Institutional NSS & NCC Activities. ▮ Educational Visits and Student's Tour.

Ph. 0755-4005295, M. 98262 44676
People's Campus, Bhanpur, Bhopal (M.P.) 462037
E-mail: pcps.pu2017@gmail.com

R-45905/2021

OFFICE OF THE DIRECTOR INSTRUCTIONS

Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya
Raja Pancham Singh Marg, Behind LNUPE, Gwalior-474002 (M.P.)

No./IPRO/DI/2021-22/1322 Dated : 18/08/2021

ADMISSION NOTICE (2021-22)

Admission to Master and Ph.D. degree programme (2021-22) of Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior and Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur will be through an Online Joint Entrance Examination to be conducted on 23.09.2021 by MP Online Limited, Bhopal. Candidates may apply online w.e.f. 19.08.2021. **Details are available on www.rvskvv.net, www.jnkvv.org and kvv.mponline.gov.in**

Director Instructions

R-45904/2021

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011

IFB No. - WB –28/954

No./12364/FA/WB/CMGSY/2021 Bhopal, Dated : 01.09.2021

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Construction/Up-gradation of Rural Roads under World Bank and AIIB Financed MPRC Project P-157054, as under :

S. No.	Name of District	Number of Packages	No. of Roads	Grand Total (In Rs.)
1.	Betul	1	1	13267000/-
2.	Guna	1	2	64169000/-

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **06.09.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/101803/45896/2021 (T & e-G)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011

IFB No. - WB –29/955

No./12367/FA/WB/CMGSY/2021 Bhopal, Dated : 01.09.2021

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for up-gradation of Rural Road of Gravel Standards Constructed under CMGSY to Black top Standards under World Bank and AIIB Financed MPRC Project P-157054, as under :

S. No.	Name of District	Number of Packages	No. of Roads	Grand Total (In Rs.)
1.	Balaghat	2	4	22569000/-
2.	Chhindwara	1	2	31778000/-
3.	Guna	2	8	53591000/-
4.	Harda	3	3	22524000/-
5.	Jabalpur	2	10	56796000/-
6.	Katni	1	4	29033000/-
7.	Panna	2	10	74543000/-
8.	Sehore	1	3	14874000/-
9.	Sidhi	1	1	4186000/-
10.	Vidisha	1	3	21693000/-

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **06.09.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/101804/45897/2021 (T & e-G)

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्रमांक/स्टोर/2021/209 दिनांक : 25.08.2021

ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रण

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के लिये केवल निर्माण/अधिकृत विक्रेता से Supply of Equipments, Handmade Paper Machinery, Degree Containers, Lift, Sound System, Material for Electrical Repairing and New boring work के लिये www.mptenders.gov.in पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है, जो कि www.mptenders.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.jiwaji.edu** पर भी देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र की समस्त नियम एवं शर्तें विवरण सहित **www.mptenders.gov.in** वेबसाइट पर दी गई हैं।

म.प्र. माध्यम/101806/45898/2021 कुलसचिव

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन बालाघाट (म.प्र.)-481001
Ph. : 07632-247289, E-mail : mpphcbalaghat01@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग बालाघाट अंतर्गत जिला बालाघाट में विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 06/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No.–2021_MPPHC_157788_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 17.09.2021 तक** ऑनलाइन खरीदकर समय 18.00 बजे तक ऑनलाइन सबमिट किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों मे प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/101825/45899/2021 परियोजना यंत्री

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 160/MTN/2021 (BW)

No./12421/22/D-12/NIT-Maint./2021 Bhopal, Dated : 02.09.2021

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

Name of Work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. **Table No. 1 :** Name of Work- Within 5 Year Maintenance (BW).

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Seoni	2	3229000/-

2. Table No. 1 : Name of Work- Post 5 Years (BW).

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Chhatarpur	1	12000000/-
2.	Chhindwara	2	4230000/-

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **06.09.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/101826/45900/2021 (T & e-G)

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, बालाघाट (म.प्र.)-481001
Ph. 07632–247289, Email : mpphcbalaghat01@gmail.com

प्रेस-विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग बालाघाट अंतर्गत जिला बालाघाट में विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 07/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. –2021_MPPHC_157986_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 17.09.2021 तक** ऑनलाइन खरीद कर समय 18:00 बजे तक ऑनलाइन सब्मिट किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/101829/45901/2021 परियोजना यंत्री

SHRI UMIYA GIRLS COLLEGE

Mandleshwar, Dist.- Khargone (M.P.) – 451221
(Affiliated to D.A.V.V.)

REQUIRES

(Under College Code–28)

Principal, Professors, Associate Professors, Asst. Professors

- Principal- (01)
- Maths -(02)
- Physics-(02)
- Chemistry-(02)
- Zoology-(02)
- Botany-(02)
- Computer Science-(03)
- Biotechnology-(03)
- Bioinformatics-(02)
- Life Science-(02)
- Commerce-(02)
- Political Science-(02)
- Sociology-(02)
- Home Science-(02)
- Accountant-(02)
- Computer Operator-(02)
- Sport Officer-(01)
- Lab Technician (Biotech, Zoology, Botany, Chemistry, Computer & Physics)

Qualification & Experience as per U.G.C. norms. Salary as per norms
Apply within 10 Days with full details and attested copies & testimonial send to college address and by Email.
Contact us on: 9174419187, Email – sugc.mandleshwar@gmail.com

R-45908/2021 PRINCIPAL

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो.वि. निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./679/तशा/प.यं./2021 दिनांक :02.09.2021

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा बोट क्लब, भोपाल में पब्लिक टॉयलेट का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक 2021_MPPHC_158081_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 09.09.2021 समय 15.00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/101849/45910/2021 परियोजना यंत्री

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा, सचिन तेन्दुलकर रोड, सिटी सेंटर, ग्वालियर, पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना - 11/2021-22

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र.-2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 11/2021-22 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. **MPPHC_158025_1**, है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 14.09.2021 तक** खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/101830/56902/2021 परियोजना यंत्री

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय
चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
दिनांक : 11.08.2021

ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजनांतर्गत

अभिरुचि आमंत्रण स्थगन सूचना

इस विश्वविद्यालय के ग्रामोदय सामुदायिक महाविद्यालय योजना के अंतर्गत सत्र 2021-22 में सामुदायिक महाविद्यालय के केंद्र के रूप में पंजीकरण हेतु **दिनांक 31 अगस्त 2021 तक** अभिरुचि (EOI) आमंत्रित की गयी थी। अपरिहार्य कारणों से विज्ञापन/सूचना स्थगित की जाती है। इस विज्ञापन के परिप्रेक्ष्य में कोई भी संस्था अब EOI और शुल्क प्रेषित न करें।

www.gramodayachitrakoot.ac.in,
e-mail : gramodayacc@gmail.com

आर-45903/2021 कुलसचिव

कृषक हित में प्रसंस्करण इकाइयों के ठोस निवेश प्रस्तावों को पूरा सहयोग

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में निवेशकों से चर्चा के दौरान कहा है कि प्रदेश में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक के क्षेत्र में औद्योगिक निवेश को विशेष प्रोत्साहन देंगे। इन क्षेत्रों में गत डेढ़ दशक में अनेक नई इकाइयाँ स्थापित हुई हैं, जिनका लाभ किसानों को मिल रहा है। इन क्षेत्रों में निवेश के नवीन ठोस प्रस्तावों को क्रियान्वित करने के लिए राज्य शासन पूरा सहयोग प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री से भेंट करने वालों में श्री अभिजीत वर्मा एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर अविगना प्राइवेट लिमिटेड, श्री नितिन चंद्रा एसोसिएट डायरेक्टर सीबीआरई और श्री इलयास इकबाल डिप्टी वाइस प्रेसीडेंट एक्सिस बैंक शामिल थे। निवेशकों द्वारा प्रदेश में विभिन्न इकाइयों के माध्यम से कृषि उत्पादों पर आधारित प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने का विचार है।

टीका लगवाओ सुखी रहेगा परिवार, कोरोना जायेगा हार

गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए

भोपाल, जल जीवन मिशन सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से प्रदेश के घर-घर तक नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाया जाएगा। योजना में प्रयुक्त होने वाली पाइप और अन्य सामग्री तथा कार्य की गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। ठेकेदार कमतर गुणवत्ता की पाइप और सामग्री न लगा पाएं इसके लिए सतत मॉनीटरिंग एवं क्रॉस चेक सुनिश्चित किया जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मध्यप्रदेश जल निगम के संचालक मंडल की बैठक को संबोधित करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश अभियान में शासकीय कार्यों में उपयुक्त होने वाली सामग्री के लिए प्रदेश के उद्योगों को प्राथमिकता दी जाए। सामग्री उच्च गुणवत्ता की हो यह भी सुनिश्चित किया जाए।

तीस वर्ष के लिए है योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन 30 वर्ष के लिए बनाया गया है। अतः कार्य इस प्रकार का हो जिससे आगामी 30 वर्षों तक बिना किसी रुकावट के जनता को योजना का लाभ मिल सके।

जहां जल स्रोत नहीं है पाइप लाइन न डालें

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि योजना के कार्य में इस बात का पूरा ध्यान रखा जाए कि जिन स्थानों पर जल स्रोत न हो वहां पाइप लाइन न डाली जाए। पाइप लाइन डालने से पहले जल स्रोत की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

सभी गरीबों को वर्ष 2024 तक पक्की छत देने का लक्ष्य - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान खंडवा में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करते हुये।

खंडवा, विकास तभी सार्थक होगा जब इसमें गरीबों की पूरी सहभागिता होगी। इस समावेशी विकास में शहरी गरीबों को पूरा लाभ मिले। मध्यप्रदेश सरकार की कोशिश है कि विकास की डगर में पीछे छूट गए शहरी गरीबों को रोटी, कपड़ा और मकान की मूलभूत सुविधाएं मिलें। अन्न उत्सव में निःशुल्क अनाज बांटा गया और अब एक लाख 29 हजार 292 शहरी हितग्राहियों को पक्की छत वाले मकान की सुविधा मिलने जा रही है। हमारा टारगेट है कि वर्ष 2024 तक सभी गरीबों को पक्की छत के साथ अपना आवास मिल जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खंडवा में राज्य स्तरीय प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के हितग्राहियों को नवीन आवास की सौगात, नये स्वीकृत आवासों का भूमि-पूजन और आवास निर्माण के लिये किश्त भुगतान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में प्रदेश के एक लाख 29 हजार 292 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इसमें 79 हजार 39 हितग्राहियों के खाते में 627 करोड़ रुपये की सहायता राशि अंतरित की गई। योजना के 50 हजार 253 हितग्राहियों के आवास निर्माण के लिये भूमि-पूजन भी किया गया।

- **खंडवा में स्वर्गीय श्री किशोर कुमार के नाम पर बनाया गया सभागार।**
- **इस सभागार की लागत 19 करोड़ 43 लाख रुपये आयी।**

मुख्यमंत्री ने खंडवा से समूचे मध्यप्रदेश के शहरी हितग्राहियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 तक प्रदेश में सभी गरीब परिवार के सिर पर पक्की छत उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। जिनके पास जमीन नहीं है, उन्हें पट्टा देकर मालिक बनाया जाएगा। सभी गरीबों को आयुष्मान योजना के कार्ड देकर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के शहरों में सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित होंगी। आने वाले समय में 44 हज़ार करोड़ रुपये शहरों के विकास में लगाये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में जो अवैध कॉलोनियां बन गई हैं, उन्हें वैध किया जाएगा। लेकिन भविष्य में अवैध कॉलोनी निर्मित न हो, इसके लिए बिल्डरों पर शिकंजा कसा जा रहा है। उन्हें नियमों का पालन करना ही होगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रदेश के आवासहीनों को बड़ी सौगात मिली है। प्रदेश में आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद भी गरीबों के पक्के मकानों के निर्माण में किसी भी तरह की बाधा नहीं आने दी गई। पक्के मकान निर्माण के लिए पर्याप्त राशि का वितरण प्रधानमंत्री आवास योजना में किया जा रहा है। गरीबों के आवास के सपनों को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे विशेष प्रयासों के लिये मंत्री श्री सिंह ने उनका आभार माना। उन्होंने बताया कि प्रदेश में योजना के विभिन्न घटकों के अन्तर्गत 8 लाख 37 हजार आवास स्वीकृत किये गये हैं। इनमें से 3 लाख 33 हजार हितग्राहियों के आवास पूरे हो चुके हैं।

सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि ऐतिहासिक दिन है, जब एक साथ किसी आवास योजना में एक ही दिन में 1 लाख 29 हजार 292 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

शाला प्रबंधन समितियां

शासकीय और अनुदान प्राप्त प्राथमिक तथा माध्यमिक शालाओं में होंगी गठित

भोपाल, सभी शासकीय और अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं संयुक्त माध्यमिक शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों का गठन 9 सितम्बर 2021 को होगा। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस. ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत शालाओं के बेहतर प्रबंधन एवं शैक्षिक गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए शाला प्रबंधन समितियों का गठन किया जाता है। ये समितियां बच्चों के शालाओं में नामांकन, नियमित उपस्थिति, गुणवत्तायुक्त शिक्षा और अधोसंरचनात्मक कार्यों के साथ बच्चों के बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर्स को स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) गठन के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने विस्तृत निर्देश जारी कर दिए हैं।

प्रदेश में लगभग 90 हजार प्राथमिक, माध्यमिक एवं संयुक्त माध्यमिक स्कूलों में गठित होने वाली समितियों का कार्यकाल आगामी 2 शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित है। शाला प्रबंधन समितियों के 18 सदस्यों में शाला में अध्ययनरत बच्चों के पालक, शाला के प्रधान शिक्षक, वरिष्ठतम महिला शिक्षिका तथा स्थानीय वार्ड के पंच/पार्षद तथा स्थानीय निकाय के सरपंच/अध्यक्ष/महापौर द्वारा नामित अन्य वार्ड की एक महिला पंच/पार्षद के रूप में निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी शामिल रहते हैं। इन समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन विद्यार्थियों के अभिभावकों में से किया जाता है। शासन द्वारा शाला के स्थानीय प्रबंधन के अधिकार भी इन समितियों को सौंपे गए हैं।

श्री धनराजू ने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय एवं अनुदान प्राप्त स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पालकों एवं अभिभावकों से 9 सितम्बर 2021 को स्कूल पहुंचकर, शाला प्रबंधन समिति से जुड़ने और शालाओं के विकास कार्यों में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है।

मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक

बाघ संरक्षण में बनी रहे मध्यप्रदेश की प्रथम स्थिति - मुख्यमंत्री

भोपाल, वनों और वन्य-प्राणियों के संरक्षण के लिए प्रदेश में संचालित गतिविधियां स्थानीय निवासियों के भी अनुकूल हैं। बाघ संरक्षण के साथ ही चीता स्थापना प्रोजेक्ट और इससे जुड़ी गतिविधियों का इसी तरह व्यवस्थित संचालन जारी रखते हुए वन अपराधों पर नियंत्रण के निरंतर प्रयास किये जाएं। विशेष न्यायालय सागर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वन्य-प्राणी तस्कर गिरोह के 13 आरोपियों को सात-सात साल के कठोर कारावास और अर्थदण्ड से दंडित किया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य वन्य-प्राणी बोर्ड की 21वीं बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान राज्य वन्य-प्राणी बोर्ड की बैठक को संबोधित करते हुये।

चीता स्थापना परियोजना के लाभ बताएं स्थानीय निवासियों को

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में तीन टाइगर रिजर्व पन्ना, सतना और बांधवगढ़ में पर्यटकों के लिए सुविधाओं के विकास, श्योपुर जिले में चीता स्थापना परियोजना के अंतर्गत जागरूकता अभियान और बफर में सफर कार्यक्रम में साइकिल टूर जैसी गतिविधियों को भी सराहनीय बताया। श्री चौहान ने कहा कि एक अभियान संचालित कर चीता स्थापना परियोजना क्षेत्र में स्थानीय लोगों को परियोजना के लाभ बताए जाएं। किस तरह स्थानीय वनवासियों और अन्य निवासियों के लिए रोज़गार संभावनाएं विकसित होंगी, इसकी जानकारी वन विभाग द्वारा दी जाए। वन मंत्री ने चीता परियोजना के संदर्भ में प्रस्तावित गाइड प्रशिक्षण-सत्र की जानकारी दी। प्रदेश के स्थापना दिवस एक नवम्बर से संचालित सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियां संचालित की जायेंगी। एक दिन चीता संरक्षण से संबंधित होगा।

बाघ संरक्षण में सबसे आगे है प्रदेश

अखिल भारतीय बाघ आकलन वर्ष 2022 की प्रदेश में शुरुआत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वन क्षेत्र में बाघों के परस्पर संघर्ष या अन्य कारण से बाघ मृत्यु पर नजर रखी जाए। प्रयास यह हो कि देश में मध्यप्रदेश बाघ संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी बना रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और इंटरनेशनल रेंजर्स एसोसिएशन ने संजय टाइगर रिजर्व में बाघ संरक्षण के प्रयासों को पुरस्कृत किया है। वन रक्षक श्री बाबूनंदन सिंह को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर सम्मानित किया गया। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को भी अर्थ हीरो अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। श्री चौहान ने कहा कि सतपुड़ा वनांचल अद्भुत है। यहां की जैव विविधता अनोखी है।

मुख्यमंत्री ने बोर्ड के सदस्य डॉ. ए.बी. श्रीवास्तव के सुझाव पर वन क्षेत्रों में प्राचीन पुरातात्विक धरोहर को संरक्षित करने के निर्देश दिये। सुझाव के अनुसार सतपुड़ा वन क्षेत्र में प्राचीनतम शैल चित्र और तीन स्मारक के संबंध में विशेषज्ञों के परामर्श से संरक्षण कार्य पर सहमति हुई। बैठक में राष्ट्रीय चम्बल अभ्यारण्य के वन्य-प्राणियों के संरक्षण के साथ ही स्थानीय वनवासियों की आजीविका और रेत आपूर्ति व्यवस्था के लिए अभ्यारण्य के आंशिक क्षेत्र के डिनोटिफिकेशन के संबंध में चर्चा हुई।

सभी शासकीय चिकित्सालय में सप्ताह में सातों दिन कोविड-19 टीकाकरण

भोपाल, प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी में सप्ताह में रविवार, सहित सातों दिन कोविड-19 टीकाकरण के सत्र आयोजित होंगे। संचालक एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने कोविड 19 टीकाकरण के संबंध में पूर्व में जारी निर्देशों में संशोधन करते हुए इस आशय के नवीन निर्देश जारी कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है।

कोविड-19 टीकाकरण के संबंध में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुसार मंगलवार, शुक्रवार और रविवार के दिन कोविड-19 टीकाकरण के सत्र आयोजित नहीं किये जाते थे। रविवार के दिन अवकाश, मंगलवार और शुक्रवार को मां-बच्चों के नियमित टीकाकरण के सत्र आयोजित किए जाते थे। नवीन निर्देशों में मंगलवार और शुक्रवार को नियमित टीकाकरण सत्र भी होंगे और कोविड-19 टीकाकरण के सत्र भी होंगे। साथ ही कोविड-19 टीकाकरण के सत्र रविवार के दिन भी होंगे।

ईंट भट्टा और स्टोन क्रेशर के लिए स्पेशल कंपोजीशन योजना का सुझाव

भोपाल, वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा की उपस्थिति में भोपाल स्थित मंत्रालय में जीएसटी के लिए गठित ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक हुई। बैठक में ईंट भट्टा और स्टोन क्रेशर के लिए स्पेशल कंपोजीशन योजना को लागू करने का सुझाव जीएसटी काउंसिल को भेजने पर सहमति हुई।

वाणिज्यिक कर मंत्री के सुझाव पर सहमत होते हुए समिति द्वारा माना गया कि इस क्षेत्र में राजस्व को सुरक्षित रखने के लिए 5 या 6 प्रतिशत की दर से आगत कर का लाभ दिए बिना स्पेशल कम्पोजीशन योजना को लागू किया जा सकता है।

पूर्व में अधिकारियों के समूह द्वारा इस क्षेत्र में कर देयता की सीमा को 40 लाख रुपये से घटाकर 10 लाख रुपये करने का प्रस्ताव भी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी काउंसिल ने ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की एक समिति गठित की थी जिसमें वाणिज्यिक कर मंत्री श्री देवड़ा को शामिल किया गया था। साथ ही 7 राज्यों के जीएसटी आयुक्तों की समिति भी गठित की थी।

इस समिति की बैठक में प्रस्तुत प्रतिवेदन में इस सुझाव पर सहमति बनी कि स्पेशल कम्पोजीशन योजना लागू की जा सकती है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भीड़-भाड़ से रहेंगे दूर, कोरोना भागने को हो जायेगा मजबूर

विकास का प्रकाश गरीबों तक पहुंचाने के लिए सरकार संकल्पित - मुख्यमंत्री

पीएम स्वनिधि योजना के 50 हजार हितग्राहियों को 50 करोड़ रुपये की राशि वितरित की

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को हितलाभ के प्रमाण पत्र वितरित करते हुये।

बालाघाट, मध्यप्रदेश सरकार गरीबों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। साथ ही जन-कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों का जीवन-स्तर बेहतर बनाया जा रहा है। विकास का प्रकाश गरीबों तक पहुंचाने के लिए सरकार संकल्पित है। हम गरीबों के समावेशी विकास तथा सबका साथ-सबका विकास की अवधारणा पर चल रहे हैं। प्रदेश में गरीबों के लिए रोटी, कपड़ा, मकान के साथ पढ़ाई-लिखाई और दवाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बालाघाट में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रथम एवं द्वितीय किश्त वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 50 हजार हितग्राहियों के खाते में 50 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। श्री चौहान ने स्वनिधि योजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ भी किया। योजना के द्वितीय चरण में हितग्राहियों के खाते में ब्याज मुक्त 20-20 हजार रुपये की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना कोविड संकट के दौरान प्रभावित होने वाले छोटे व्यापारियों के लिए संजीवनी बनी है। उन्होंने कहा कि स्वनिधि योजना से मिलने वाली सहायता राशि से छोटे व्यापारी धीरे-धीरे अपना काम बढ़ा सकते हैं। सरकार सबसे पीछे एवं सबसे नीचे के व्यक्ति के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-सहायता समूहों को कोविड संकट के पूर्व दी जाने वाली मदद को सरकार द्वारा पुनः प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं में अद्भुत रचनात्मक शक्ति होती है। देश एवं प्रदेश का सशक्तिकरण, महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना संभव नहीं है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उनका आर्थिक सशक्तिकरण अति आवश्यक है। गरीबों को अन्नोत्सव में कम मूल्य पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि खाद्यान्न उपलब्धता से कोई पात्र गरीब वंचित न रहे। छूटे हुए नाम तत्काल जोड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों का कल्याण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गरीबों के लिए रोटी के साथ मकान भी जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2024 तक सभी गरीबों को पक्के मकान उपलब्ध करा दिए जाएंगे। गरीबों के विकास में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

- **प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में प्रथम राज्य है।**
- **योजना के तहत 3.50 लाख लोग हुये लाभान्वित।**

वैक्सीनेशन की अपील

श्री चौहान ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर को आने से रोकने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने सभी से कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने का आग्रह किया। साथ ही टीकाकरण कराने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि कोविड का टीका जिंदगी का टीका है, टीका जरूर लगवाएं। प्रथम डोज लगाने वाले व्यक्ति अपने निर्धारित समय पर दूसरा डोज जरूर लगवाएं।

भोपाल और इन्दौर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट आवश्यक - मुख्यमंत्री

ग्वालियर और इन्दौर से विमान सेवाओं की शुरुआत

भोपाल, इन्दौर मध्यप्रदेश के लिए ग्रोथ का इंजन है। इन्दौर को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के लिए राज्य सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। नए एयरपोर्ट का निर्माण हो या एयरपोर्ट का विस्तार राज्य शासन की ओर से हर संभव सहयोग दिया जायेगा। भोपाल एयर कनेक्टिविटी की दृष्टि से पिछड़ा है। यहां विमान सेवाएं बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही सिंगरौली देश का पावर हब है। अतः रीवा-सतना क्षेत्र में एयर कनेक्टिविटी वृद्धि के लिए गंभीर प्रयास आवश्यक हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर और इन्दौर से विमान सेवाओं के उद्घाटन कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुये कहीं।

उड़ान योजना ने देश की प्रगति को दी नई ऊंचाई

श्री चौहान ने कहा कि निवेश, उद्योग, व्यापार, पर्यटन और कृषि उत्पादों के एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए इन्दौर तथा भोपाल में इंटरनेशनल एयरपोर्ट की आवश्यकता है। साथ ही जबलपुर, ग्वालियर सहित प्रदेश के अन्य शहरों में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाना भी आवश्यक है। इस दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उड़ान योजना ने देश की प्रगति को नई उड़ान और ऊंचाई दी है।

मुख्यमंत्री ने इन्दौरवासियों को बधाई देते हुए कहा कि शत-प्रतिशत वैक्सीन का प्रथम डोज लगाने में इन्दौर ने देश के महानगरों में पहले नम्बर पर आकर इतिहास रचा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे आशा है कि इन्दौर शहर जल्दी ही दूसरी डोज का लक्ष्य भी पूरा करेगा।

मध्यप्रदेश को मिलीं 58 विमान सेवाएं

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पिछले 53 दिनों में मध्यप्रदेश को 58 विमान सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। परिणामस्वरूप प्रदेश में प्रति सप्ताह एयरक्राफ्ट मूवमेंट 424 से बढ़कर 738 हो गया है। इन्दौर से पांच और ग्वालियर से चार नए शहरों के लिए विमान सेवा आरंभ की गई हैं। ग्वालियर में 500 करोड़ रुपये की लागत से नया भव्य हवाई अड्डा राजमाता विजयाराजे सिंधिया के नाम पर स्थापित किया जाएगा। ग्वालियर के रेलवे स्टेशन को 250 करोड़ रुपये की लागत से भव्य स्वरूप दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने नई विमान सेवाओं को दिल्ली से फ्लेग ऑफ किया।

इन्दौर से दुबई और दुबई से इन्दौर के लिए फ्लाइट प्रत्येक बुधवार को

कार्यक्रम में जानकारी दी गई की इन्दौर से आरंभ होने वाली एयर इंडिया की दुबई विमान सेवा प्रत्येक बुधवार को दोपहर 12:30 बजे इन्दौर से रवाना होकर दोपहर 3 बजे दुबई पहुंचेगी। बुधवार को ही दुबई से अपरान्ह 4 बजे इन्दौर के लिए यह विमान सेवा रवाना होकर रात 9 बजे इन्दौर पहुंचेगी।

ग्वालियर से दिल्ली और इन्दौर के लिए प्रतिदिन मिलेगी फ्लाइट

ग्वालियर के लिए दिल्ली से प्रातः 7:10 बजे इंडिगो की विमान सेवा रवाना होगी, जो ग्वालियर प्रातः 8:10 बजे पहुँचेगी। ग्वालियर से दिल्ली के लिए प्रतिदिन दोपहर 12:20 बजे फ्लाइट उपलब्ध होगी, जो दोपहर 1:30 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इसी प्रकार ग्वालियर से इन्दौर के लिए प्रातः 8:30 बजे विमान सेवा उपलब्ध होगी, जो प्रातः 10 बजे इन्दौर पहुंचेगी। इन्दौर से ग्वालियर के लिए विमान सेवा प्रतिदिन प्रातः 10:20 बजे रवाना होकर दोपहर 12 बजे ग्वालियर पहुंचेगी।

केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रदेशवासियों को विमान सेवा की नई सौगात मिलने पर शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री श्री वी.के. सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में एयर कनेक्टिविटी लगातार बढ़ रही है।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित करने की मंजूरी

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक। प्रदेश में 'नवभारत साक्षरता कार्यक्रम' संचालित करने की मंजूरी दी गई। प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने के लिए 31 जुलाई 2021 तक 'पढ़ना-लिखना अभियान' एवं तत्पश्चात से मार्च 2026 तक ' नवभारत साक्षरता कार्यक्रम' संचालित किये जायेंगे। कार्यक्रम प्रदेश के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को जो औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाए एवं औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने की उम्र पार कर चुके हैं। उनकी निरक्षरता उन्मूलन के लिए संचालित किये जा रहे हैं। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं -

- कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य असाक्षरों को बुनियादी एवं कार्यात्मक साक्षरता प्रदान कराना है। यह योजना वित्तीय वर्ष 2021-22 से संचालित होगी। प्रदेश में साक्षरता कार्यक्रम राज्य, जिला एवं विकासखण्ड में समग्र शिक्षा अभियान/ शिक्षा विभाग में कार्यरत अमले से कार्य संपादन कराया जायेगा।
- साथ ही असाक्षरों को साक्षर करने में जिन संस्थाओं/व्यक्तियों का सहयोग लिया जायेगा उनको 'अक्षर साथी' कहा जाएगा। अक्षर साथियों द्वारा स्वयं की इच्छा से साक्षरता कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इसमें असाक्षरों को बुनियादी एवं कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करवायी जाएगी।
- इस कार्य के लिए किसी भी प्रकार का पारिश्रमिक/मानदेय का भुगतान नहीं किया जाएगा। साक्षरता कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की नियमित नियुक्ति नहीं की जायेगी।
- परियोजना राज्य एवं केंद्र के मिश्रित अनुदान से संचालित होगी। इसमें केंद्र एवं राज्य में लागत राशि का अनुपात 60:40 का रहेगा। साक्षरता कार्यक्रम में पांच वर्षों के लिए 32 लाख 60 हजार असाक्षरों को नवसाक्षर करने का भौतिक लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए पांच वर्षों में लगभग 110 करोड़ 84 लाख रुपये का व्यय करने का वित्तीय लक्ष्य है।
- मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में 128 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत राशि से 4 नए औद्योगिक पार्क विकसित करने का निर्णय लिया है। इसमें बहुउत्पाद औद्योगिक पार्क मोहना, रतलाम, जावरा और कटनी (लमतरा) शामिल है।
- औद्योगिक क्षेत्र विकास करने की योजना के क्रियान्वयन से नए उद्योगों की स्थापना के लिए लगभग 3400 करोड़ रुपये का निवेश और 4 हजार व्यक्तियों को रोज़गार उपलब्ध हो सकेगा। इसके अलावा प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष करों के रूप में शासन को राजस्व की प्राप्ति होगी।
- मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित की संरचना के सुदृढ़ीकरण एवं 4 नयी परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों (गुना, सिंगरौली, मंदसौर, तथा नीमच) के गठन की स्वीकृति दी।
- प्रत्येक नई परियोजना क्रियान्वयन इकाई के लिये 17 पद के मान से 68 नये पद तथा जल निगम मुख्यालय की संरचना के सुदृढ़ीकरण के लिये 24 नये पद, इस प्रकार कुल 92 नये पदों का सृजन करने की स्वीकृति दी।
- जल निगम ने अपनी स्थापना वर्ष 2012 से अब तक 1316 करोड़ रुपये लागत की 19 समूह जल प्रदाय योजनाओं का क्रियान्वयन पूरा किया है। इनसे 805 ग्रामों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।
- पूर्व में जल निगम द्वारा जहां प्रतिवर्ष औसतन 10 परियोजनाओं के कार्य किये जा रहे थे, वहीं वर्तमान वर्ष 2021-22 में 40 परियोजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है।
- जल निगम के कार्य तथा कार्य क्षेत्र के विस्तार को ध्यान में रखते हुए जल निगम की मुख्यालय स्तर की संरचना का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा चार नई परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों का गठन किया जाना आवश्यक था, तदानुसार मंत्रिपरिषद ने इसकी स्वीकृति दी।
- वर्तमान में जल निगम द्वारा विभिन्न जिलों में 14,135 करोड़ रुपये लागत की 40 समूह जल-प्रदाय योजनाओं के क्रियान्वयन का कार्य प्रगतिरत हैं। इन योजनाओं से 10 हजार 294 ग्रामों को लाभान्वित किया जाना लक्षित है।
- मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा 12 अगस्त 2021 के अनुपालन में ओलिंपिक हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक सागर प्रसाद को उप पुलिस अधीक्षक (जीडी) के सीधी भर्ती के रिक्त पद पर नियमों को शिथिल करते हुए सशर्त विशेष नियुक्ति प्रदान करने का निर्णय लिया है।
- मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में ग्रीष्मकालीन 2020-21 (विपणन वर्ष 2021-22) में भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पी.एम. आशा) अंतर्गत प्राईस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) एवं मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) में ग्रीष्मकालीन वर्ष 2020-21 (विपणन वर्ष 2021-22) में मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए पंजीकृत कृषकों से राज्य उपार्जन एजेंसी 'मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ' द्वारा करने का निर्णय लिया।
- 'प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना' का संचालन करने के लिए अनुसूचित जाति कल्याण विभाग को नोडल विभाग घोषित किया गया है। वर्ष 2020-21 मे नए 117 ग्रामों का चयन भारत सरकार द्वारा किया गया है।
- योजना में चयनित ग्रामों के अनुसूचित जाति के सदस्यों को सीधे लाभान्वित करवाया जायेगा।
- मंत्रिपरिषद ने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के संचालन और वर्ष 2017-18,2018-19 और 2019-20 में निरन्तर रखने का अनुमोदन किया।
- 'प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना' में भारत सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी वाले ऐसे ग्रामों का चयन किया जाता है, जिनकी आबादी 500 या उससे अधिक है।
- तैयार ग्राम विकास योजना में अधोसंरचना के कार्यों के अंतरपाटन के लिए भारत सरकार द्वारा राशि जारी की जाती है।
- अन्य विकास कार्य अभिसरण के माध्यम से संबंधित विभाग द्वारा किये जाकर ग्राम का समग्र विकास कर आदर्श ग्राम घोषित किये जाने का प्रावधान है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अफवाहों पर न दें ध्यान, कोरोना से बचने का टीका ही समाधान

ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खरीदी 15 सितम्बर तक होगी

भोपाल, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खरीदी को मंत्रिपरिषद से हरी झण्डी मिलने पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है।

कृषि मंत्री ने किसानों के हित में केंद्र सरकार द्वारा खरीदी के लिये दी गई मंजूरी के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर का प्रदेश के किसानों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि ग्रीष्मकालीन वर्ष 2020-21 एवं विपणन वर्ष 2021-22 के लिये पंजीकृत कृषकों से फसल उपार्जन के लिये मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ को अधिकृत किया है। श्री पटेल ने बताया कि इन फसलों का उपार्जन आगामी 15 सितम्बर तक किया जायेगा।

श्री पटेल ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में ग्रीष्मकालीन वर्ष 2020-21 एवं विपणन वर्ष 2021-22 में भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) एवं मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) में उपार्जन के लिये मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि अब तक समर्थन मूल्य पर 3 लाख 29 हजार मीट्रिक टन ग्रीष्मकालीन मूंग का उपार्जन किया जा चुका है।

बांस उत्पादन से समृद्ध हो रहे हैं मध्यप्रदेश के किसान

भोपाल, वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि प्रदेश के किसानों को कम मेहनत और कम रिस्क में ज्यादा लाभ दिलाने के लिए वन विभाग द्वारा बांस की फसल को प्रोत्साहित किए जाने के साथ ही अनुदान उपलब्ध कराया जाकर उन्हें समृद्ध बनाया जा रहा है।

वन मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य बांस मिशन बोर्ड द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष में 3597 किसानों द्वारा 3520 हेक्टेयर क्षेत्र में बांस रोपण किया गया। इन किसानों को तकरीबन 7 करोड़ 20 लाख रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया गया। स्व-सहायता समूहों को आत्म-निर्भर बनाने के मकसद से 83 स्व-सहायता समूहों द्वारा मनरेगा में 1020 हेक्टेयर क्षेत्र में रोपण किया गया।

डॉ. शाह ने बताया कि चालू वित्तीय साल में 3 हजार से ज्यादा किसानों द्वारा 4443 हेक्टेयर क्षेत्र में बांस रोपण किया जा रहा है। इसके लिए 10 करोड़ 60 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसी तरह पिछले साल में इस साल 46 और स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है। इस तरह कुल 129 स्व-सहायता समूहों द्वारा 2428 हेक्टेयर क्षेत्र में बांस रोपण किया जा रहा है।

बांस लगाने के चौथे साल से प्रति भिर्रा न्यूनतम 10 बांस तकरीबन 40 फिट लम्बे हो जाते हैं। इस तरह 40 हजार पौधे से इतने ही बांस उपलब्ध हो जाते हैं। प्रति बांस 100 रुपये के हिसाब से बिकता है। इनकी बिक्री से 40 लाख रुपये की फसल हितग्राही को मिल सकती है। बांस के खरीददार खेत से ही फसल ले जाने से परिवहन खर्च भी नहीं होता। इसके अलावा उत्पादक किसान को चौथे साल में प्रति एकड़ एक हजार क्विंटल बांस की सूखी पत्ती प्राप्त हो जाती है। इस पत्ती को जमीन में गाड़कर उच्च क्वालिटी की कम्पोस्ट खाद भी बनाई जाती है। इसका उपयोग सब्जी और अन्य तरह की खेती में किया जाता है।

बांस की कतारों के बीच में मिर्च, शिमला मिर्च, अदरक और लहसुन की फसल उगाई जा सकती है। बांस की कतार में इन फसलों में पानी कम लगता है और गर्मी में विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है जिससे अच्छा उत्पादन हो जाता है।

मध्यप्रदेश की सौर ऊर्जा दर देश में न्यूनतम - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आगर, शाजापुर और नीमच में सौर परियोजनाओं के विकासकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड प्रदान करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा की दर देश में समकालीन न्यूनतम दर है। निरंतर जारी नवाचारों और तकनीक के बल पर प्रदेश में दो रुपये 14 पैसे प्रति यूनिट सौर ऊर्जा का टैरिफ प्रदान किया जा रहा है। एशिया का सबसे बड़ा और पहला सोलर प्लांट नीमच में स्थापित किया गया था। रीवा के आदर्श प्लांट से दिल्ली मेट्रो को सौर ऊर्जा दी जा रही है। अब ओंकारेश्वर में विश्व का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पार्क स्थापित किया जा रहा है। सौर ऊर्जा से बिजली की कमी दूर करने, निवेश आकर्षित करने और पर्यावरण सरंक्षण के हर संभव प्रयास जारी हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आगर, शाजापुर और नीमच में 1500 मेगावॉट की सौर परियोजनाओं के विकासकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड प्रदान किए।

प्रदेश में उद्योगों के लिए है बेहतर वातावरण

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि 'मैं अच्छे राज्य में आपका हृदय से स्वागत करता हूं'। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशक राज्य के मित्र हैं। प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण है। यहां दक्ष मानव संसाधन, राज्य सरकार की अच्छी टीम और एक टेबल पर त्वरित समाधान की सुविधा उपलब्ध है।

ग्रीन एनर्जी पर ध्यान देना जरूरी

श्री चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए कार्बन उत्सर्जन गैसों को नियंत्रित करना जरूरी है। ताप विद्युतग्रहों के लिए कोयला की पूर्ति जरूरी है, जिससे जंगलों पर संकट बढ़ता है। आने वाली पीढ़ी को यदि हमें प्रकृति को संरक्षित रूप से सौंपना है तो 'ग्रीन एनर्जी - क्लीन एनर्जी' की ओर ध्यान देना होगा। सौर ऊर्जा - अक्षत ऊर्जा है जो कभी समाप्त नहीं होगी। मध्यप्रदेश में वर्ष के तीन सौ से अधिक दिनों तक सूर्य का निरंतर प्रकाश रहता है। मध्यप्रदेश ग्रीन लंग्स ऑफ इंडिया है।

मुख्यमंत्री ने आगर के 550 मेगावॉट सोलर पार्क के लिए बीम पाव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और अवाड़ा एनर्जी लिमिटेड को, शाजापुर के 450 मेगावॉट सोलर पार्क के लिए एनटीपीसी रिन्यूएबल तथा तले टटूताई सोलर प्रोजेक्ट को और नीमच के 500 मेगावॉट सोलर पार्क के लिए टीपी सौर्या लिमिटेड, मुम्बई तथा अल जोमेह एनर्जी एण्ड वॉटर कंपनी, दुबई को लेटर ऑफ अवॉर्ड प्रदान किए।

प्रदेश में 25 वर्षों में लगभग 76 सौ करोड़ रुपये की बचत होगी

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने कहा कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना में मध्यप्रदेश लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हाल ही में 15 सौ मेगावॉट की आगर-शाजापुर-नीमच सोलर पार्क के लिए हुई बिडिंग में देश में सबसे कम सोलर टैरिफ का रिकॉर्ड बना है। इन परियोजनाओं की स्थापना से प्रदेश में लगभग 5250 करोड़ रुपये का निजी निवेश होगा। प्रदेश में 25 वर्षों में लगभग 7600 करोड़ रुपये की बचत होगी। राज्य शासन द्वारा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटित कर दी गई है।

भारतीय संस्कृति की रीढ़ है आयुर्वेद

भोपाल, पहला सुख निरोगी काया है। आयुर्वेद भारतीय संस्कृति की रीढ़ है। शरीर के सभी रोगों का इलाज आयुर्वेद से संभव है। हम सभी को स्वस्थ रहने के लिए वैदिक जीवन पद्धति और आयुर्वेद चिकित्सा को अपनाना चाहिए। पर्यटन विभाग प्रदेश के पर्यटन स्थलों और प्रमुख शहरों में वेलनेस सेंटर स्थापित करके आमजन को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का लाभ देगा और साथ ही उन्हें वैदिक जीवन पद्धति अपनाने के लिए जागरूक भी करेगा। ये बातें पर्यटन, संस्कृति और अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने भोपाल स्थित महाकाली परिसर और बघीरा जंगल रिसोर्ट मोचा में आयुर्वेद वेलनेस सेंटर का शुभारंभ करते हुये कहीं।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा की मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुरूप प्रदेश में वेलनेस टूरिज़्म को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विकास निगम और वेलनेस तथा हेल्थकेयर सेक्टर में प्रतिष्ठित संस्थान एम. एस. रामैया ग्रुप, बेंगलुरु के सहयोग से प्रदेश में पर्यटन निगम की इकाइयों में वेलनेस सेंटर स्थापित किये जा रहे हैं। गत 19 फरवरी 2021 को पर्यटन विकास निगम और रामैया ग्रुप के बीच एम.ओ.यू. करते हुए पर्यटन विकास निगम की पचमढ़ी स्थित इकाई होटल ग्लेन व्यू में प्रदेश के पहले वेलनेस सेंटर की शुरुआत की गई है। श्री शुक्ला ने बताया कि इसी तरह पर्यटन विकास निगम की अन्य इकाइयों जैसे होटल हॉलिडे होम्स अमरकंटक, सैलानी आईलैंड रिसॉर्ट सैलानी, गांधीसागर डैम के समीप स्थित हिंगलाज रिसोर्ट (मंदसौर), व्हाइट टाइगर फॉरेस्ट लॉज (बांधवगढ़), किपलिंग्स कोर्ट (पेंच) और मुख्य शहरों जैसे इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, ओरछा इत्यादि में वेलनेस सेंटर स्थापित किये जायेंगे।

संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर भोपाल में आयुर्वेद वेलनेस सेंटर का शुभारंभ करती हुईं।

प्रबंध संचालक पर्यटन विकास निगम श्री एस. विश्वनाथन ने बताया कि भोपाल और बघीरा रिसोर्ट के वेलनेस सेंटर पर पर्यटकों और आमजन का भारतीय आयुर्वेद उपचार पद्धति जैसे पंचकर्म, कायाकल्प और प्रामाणिक केरल आयुर्वेद उपचार पद्धति से उपचार किया जायेगा। मध्यप्रदेश पर्यटन की इकाइयों में वेलनेस सेंटर्स की स्थापना होने से निगम की इकाइयों में ठहरने वाले पर्यटकों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा।

वेलनेस सेंटर पर प्रिवेंटिव थेरेपी जैसे उत्सादन, तैल परिशेक, अभ्यंग और पत्र पिंड स्वेद, पेन मैनेजमेंट थेरेपी जैसे जानू बस्ती, कती बस्ती, ग्रीवा बस्ती और स्पाइनल मसाज के साथ पंचकर्म जैसी आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का वैज्ञानिक तरीके से लाभ पर्यटकों को दिया जायेगा।

जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने में मध्यप्रदेश अव्वल

भोपाल, जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय परीक्षण और अशंशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड से मान्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश हैं कि सभी राज्य अपनी जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए निर्धारित अन्तराल में प्रत्यायन बोर्ड से प्रमाण-पत्र प्राप्त करें, ताकि इस सेवा की उच्च गुणवत्ता के प्रति विश्वसनीयता बनी रहे।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की प्रदेश में राज्य और जिला स्तरीय 51 प्रयोगशालाओं को प्रत्यायन बोर्ड द्वारा मान्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए हैं। विभिन्न जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश अव्वल एवं 30 प्रयोगशालाओं के मान्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है।

आम नागरिक को प्रदाय किए जा रहे जल की गुणवत्ता का समय-समय पर परीक्षण किया जाता है। इसके लिए प्रदेश में पीएचई विभाग द्वारा एक राज्य स्तरीय और 55 जिला स्तरीय (इनमें उन्नयन की गई खुरई, मऊगंज, सरदारपुर तथा परासिया) प्रयोगशालाएं संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 100 उपखण्ड स्तरीय प्रयोगशालाएं भी संचालित हैं। पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राज्यों द्वारा अपनी जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के प्रमाणीकरण हेतु निर्धारित मापदण्डों और शुल्क के साथ आवेदन दिए जाते हैं। राष्ट्रीय परीक्षण और अशंशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड से अब तक 25 राज्यों की 182 जल परीक्षण प्रयोगशालाओं को जारी किए गये मान्यता प्रमाण-पत्रों में मध्यप्रदेश की सर्वाधिक 51 प्रयोगशालाएं शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में 4 करोड़ 72 लाख से अधिक लोगों को लगी वैक्सीन

भोपाल, मध्यप्रदेश में एक सितम्बर को 6 लाख 81 हजार 191 व्यक्तियों को कोविड-19 वैक्सीन डोज लगाये गये। अब तक प्रदेश में 4 करोड़ 72 लाख 30 हजार 62 व्यक्तियों को कोविड वैक्सीन डोज लगाये जा चुके हैं, जिसमें 3 करोड़ 88 लाख 3 हजार 968 व्यक्तियों को पहली डोज और 84 लाख 26 हजार 94 व्यक्तियों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं।

संचालक एनएचएम ने बताया कि प्रदेश के 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों को जल्द से जल्द कोरोना वैक्सीन लगाने के लिये अब सप्ताह में सातों दिन मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी में कोविड-19 टीकाकरण किया जा रहा है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

पुणे आर्मी स्टेडियम

नीरज चोपड़ा के नाम पर होगा

पुणे स्थित आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टिट्यूट अब टोक्यो ओलिंपिक में जेवलिन में गोल्ड मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा के नाम से जाना जायेगा। इसकी घोषणा आर्मी ने 23 अगस्त को हुए एक कार्यक्रम में की। ज्ञात रहे कि पुणे के आर्मी स्टेडियम में ही ओलिंपिक (टोक्यो) में गई आर्चरी टीम का कैंप लगा था। इस स्टेडियम का निर्माण 2006 में हुआ है।

निकोलस बर्न्स

चीन में अमेरिकी राजदूत होंगे

चीन में अमेरिका के 65 वर्षीय निकोलस बर्न्स राजदूत बनेंगे। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बर्न्स के नाम को सहमति प्रदान की है। वे हॉवर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। बाइडेन ने बर्न्स की काबिलियत की तारीफ करते हुए उनके नाम को सीनेट के पास स्वीकृति के लिए भेज दिया है। बर्न्स अमेरिकी सरकार में 27 वर्षों तक कूटनीतिज्ञ के रूप में कार्यरत थे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की जानकारी के अनुसार बर्न्स ने रूस, यूक्रेन और यूरोशियन मामलों के लिए व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के वरिष्ठ निदेशक, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता, ग्रीस में अमेरिकी राजदूत और नाटो के राजदूत के रूप में कार्य किया था।

स्मॉग टॉवर

देश का पहला टॉवर प्रति सेकंड एक हजार क्यूबिक मीटर हवा शुद्ध करेगा

दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से निजात पाने देश का पहला स्मॉग टॉवर लगाया गया है। इस तकनीक को अमेरिका से आयात किया गया है। टॉवर 24 मीटर ऊंचा है और एक किलोमीटर के दायरे की हवा को शुद्ध करने का कार्य करेगा। इसकी हवा को साफ करने की क्षमता एक हजार क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड है। आईआईटी दिल्ली और मुंबई के विशेषज्ञ इसका डेटा विश्लेषण करेंगे।

टेक चंद

पैरालिंपिक में भारत के ध्वजवाहक बने

टोक्यो में 16वें पैरालिंपिक गेम्स ओपनिंग सेरेमनी में भारत से जेवलिन थ्रोअर टेक चंद ध्वजवाहक बने। टोक्यो 2 बार समर पैरालिंपिक गेम्स होस्ट करने वाला पहला शहर है। इससे पहले 1964 में टोक्यो ने इन गेम्स की मेजबानी की थी। उद्घाटन समारोह में 17वें नंबर पर भारतीय दल ने टेकचंद के नेतृत्व में मार्च पास्ट किया।

कोपेनहेगन

दुनिया का सबसे सुरक्षित शहर

द इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के मुताबिक दुनिया का सबसे सुरक्षित शहर डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन है। सूची में टोरंटो दूसरे, सिंगापुर तीसरे, सिडनी चौथे व टोक्यो 5वें स्थान पर है। इसके बाद एम्सटर्डम, वेलिंगटन, हॉन्ग-कॉन्ग मेलबर्न व स्टॉकहोम का स्थान है। यह सूची 60 बड़े शहरों में डिजिटल, हेल्थ, इन्फ्रास्ट्रक्चर, पर्सनल और एनवायरमेंटल सिक्योरिटी को ध्यान में रख कर बनायी गयी है।

शी जिनपिंग

चीन के सिलेबस में पढ़ाये जायेंगे

चीन ने अपने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव किया है। अब वहां के प्राथमिक स्तर के स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालय तक में राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पढ़ाया जायेगा। समाजवाद को लेकर उनके विचारों को चीन के हर युवा को पढ़ना अनिवार्य होगा। चीन के शिक्षामंत्री के अनुसार जिनपिंग के विचारों को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में शामिल करने से युवाओं में मार्क्सवादी विचारधारा को स्थापित करने में मदद मिलेगी।

आर.के.एस. भदौरिया

वायुसेना प्रमुख ने उड़ाया तेजस

वायुसेना प्रमुख आर.के.एस. भदौरिया ने स्वदेशी फाइटर जेट, एलसीए तेजस से अकेले उड़ान भरी। उन्होंने डीआरडीओ और एचएल के इंजीनियर्स, टेक्नीशियन और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स से भी मुलाकात की। वे दो दिवस के दौरे पर बेंगलुरु पहुंचे थे। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान, एलसीए तेजस का निर्माण डीआरडीओ ने किया है। वायुसेना पहले से ही 40 एलएसी विमानों को अपने जंगी बेड़े में शामिल कर चुकी हैं।

सैयद अहमद शाह सआदत

जर्मनी में पिज्जा डिलीवर कर रहे पूर्व अफगानी मंत्री

अफगानिस्तान के पूर्व आईटी मंत्री सैयद अहमद शाह सआदत जर्मनी में पिज्जा डिलीवरी कर रहे हैं। पिज्जा कंपनी की यूनिफॉर्म में उनके फोटो सोशल मीडिया पर आये हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया कि राष्ट्रपति गनी से मतभेद के चलते उन्होंने पिछले साल ही सूचना मंत्री का पद छोड़ दिया था। पैसे की व्यवस्था बनाये रखने के लिए उन्होंने पिज्जा डिलिवरी बॉय बनना तय किया।

फिशिंग कैट

पन्ना टाइगर रिज़र्व में दिखी विलुप्त प्रजाति

पन्ना टाइगर रिज़र्व में वन्य जीवों के मामले एक अद्भुत मछली खाने वाली फिशिंग कैट की मौजूदगी दिखाई दी है। पन्ना टाइगर रिज़र्व के मध्य से तकरीबन 55 किलोमीटर तक प्रवाहित होने वाली केन नदी के आस-पास फिशिंग कैट के संकेत पहले भी मिले थे, पर यह पहली बार कैमरे में ट्रैप हुई है। इसकी विशेषता यह है कि मछली को भोजन बनाती है। भारतीय वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-1 के अनुसार इसका शिकार अभी भी प्रतिबंधित है।

जारा रदरफोर्ड

19 वर्ष की पायलट ने रिकॉर्ड बनाने भरी उड़ान

बेल्जियम-ब्रिटिश पायलट जारा रदरफोर्ड ने अकेले दुनिया का चक्कर लगाने का रिकॉर्ड बनाने के लिए 18 अगस्त को पश्चिम बेल्जियम की कोर्तरिज्क हवाई पट्टी से उड़ान भरी। 19 वर्ष की रदरफोर्ड अमेरिका की शाइस्ता वैज के रिकॉर्ड को तोड़ना चाहती है। शाइस्ता वैज ने 30 वर्ष की उम्र में रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने अकेले सबसे तेज माइक्रोलाइट प्लेन से दूरी तय की थी। रदरफोर्ड को अपना रूट तय करने में तीन महीने लगेंगे। इस दौरान वे 52 देशों में रुकेंगी, जिनमें ग्रीनलैंड, चाइना, निकारागुआ भी शामिल हैं। जारा के माता-पिता दोनों पायलट हैं।

घड़ियाल की आंख

रात 12:30 बजे कैद की तस्वीर

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर पिंकेश तन्ना ने घड़ियाल के बच्चे की एक तस्वीर खींची। यह तस्वीर उन्होंने जूनागढ़ के गांव दौलतपुर की है। जिसे उन्होंने रात 12:30 बजे अपने कैमरे में कैद किया। घड़ियाल की खासियत होती है कि वह आंख और नाक को छोड़कर पूरा शरीर पानी में रखता है। उसे आंख में जितनी रोशनी चाहिए होती है, वह उतनी ही ग्रहण करने की क्षमता भी रखता है। इस तस्वीर को खींचने के लिए 250 मि.मी. का लैंस और अपार्चर 5.6 पर रखा था।

स्वीडिश कंपनी का दावा

आलू से बनाया दूध

स्वीडन की डेयरी फर्म डग का दावा है कि उसने आलू से दूध बनाया है जो गैर डेयरी शाकाहारी विकल्प है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, विटामिन डी, बी-12 और फॉलिक एसिड हैं। यानि इसमें पर्याप्त विटामिन, मिनरल, फाइबर, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेड है। हालांकि इसकी कीमत गाय के दूध की तुलना में अधिक है। एक लीटर दूध का दाम 212 रुपए है। कंपनी के मुताबिक दूध के विकल्प में 6 प्रतिशत आलू जबकि अन्य उत्पाद में रेपसीड तेल, कासनी फाइबर, फ्रुक्टोज और मटर प्रोटीन शामिल हैं।

हार्वे शुटॉन

पांच साल की उम्र में की लंबी यात्रा

अटलांटा के पांच साल के हार्वे शुटॉन इन दिनों चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। वे अपने माता-पिता के साथ अपालचेन ट्रायल में हिस्सेदारी करते हुए 209 दिनों में 3380 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर चुके हैं। ऐसा करने वाले हार्वे दूसरे बालक हैं। इससे पहले 2013 में 5 साल के एक बच्चे ने चढ़ाई पूरी करने का रिकॉर्ड बनाया था, तब वो 6643 फीट ऊंचे पहाड़ पर चढ़ा था।

अल हमरा

दुनिया के 10 ऊंचे टावरों में से एक

कुवैत सिटी में स्थित गगनचुंबी अल हमरा टावर में नेशनल बैंक ऑफ कुवैत का मुख्यालय स्थापित किया गया है। करीब 414 मीटर (1358 फीट) की ऊंचाई के साथ यह देश की सबसे ऊंची इमारत है। साथ ही इसे दुनिया की सबसे ऊंचे 10 टावरों में शुमार किया जाता है। इसमें 80 मंजिल हैं और 43 लिफ्ट हैं। इसमें प्रमुख कंपनियों के दफ्तर और शॉपिंग मॉल्स हैं।

पंकज कुमार सिंह

बीएसएफ के महानिदेशक नियुक्त

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार सिंह को बीएसएफ का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। पंकज राजस्थान कैडर के 1988 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी बीएसएफ के विशेष महानिदेशक हैं। करीब 27 साल पहले उनके पिता प्रकाश सिंह भी इस पद की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। बेटे के महानिदेशक पद पर नियुक्त होने के बाद पिता बहुत खुश है।

स्मृति शेष

स्व. दुष्यंत कुमार की धर्मपत्नी राजेश्वरी देवी का निधन

ख्याति प्राप्त कवि और साहित्यकार स्व. दुष्यंत कुमार की पत्नी राजेश्वरी देवी का निधन 87 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद हो गया। वे भोपाल स्थित शासकीय मॉडल स्कूल में वरिष्ठ अध्यापिका के पद से सेवानिवृत्त हो चुकी थीं। अपनी शिक्षिका के निधन पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शोक व्यक्त किया है।

ब्रिटिश कॉमेडियन सीन लॉक का निधन

ब्रिटिश कॉमेडियन सीन लॉक का 58 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे कैंसर से पीड़ित थे। कॉमेडी शो 8 आउट ऑफ 10 कैट्स से उन्हें काफी प्रसिद्धि मिली थी। इस शो को जिमी कैर प्रस्तुत करती थीं। सीन लॉक ने वर्ष 2000 में ब्रिटिश कॉमेडी अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ लाइव कॉमिक का पुरस्कार जीता था। सीन ब्रिटेन के बेहतरीन हास्य कलाकारों में से एक थे। वह अपनी अनूठी आवाज के लिए हमेशा याद किए जायेंगे।

पद्मश्री से सम्मानित कोच ओ.एम. नाम्बियार का निधन

उड़न परी के नाम से मशहूर पी.टी. उषा के कोच पद्मश्री सम्मान से पुरस्कृत ओ.एम. नाम्बियार का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। 80 और 90 के दशक में उन्होंने पी.टी. उषा को ट्रेनिंग दी थी। उन्हें 1985 में प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

बॉलीवुड फिल्म प्रोड्यूसर प्रदीप गुहा का निधन

फिल्म प्रोड्यूसर प्रदीप गुहा का हृदयघात से निधन हो गया। गुहा को तीन हफ्ते पहले ही चौथी स्टेज के लिवर कैंसर का पता चला था। उन्होंने फिल्म 'फिजा', 'मिशन कश्मीर', 'फिर कभी' सहित कई लोकप्रिय फिल्मों का निर्माण किया था।

प्रख्यात शोधकर्ता और लेखिका डॉक्टर गेल ऑम्वेट का निधन

अमेरिकी मूल की भारत में रह रहीं प्रख्यात शोधकर्ता और लेखिका। डॉक्टर गेल ऑम्वेट का 81 वर्ष की उम्र में महाराष्ट्र के सांगली में निधन हो गया। डॉक्टर गेल ने अपने पति भरत पाटणकर के साथ मिलकर श्रमिक मुक्ति दल की स्थापना की थी। 1983 में उन्होंने भारतीय नागरिकता ग्रहण की थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)

कोरोना से बचने की तीन बातें बहुत जरूरी, टीका लगवाना, मास्क पहनना और अपनाना दो गज दूरी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग भ/प संभाग राजगढ़
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 07/निविदा/2021-22 **राजगढ़, दिनांक : 26.08.2021**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 1. बी.टी. रिनीवल कार्य सोनखेड़ा से देवलीसांगा, भोजपुर बायपास मार्ग लम्बाई 6.60 कि.मी.

टेण्डर नं.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु लाख में)	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने हेतु समयावधि
2021_PWDRB_156859_1	राजगढ़	बी.टी. रिन्यूवल	प्रथम	71.71	71710/-	4 माह वर्षाकाल रहित

सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 2. बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य उपसंभाग नरसिंहगढ़

2021_PWDRB_156865_1	राजगढ़	पेंच रिपेयर	प्रथम	19.50	39000/-	4 माह वर्षाकाल सहित

सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 3. रंगाई पुताई कार्य शासकीय गैर आवासीय भवन उपसंभाग राजगढ़

2021_PWDRB_156866_1	राजगढ़	रिनोवेशन	प्रथम	19.95	39900/-	6 माह वर्षाकाल सहित

सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 4. स्पेशल मरम्मत कार्य सर्किट हाउस राजगढ़

2021_PWDRB_156868_1	राजगढ़	स्पेशल मरम्मत	द्वितीय	4.46	8920/-	2 माह वर्षाकाल सहित

सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 5. उपसंभाग राजगढ़ अंतर्गत पुराने भवनों को ध्वस्तीकरण कार्य

2021_PWDRB_156912_1	राजगढ़	ध्वस्तीकरण	प्रथम	19.96	39920/-	4 माह वर्षाकाल सहित
			योग -	135.58		

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 08.09.2021 सायं 17:30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
आमनत राशि एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन स्वीकार किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-16222/45890/2021 **लोक निर्माण विभाग भ/प संभाग राजगढ़**

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास जिला उज्जैन
38, प्रशासनिक क्षेत्र इस्कान मंदिर के पास भरतपुरी, उज्जैन म.प्र.

फोन : 0734-2929853, E-mail : wcdujj@mp.nic.in

क्रमांक/मबाबि/पो.आ./2021/6726 **उज्जैन, दिनांक : 27.08.2021**

EXPRESSION OF INTEREST

महिला एवं बाल विकास जिला उज्जैन अंतर्गत संचालित निम्न बाल विकास परियोजनाओं के **निम्न** आंगनवाड़ी केंन्द्रों/मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों के हितग्राहियों के लिए निर्धारित मीनू अनुसार उत्तम गुणवत्ता का ताजा पका हुआ गर्म सुबह का **नाश्ता** तथा दोपहर का **भोजन** एवं **थर्डमील** के रूप में **तैयार (Ready to eat)** सामग्री सभी आंगनवाड़ी/मिनी आंगवाड़ी केन्द्रों पर सीधे प्रदाय करने का कार्य -

DAY-NULM अंतर्गत बनाये गये महिला स्व-सहायता समूह जो क्रियाशील महिला स्व-सहायता समूह होकर म.प्र. शासन के संशोधित परिपत्र दिनांक 05.05.2021 के जारी होने की दिनांक से 03 वर्ष पूर्व से राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, राज्य शहरी आजीविका मिशन एवं तेजस्विनी के तहत **पंजीकृत महिला** स्व-सहायता समूह होकर इन समूहों की 03 वर्ष की आधार सीडेड बैंक खाता में बचत राशि शेष होना चाहिये, को दिया जाना है। नगरीय क्षेत्रों में जहां DAY-NULM 03 वर्ष पूर्व से लागू नहीं है, वहां जिस वर्ष व दिनांक से DAY-NULM क्रियान्वित हुआ है तदनुसार आधार सीडेड बैंक खाता में बचत राशि शेष होना चाहिये।

इस हेतु समूहों के चयन हेतु Expression Of Interest जारी किया जाता है :-

क्र.	बाल विकास परियोजना का नाम	परियोजना का प्रकार	आंगनवाड़ी केन्द्र/मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या जिन पर पूरक पोषण आहार प्रदाय किया जाना है	शहरी क्षेत्रों में संचालित केन्द्रों की स्थिति
1.	उज्जैन शहर-1	शहरी	37	उज्जैन नगर पालिका निगम सीमा में संचालित
2.	उज्जैन शहर-2	शहरी	38	उज्जैन नगर पालिका निगम सीमा में संचालित
3.	उज्जैन शहर-3	शहरी	49	उज्जैन नगर पालिका निगम सीमा में संचालित
4.	उज्जैन शहर-4	शहरी	37	उज्जैन नगर पालिका निगम सीमा में संचालित
5.	खाचरौद - 2	ग्रामीण	05	उन्हेल नगर परिषद सीमा में संचालित

अतः उपरोक्तानुसार पात्रता रखने वाले इच्छुक महिला स्व-सहायता समूह, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप तथा शर्तें इत्यादि जानकारी, रुपये 100/- नकद जमा करके उक्त EOI प्रकाशन की दिनांक से दिनांक 09.09.2021 तक (सायं 5:30 बजे तक) (शासकीय कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय में) प्राप्त कर सकते हैं तथा आवेदन में चाही गई आवश्यक जानकारी की पूर्ति कर, अन्य संबंधित आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन की मूल प्रति EOI प्रकाशन की दिनांक से **दिनांक 10.09.2021 की सायं 5:30 बजे तक** जमा की जा सकती है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
जी-16224/45891/2021 **महिला एवं बाल विकास, जिला उज्जैन**

कार्यालय एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय
125, रेडियो कॉलोनी, रेसीडेंसी एरिया, इन्दौर
दूरभाष : 0731-2711013

आय एण्ड डी/7064/ए-1 **अगस्त, 2021**

वित्तीय वर्ष 2021-22 में शासकीय कार्य हेतु
वाहन चालक (पद- 07)/लश्कर (पद- 33) के पद हेतु निविदा

एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय इंदौर द्वारा प्रतिष्ठित एवं अनुभवी कंपनियों/फर्मों/संस्थाओं से एक वर्ष की अवधि हेतु वाहन चालक एवं लश्कर की सेवाएं प्रदान करने हेतु सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं में रुचि रखने वाली कंपनियों/फर्मों/संस्थाएं कार्यालय के कार्य दिवस के दौरान रुपये 500/- की निविदा फार्म एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, 125, रेडियो कॉलोनी, रेसीडेंसी एरिया, इन्दौर में समय 11:00 से 5:00 बजे के बीच प्राप्त कर सकते हैं। निविदा फार्म जमा करने की **तारीख निविदा प्रकाशन की तिथि से इक्कीस दिवस तक शाम 5 बजे तक** एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, 125, रेडियो कॉलोनी, रेसीडेंसी एरिया, इन्दौर में रखे निविदा बॉक्स में जमा कर सकते हैं। नियत तिथि एवं समय उपरांत प्राप्त होने वाली निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा एवं निविदा प्राप्ति के अगले दिन प्रातः 11.00 बजे निविदाएं खोली जाएंगी।

ब्रिगेडियर
जी-16193/45884/2021 **ग्रुप कमाण्डर इन्दौर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED OFFICE
इंदिरा गांधी मार्ग, साऊथ सिविल लाईन, जबलपुर (म.प्र.) पिन : 482001
फोन एवं फैक्स नं. : 0761-2622333, ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 3/व.ले.लि./2021-22 **जबलपुर, दिनांक : 24.08.2021**

निविदा आमंत्रण सूचना क्र.-3

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 1. पाटन उपसंभाग के अंतर्गत पिपरिया-भौरोघाट मार्ग एवं मनखेड़ी उपखण्ड के अंतर्गत मार्गों में बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य।

टेण्डर आई.डी.	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2021_PWDRB_156119	प्रथम	10.00 लाख	20000/-	2000/-	4 माह (वर्षा ऋतु सहित)

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 2. पाटन उपसंभाग के अंतर्गत पाटन-पौण्डी मार्ग एवं पाटन उपखण्ड के अंतर्गत मार्गों में बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य।

2021_PWDRB_156121	प्रथम	15.00 लाख	30000/-	2000/-	4 माह (वर्षा ऋतु सहित)

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 3. उपसंभाग क्र. 2 जबलपुर के अंतर्गत मेडिकल कैम्पस एवं भेडाघाट उपखण्ड के मार्गों में बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य।

2021_PWDRB_156123	प्रथम	3.00 लाख	6000/-	2000/-	4 माह (वर्षा ऋतु सहित)

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 4. उपसंभाग क्र. 2 जबलपुर के अंतर्गत शहपुरा, चरगवा एवं बरगी उपखण्ड के मार्गों में बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य।

2021_PWDRB_156124	प्रथम	10.00 लाख	20000/-	2000/-	4 माह (वर्षा ऋतु सहित)

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 5. सिहोरा उपसंभाग के अंतर्गत मझगवां उपखण्ड स्थित मार्गों में बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य।

2021_PWDRB_156125	प्रथम	6.00 लाख	12000/-	2000/-	4 माह (वर्षा ऋतु सहित)

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 6. उपसंभाग क्र. 1 जबलपुर के अंतर्गत महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में एल्युमिनियम खिड़कियां लगाने का कार्य। (अनुरक्षण कार्य) एवं आवासीय भवन क्र. 76 में विशेष मरम्मत कार्य एवं अन्य विभिन्न कार्य।

2021_PWDRB_156126	प्रथम	10.00 लाख	20000/-	2000/-	4 माह (वर्षा ऋतु सहित)

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 7. सिविल लाईन स्थित बंगला न ई-13 में विशेष मरम्मत कार्य एवं पचपेढ़ी उपखण्ड के अंतर्गत अन्य मरम्मत कार्य।

2021_PWDRB_156127	प्रथम	5.00 लाख	10000/-	2000/-	4 माह (वर्षा ऋतु सहित)

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 8. सिविल लाईन जबलपुर में 2 नग जी-टाईप क्वाटर्स एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।

2021_PWDRB_156128	प्रथम	52.43 लाख	53000/-	10000/-	12 माह (वर्षा ऋतु सहित)

सरल क्रमांक कार्य का नाम :- 9. पाटन उपसंभाग के अंतर्गत वर्षाकाल के दौरान अत्यधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त मार्गों एवं पुल-पुलियों की मरम्मत का कार्य।

2021_PWDRB_156129	तृतीय	5.00 लाख	10000/-	2000/-	4 माह (वर्षा ऋतु सहित)

टीप :- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा ऑनलाइन अपलोड करने की तिथि दिनांक 03.09.2021 समय 10:30 से दिनांक 18.09.2021 समय 17:30 बजे तक है। इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जावेंगे। (2) अन्य विस्तृत विवरण एवं संशोधन ऑनलाइन पोर्टल पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-16202/45885/2021 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग, क्र.-2, जबलपुर**

कार्यपालन यंत्री
जल संसाधन संभाग, राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
ई-मेल आई.डी. : ee.wrdnrajgarh.rjg@mp.gov.in

घोष विक्रय विज्ञप्ति (द्वितीय आमंत्रण)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मुण्डला परियोजना जल संसाधन संभाग, राजगढ़ के अंतर्गत नहरों की खुदाई में प्राप्त हार्डरॉक की नीलामी की जाना प्रस्तावित है। घोष विक्रय अनुविभागीय अधिकारी सर्वेक्षण एवं अनुसंधान उपसंभाग राजगढ़ के **कार्यालय में दिनांक 10.09.2021** को घोष विक्रय की कार्यवाही संबंधित ठेकेदारों की उपस्थिति में दोपहर 3.00 बजे किया जावेगा।

स. क्र.	विवरण	शासकीय बोली रुपये (न्यूनतम राशि)	अमानत राशि	वैध बैंक गारंटी या ब्याज वाली सिक्यूरिटी जमा राशि
1.	मुण्डला परियोजना की नहरों की खुदाई से प्राप्त हार्डरॉक 72587.71 घन मीटर **जहाँ है जैसी स्थिति में।**	7258771/-	72587/-	362939/-

घोष विक्रय में भाग लेने हेतु निम्नलिखित दस्तावेज घोष प्राप्त विक्रय नियम दिनांक के एक दिवस पूर्व अर्थात् **दिनांक 09.09.2021 तक** किसी भी कार्यालयीन समय में सायं 5.00 तक जमा करने वाले प्रतियोगी को घोष विक्रय में भाग लेने की पात्रता रहेगी।

01. अमानत की राशि अधोहस्ताक्षरकर्ता के नाम से एफ.डी.आर. के रूप में। 02. वाणिज्यकर अधिकारी द्वारा जारी पंजीयन क्रमांक एवं नवीन आयकर भुगतान का प्रमाण-पत्र मय जी.एस.टी. नम्बर सहित। 03. मुख्य प्रयोगी के भाग न लेने की स्थिति में मुख्यतयार नामा (पॉवर ऑफ अटार्नी) धारक के फोटो सहित रजिस्ट्रार कार्यालय में पंजीसयक होकर मान्य की जावेगी। ऐसी दशा में मुख्य एवं मुख्यतयार का चरित्र प्रमाण-पत्र जमा करना होगा।

नीलामी की शर्तें निम्नानुसार रहेंगी :- 01. नीलामी किये जाने वाली सामग्री का विस्तृत विवरण (नीलामी की राशि, आकार आदि) की जानकारी अनुविभागीय अधिकारी सर्वे एवं अनुसंधान उपसंभाग राजगढ़ से किसी भी कार्यालयीन समय में नीलामी के पूर्व दिवस तक प्राप्त की जा सकती है। 02. नीलामी उपरान्त समस्त सामग्री का परिवहन 01 माह में किया जाना अनिवार्य होगा। एक माह की अवधि पश्चात् यदि सामग्री को मौके से नहीं हटाया जाता है जो नीलामी अस्वीकृत कर घोष विक्रेता द्वारा जमा अमानत राशि शासन हित में राजसात कर ली जावेगी। 03. नीलामी सामग्री की सुरक्षा का दायित्व सफल बोलीदार का ही रहेगा। 04. सफल बोलीदार को सफल बोली की सम्पूर्ण राशि नीलामी उपरान्त 10 दिवस में जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा अमानत राशि राजसात करने की विधिवत् कार्यवाही की जावेगी। 05. सफल बोलीदार को सामग्री परिवहन करने पर परिवहन हेतु खनिज विभाग से ट्रांजिट पास प्राप्त करना अनिवार्य होगा एवं नियमानुसार निर्धारित रॉयल्टी शुल्क स्वयं को जमा करना होगा। 06. किसी भी वाद/विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र राजगढ़ रहेगा। 07. अधोहस्ताक्षरकर्ता को नीलामी रद्द/स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा। 08. निविदा में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति यदि सामग्री का विवरण देखना चाहे तो अनुविभागीय अधिकारी सर्वे एवं अनुसंधान उपसंभाग राजगढ़ में संपर्क कर सकते हैं। 09. हार्डरॉक क्रय करने वाली समस्त फर्म/बोलीदार को सामग्री की मात्रा, क्वालिटी ढुलाई हेतु पहुंच मार्ग, दूरी आदि का निरीक्षण पूर्व में कर लें। बाद में उनकी किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-16201/45886/2021 **जल संसाधन संभाग, राजगढ़**

स्कूल शिक्षा विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (म.प्र.)
राज्य शिक्षा केंद्र

पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95 फैक्स : 2552363, 2760561

क्रमांक/राशिके/NTSE-NMMSS/2021/1448 भोपाल, दिनांक : 26.08.2021

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून प्रवेश परीक्षा दिसम्बर-2021

1. राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला अंतः सेवा शिक्षण संस्थान है। यह कॉलेज 1922 में स्थापित हुआ, जिसका प्रमुख उद्देश्य भारत की तीनों सेनाओं में छात्रों को पूर्ण रूप से तैयार करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पुणे, में अग्रिम प्रशिक्षण के लिए भेजना है।
2. राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में आठवीं कक्षा में प्रवेश पाने के लिए केवल **छात्र (बालक) ही आवेदन करने के पात्र हैं।** प्रवेश केवल आठवीं कक्षा में ही होता है और किसी कक्षा में प्रवेश नहीं होता है। **जुलाई 2022** के सत्र में प्रवेश के लिए परीक्षा देश के चुनिन्दा स्थानों पर **18 दिसम्बर, 2021 (शनिवार)** को होगी।
3. **आयु सीमा - जुलाई-2022** सत्र में प्रवेश पाने के लिए उम्मीदवार की आयु सीमा **01 जुलाई 2022** को **11$^{1/2}$** वर्ष से **कम** और **13 वर्ष** से **अधिक** नहीं होनी चाहिए अर्थात् उम्मीदवार का **जन्म 02 जुलाई 2009 से पहले और 1 जनवरी 2011 के बाद नहीं होना चाहिए।**
4. **शैक्षिक योग्यता** - राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून के **जुलाई-2022** सत्र में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को प्रवेश के समय अर्थात् **1 जुलाई 2022** को किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में सातवीं कक्षा में अध्ययनरत या सातवीं कक्षा पास कर चुका हो।
5. **परीक्षा की रूपरेखा** - परीक्षा की रूपरेखा निम्नवत् है

(क) **लिखित परीक्षा - गणित,** (09:30-11:00 बजे तक) और **सामान्य ज्ञान** (12:00-13:00 बजे तक) और **अंग्रेजी** (14:30-16:30 बजे तक) **18 दिसम्बर 2021 (शनिवार)** को होगी।

(ख) **मौखिक परीक्षा** - मौखिक परीक्षा की तारीख बाद में बता दी जायेगी। जिसमें **परीक्षार्थी के बौद्धिक ज्ञान तथा व्यक्तित्व (पर्सनालिटी) परीक्षण होगा।** मौखिक परीक्षा केवल उन्ही उम्मीदवारों की होगी जो लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे। **प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र एवं साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।** साक्षात्कार के स्थान और समय की सूचना उन्हें **मार्च 2022** के पहले सप्ताह में राज्य स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दी जाएगी।

(ग) **स्वास्थ्य परीक्षण** - मौखिक परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को चुने हुए सैनिक अस्पतालों में स्वास्थ्य परीक्षण करवाना होगा। जिन उम्मीदवारों का स्वास्थ्य ठीक पाया जाएगा। केवल उन्हीं को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज में प्रवेश के लिए चुने जाने पर विचार किया जाएगा। उम्मीदवार का स्वास्थ्य परीक्षण चयन प्रणाली का एक अंग है। इसका अर्थ यह नहीं लगाना चाहिए कि उम्मीदवार को अंतिम रूप से चुन लिया गया है। उम्मीदवार को तब तक अंतिम रूप से चुन लिया गया नहीं समझना चाहिए जब तक इस संबंध में प्रवेशाधिकार निर्देश जारी नहीं हो जाते हैं और उन्हें भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में दाखिले के लिए चुने जाने की सूचना नहीं मिल जाती है।

(घ) भारत सरकार रक्षा मंत्रालय के पत्रांक संख्या **A/36105/GS/MT-6/D(GS-II)** दिनांक 03 सितम्बर 2014 के अनुसार केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चे लिखित परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा संबंधित कर्मचारी की पोस्टिंग राज्य/मूल अधिवास राज्य में दे सकते हैं। उनके अधिवास राज्य का निर्धारण उनके मूल अधिवास राज्य के अनुसार होगा एवं उनकी उम्मीदवारी भी उनके मूल अधिवा राज्य के अनुरूप होगी। आवेदन पत्र उसी राज्य में जमा करना अनिवार्य है जहां से उम्मीदवार परीक्षा देना चाहता है।

(ड) साक्षात्कार केवल उन्हीं उम्मीदवारों का होगा जो लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे। इन उम्मीदवारों की सूची सैन्य प्रशिक्षण निदेशालय की स्वीकृति के बाद सभी राज्य सरकारों को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज के द्वारा भेजी जाएगी।

(च) परीक्षा परिणाम आर.आई.एम.सी. की वेबसाइट में अपडेट होता है। जिसकी जांच करने की जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी।

6. **परीक्षा केन्द्र** - परीक्षा का केन्द्र म.प्र. राज्य के लिए प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान भोपाल (पूर्व में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय) पी.जी.बी.टी. कैम्पस बैरसिया रोड, भोपाल पिन-462038 (फोन नं. 0755-2735228) होगा।
7. **शुल्क - वार्षिक शुल्क सामान्य जाति के उम्मीदवारों के लिए रुपये 107500/-** एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार के लिए रुपये 93900/- है जो कि समय-समय पर बढ़ सकती है। प्रवेश के समय जमानत के रूप में 30,000/- रुपये जमा करने होंगे। यह राशि कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद वापस कर दी जाती है।
8. **छात्रवृत्ति** - छात्रों को योग्यता के आधार पर संबंधित राज्य सरकार द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जिसकी कुल **राशि 10,000/- से 50,000/- रुपये वार्षिक** होती है।
9. **आवेदन पत्र - आवेदन पत्र और विवरण - पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र** राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, गढ़ी कैन्ट देहरादून से प्राप्त कर सकते हैं।

(क) **ऑनलाइन भुगतान के द्वारा** - आवेदन पत्र आर.आई.एम.सी. की वेबसाइट **www.rimc.gov.in** से ऑनलाइन भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र और विवरण पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र के एक सेट के लिए सामान्य जाति के उम्मीदवार **रु. 600/-** एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार **555/-** भुगतान प्राप्त होने के बाद आवेदन पत्र और विवरण पत्रिका एवं पुराने प्रश्नपत्र स्पीड पोस्ट से भेजे जायेंगे।

या

(ख) **डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा** आवेदन पत्र और विवरण पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र के एक सेट के लिए सामान्य जाति के उम्मीदवार **रु. 600/-** एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार 555/- (पांच सौ पचपन रुपये मात्र) का बैंक ड्राफ्ट **कमाण्डेंट, राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, तेल भवन, देहरादून बैंक कोड नंबर (01576)** के नाम से भुगतान करके प्राप्त किया जा सकता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार के लिए जाति प्रमाण पत्र की सत्यापित छायाप्रति भेजना अनिवार्य है। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट से भेजा जायेगा। आवेदक अपना पत्र व्यवहार का पूरा पता टंकित/स्वच्छ हस्तलिखित रूप से हिन्दी/अंग्रेजी में पोस्टल पिनकोड तथा नंबर के साथ लिखकर भेजें। अपठनीय, अपूर्ण पता तथा डाक विलंब/नुकसान का उत्तरदायी राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून नहीं होगा।

- **केवल राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज से प्राप्त आवेदन पत्र ही मान्य होंगे। बाजार में मिलने वाले या फोटोकॉपी किए गए तथा बिना होलोग्राम (मुहर) के आवेदन पत्रों की मान्यता नहीं होगी।**
- **आवेदन शुल्क की वापसी किसी भी दशा में नहीं होगी।**

10. **अंतिम तिथि - विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र (दो प्रतियों में) के साथ उम्मीदवार की पासपोर्ट आकार की फोटो, जन्म प्रमाण पत्र (नगर निगम, ग्राम पंचायत से) मूल निवास प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र व प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित वर्तमान कक्षा में अध्ययनरत का मूल रूप से फोटो सत्यापित किया हुआ प्रमाण पत्र** सहित दिनांक **30 अक्टूबर 2021 तक** अथवा उससे पहले आवेदन पत्र दो प्रतियों में भरकर म.प्र. राज्य के लिए प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान भोपाल (पूर्व में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय) पी.जी.बी.टी. कैम्पस बैरसिया रोड, भोपाल पिन-462038 के पास पहुंच जाने चाहिए। राज्य शिक्षा केन्द्र को आवेदन पत्र न भेजें। आवेदन पत्र के साथ उम्मीदवार का आधार कार्ड जमा करना अनिवार्य है और जमा न कर पाने पर उम्मीदवार का आवेदन पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

जी-16186/45883/2021 संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा म.प्र.

Website : www.mp.gov.in/pwdmp
Email : eepwdbrirewa@mp.nic.in, Phone : 07662-256720

क्रमांक 01/ब.ले.लि./निविदा/2021-22 रीवा, दिनांक : 18.082021

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र-अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो, से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	1. अमानत राशि 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्रमांक 2. कार्यावधि (वर्षाकाल सहित)
1.	2021_PWDRB_156017_1	शहडोल जिले के कटनी जनकपुर, मार्ग के कि.मी. 166/2 में ओदारी पर पुल एवं पहुंचमार्ग का निर्माण कार्य।	271.13	1. 271130/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 12 माह वर्षाकाल रहित

1. ऑनलाइन पोर्टल **https://mptenders.gov.in** के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने का समय एवं **दिनांक 23.08.2021 सुबह 09:30 से 20.09.2021 शाम 17:30 तक** तथा डाउनलोड एवं डालने का समय एवं दिनांक 25.08.2021 सुबह 09:30 से 20.09.2021 शाम 17:30 तक है।
2. अमानत जमा राशि एवं निविदा संबंधी अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जावेंगे। भौतिक दस्तावेज कार्यालय में प्राप्त नहीं किए जावेंगे।
3. निविदा से संबंधित संशोधन, समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल वेबसाइट के माध्यम से दी जायेगी।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
जी-16206/45887/2021 लो.नि.वि. सेतु निर्माण, संभाग रीवा (म.प्र.)

4 म.प्र. बालिका बटालियन एनसीसी
ओल्ड बी.टी.आई. छात्रावास, गिन्नोरी रोड, भोपाल म.प्र.
निविदा सूचना

एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय भोपाल द्वारा प्रतिष्ठित एवं अनुभवी कंपनियों/फर्मों/संस्थाओं से एक वर्ष की अवधि हेतु वाहन चालक एवं लश्कर की सेवाएं प्रदान करने हेतु सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं में रुचि रखने वाली कंपनियों/फर्म/संस्थाएं कार्यालय के कार्य दिवस के दौरान रुपये 150/- की निविदा फार्म 4 म.प्र. बालिका बटालियन एनसीसी ओल्ड बीटीआई छात्रावास गिन्नोरी रोड, भोपाल में समय 11:00 से 03:00 के बीच प्राप्त कर सकते हैं।

निविदा प्रपत्र जमा करने की **अंतिम तिथि दिनांक 21 सितम्बर 2021 अपरांह 12 बजे (1200) तक** है। निविदा 4 म.प्र. बालिका बटालियन एनसीसी, भोपाल के रखे निविदा बॉक्स में जमा की जानी है। निविदा प्रपत्र (तकनीकी) खोलने का समय दिनांक 21 सितम्बर 2021 अपरांह 3.00 बजे (1500) है।

नियत तिथि एवं समय उपरांत प्राप्त होने वाली निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। प्रपत्र (तकनीकी) खोलने के समय पर फर्म/संस्था के प्रतिनिधि की उपस्थिति अनिवार्य है।

सीलबंद लिफाफे पर फर्म/संस्था का नाम एवं दूरभाष नंबर अंकित होना अनिवार्य है।

निविदा प्रपत्र (तकनीकी) एवं निविदा प्रपत्र (वित्तीय) अलग-अलग सीलबंद लिफाफे में जमा किया जाना अनिवार्य है।

विजिट वेबसाइट एनसीसीएमपीसीजी.इन visit-nccmpcg.in

पीठासीन अधिकारी
जी-16212/45888/2021 C/o 4 म.प्र. बालिका बटालियन एनसीसी, भोपाल

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी रीवा (म.प्र.)

(संविधान की धारा XV of 1920)
पुनर्वास भवन, सिविल लाइन, झिरिया, रीवा (म.प्र.) पिन - 486001
दूरभाष क्रमांक : 07662-292067, ई-मेल : redcrossrewa@rediffmail.com
डॉ. सज्जन सिंह चेयरमैन मो. नं. : 9425185661, डॉ. विनोद श्रीवास्तव, सचिव, मो. नं. : 9826312930

क्र./1497/रेडक्रॉस/2021 रीवा, दिनांक : 03.09.2021

भारत सरकार सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय की डी.डी.आर.सी. योजना अंतर्गत जिला प्रबंध समिति, डी.डी.आर.सी. रीवा द्वारा संचालित जिला निःशक्त पुनर्वास केन्द्र रीवा के लिये निम्नलिखित अस्थायी एवं मानदेय पर आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र.	पद	संख्या	वांछित योग्यता	मानदेय प्रति माह
1.	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/ अर्थोटिस्ट	1	Degree in Prosthetic & Orthetic preferably from National Institute with 5 years Experience, भारतीय पुनर्वास परिषद का पंजीयन (R.C.1) अनिवार्य है।	8200+11800=20000/- कार्यानुभव के आधार पर अतिरिक्त मानदेय डी.एम.टी. की अनुशंसा पर देय होगा।

1. उक्त पद मानदेयी है।
2. पद की सेवाएं अस्थायी हैं। एक माह की सूचना अथवा एक माह का मानदेय देकर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। इसी प्रकार कर्मचारी भी एक माह की पूर्व सूचना अथवा एक माह का मानदेय जमा कर सेवा से प्रथक हो सकेंगे।
3. उक्त पद हेतु कम्प्यूटर का ज्ञान एवं विकलांगता के क्षेत्र में कार्य करने का 05 वर्ष का अनुभव होना आवश्यक है।
4. उम्र तथा अन्य नियम राज्य सरकार के अनुसार लागू होंगे आवेदन पत्र बायोडाटा सहित फोटो (नई एवं स्वहस्ताक्षरित) तथा सभी प्रकार की योग्यता एवं अनुभव प्रमाण-पत्र (राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित) सचिव भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला निःशक्त पुनर्वास केन्द्र, गुप्ता पेट्रोल पम्प के पीछे, झिरिया सिविल लाइन्स रीवा (म.प्र.)-486001 को भेज सकते हैं। आवेदन पत्र प्राप्त होने की **अंतिम तिथि 30 सितम्बर सायं 5:00 बजे तक** है।
5. आवेदनकर्ता अपना पत्राचार का पूर्ण पता दूरभाष नं., ई-मेल एड्रेस स्पष्ट रूप से आवेदन पत्र पर लिखें जिससे आवश्यकतानुसार साक्षात्कार की सूचना दी जा सके।
6. साक्षात्कार की सूचना पृथक से दी जायेगी।

सचिव
आर-45909/2021 भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, रीवा (म.प्र.)

छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज से संबंधित आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्य पूर्ण होंगे

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज के साथ बनने वाले सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के संबंध में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मेडिकल कॉलेज से संबंधित आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्य पूर्ण किए जाएंगे।

इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग के नेतृत्व में मुख्यमंत्री श्री चौहान से मिले प्रतिनिधिमण्डल ने उन्हें जानकारी दी कि वर्तमान में मेडिकल कॉलेज में शिक्षण कार्य तो हो रहा है, किंतु कॉलेज का अपना हॉस्पिटल न होने से प्रेक्टिकल कक्षाएं जिला चिकित्सालय में लग रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस विसंगति को दूर किया जाएगा।

प्रतिनिधिमण्डल ने बताया कि छिंदवाड़ा में मेडिकल कॉलेज खोलने की मंजूरी और कॉलेज के निर्माण के बाद वर्ष 2019 से शिक्षण कार्य आरंभ हो चुका है, किंतु कॉलेज का अपना हॉस्पिटल न होने से शिक्षण कार्य में बाधा आ रही है। प्रतिनिधिमण्डल ने नई कार्ययोजना के माध्यम से बजट मंजूर कर इस कार्य को संपन्न करवाने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान से छिंदवाड़ा नगर के सौंदर्यीकरण और रेल सुविधाओं के विकास में सहयोग की अपेक्षा की। श्री चौहान ने कहा कि छिंदवाड़ा के व्यवस्थित विकास के सभी संभव कदम उठाए जाएंगे।

मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाया जाएगा – मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश की बड़ी संभावना है। प्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को रोज़गार के अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री से भोपाल स्थित मंत्रालय में सागर ग्रुप के चेयरमैन श्री सुधीर कुमार अग्रवाल ने मुलाकात कर प्रदेश में निवेश संबंधी चर्चा की। श्री अग्रवाल ने बताया कि टेक्सटाइल के क्षेत्र में सागर ग्रुप द्वारा प्रदेश में 1000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसमें लगभग 4000 लोगों को सीधा रोज़गार मिला है। सागर ग्रुप भोपाल में होशंगाबाद रोड पर एक मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल भी शीघ्र ला रहा है, जिससे लगभग 1000 व्यक्तियों को रोज़गार मिल सकेगा।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में ले सकते हैं प्रवेश

एससी/एसटी वर्ग के विद्यार्थियों को चयनित शैक्षिक कार्यक्रमों में निःशुल्क प्रवेश

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (इग्नू) विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। यह अभिनव तरीकों से अकादमिक सहायता/सेवाएं प्रदान करता है। अपनी स्थापना से अभी तक के 35 से अधिक वर्षों के दौरान इसने दुनिया के शैक्षिक परिदृश्य में अपनी एक पहचान बनाई है। इसे अब दुनियाभर में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र माना जाता है। आज इग्नू अपनी गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री के लिए जाना जाता है। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने इसे अपनी गुणवत्ता सेवाओं के लिए A++ का उच्चतम ग्रेड प्रदान किया है। यह सितंबर 1985 में संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था। इसका नेटवर्क न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भी फैला हुआ है। इग्नू कॅरियर विकास के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

इग्नू अपनी नीति के अनुसार एससी/एसटी कैटेगरी के विद्यार्थियों को कार्यक्रम शुल्क में छूट का प्रावधान करता है। हर प्रवेश सत्र के लिए नीति की समीक्षा की जाती है। जुलाई 2021 से शुरू वर्तमान प्रवेश सत्र के लिए प्रवेश अब भी चल रहे हैं। इसमें 84 विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए एससी/एसटी वर्ग के छात्रों को फीस में छूट दी जा रही है। यह योजना इग्नू के केवल कुछ चयनित शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध है। ये प्रमाण पत्र, पीजी प्रमाण पत्र और उन्नत प्रमाण पत्र स्तर के कार्यक्रम (6 महीने की अवधि), डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा स्तर के कार्यक्रम (1 वर्ष की अवधि) और स्नातक स्तर के कार्यक्रम (3 वर्ष की अवधि) के हैं। यह योजना मॉड्यूलर प्रमाण पत्र या डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध नहीं है, जो डिग्री कार्यक्रम का हिस्सा है। वे लाभार्थी जो स्नातक कार्यक्रम के साथ प्रमाण पत्र स्तर के कार्यक्रम में एक साथ नामांकन कर रहे हैं, केवल एक कार्यक्रम में छूट के पात्र होंगे। इसके अंतर्गत छूट प्रदान किये जाने वाले अलग-अलग कार्यक्रमों की सूची इग्नू की वेबसाइट पर दी गई है। आप निम्नलिखित लिंक पर ऐसे कार्यक्रमों की अधिसूचना और सूची को देख सकते हैं www.ignou.ac.in/userfiles/CamScanner%2006-28-2021%2011_50_49.pdf. सभी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर या नवीनतम प्रावधानों के बारे में जानने के लिए क्षेत्रीय केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं। मध्यप्रदेश में इग्नू के दो क्षेत्रीय केंद्र भोपाल और जबलपुर में हैं। जबलपुर में क्षेत्रीय केंद्र रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में स्थित है, जबकि भोपाल में क्षेत्रीय केंद्र 12, अरेरा हिल्स भोपाल में स्थित है। ये क्षेत्रीय केंद्र मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में इग्नू की गतिविधियों को संचालित करते हैं।

आप किस प्रकार प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं?

अगर आपके पास इंटरनेट कनेक्शन है तो आप सीधे अपने घर से एडमिशन ले सकते हैं। इसके लिए आपको एक ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरना होगा और अपने सभी दस्तावेजों की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करनी होंगी। आपको केंद्र या राज्य सरकार के अधिकृत अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र के साथ आवेदन करना होगा। विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा इन प्रमाण पत्रों की जांच की जाती है और फिर प्रवेश की पुष्टि की जाती है। हमने अपनी वेबसाइट पर एडमिशन लेने के लिए स्पष्ट रूप से निर्धारित प्रक्रिया दी है। यह प्रक्रिया बहुत सरल है।

प्रवेश सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से होते हैं। आपके प्रवेश पुष्टि-पत्र और पहचान-पत्र ऑनलाइन जारी किए जाते हैं। क्षेत्रीय केंद्र में हमारी प्रवेश टीम इस प्रक्रिया के हर चरण में आपकी मदद करती है। इच्छुक छात्र इग्नू की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आपको इग्नू की वेबसाइट : www.ignou.ac.in पर जाना होगा। एडमिशन लेने के लिए इग्नू के होम पेज पर लिंक दिया गया है। एक बार जब आप उस लिंक पर क्लिक करते हैं, तो आप प्रवेश के लिए निर्धारित लिंक तक पहुंच जाते हैं। यदि आप किसी समस्या का सामना कर रहे हैं, तो सहायता के लिए हमारे क्षेत्रीय केन्द्र/अध्ययन केन्द्रों में संपर्क कर सकते हैं। क्षेत्रीय केंद्र सप्ताह में 5 दिन (सोमवार से शुक्रवार) कार्य करते हैं। आप हमारे अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों के संपर्क नंबर क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइट पर देखकर वहां भी जा सकते हैं।

जो एससी और एसटी वर्ग के छात्र नौकरी कर रहे हैं या जो अन्य एजेंसियों से किसी भी तरह की फैलोशिप या फीस में छूट का लाभ उठा रहे हैं, वे एससीएसपी/टीएसपी योजना के तहत शुल्क में छूट के पात्र नहीं हैं। प्रत्येक छात्र को इस आशय का एक एफिडेविड प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा, इच्छुक छात्रों को यह भी ध्यान देना चाहिए कि फीस की छूट इस एडमिशन प्रॉस्पेक्टस में बताए गए प्रोग्राम फीस तक ही सीमित है। इस योजना में लेट फीस (यदि कोई हो), टर्म-एंड-एग्जाम फीस, दीक्षांत शुल्क आदि में छूट नहीं दी जाएगी। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ऐसे इच्छुक छात्रों से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सभी आवश्यक पात्रता मानदंडों को पूरा करने की उम्मीद की जाती है।

सभी इच्छुक छात्रों से अनुरोध है कि आप अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित पते पर संपर्क कर सकते हैं। इस समय प्रवेश प्रक्रिया जारी है और जुलाई 2021 के प्रवेश सत्र के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर, 2021 तक बढ़ा दी गई है।

क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, 12 अरेरा हिल्स भोपाल
ईमेल: rcbhopal@ignou.ac.in
डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय
(लेखक, इग्नू, भोपाल में क्षेत्रीय निदेशक हैं।)

कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र जिसमें आप लाभ ले सकते हैं

एडवांस प्रमाण पत्र (अवधि-6 माह)	सूचना सुरक्षा, विद्युत वितरण प्रबंधन
स्नातक स्तर (अवधि-3 वर्ष)	बीए, बीकॉम, बीएससी,
प्रमाण पत्र कार्यक्रम (अवधि-6 माह)	• अरबी, फ्रेंच, फारसी, रूसी, उर्दू, जर्मन, स्पेनिश, कोरियाई भाषाएं • प्रदर्शन कला जैसेः भरत नाट्यम, हिंदुस्तानी संगीत, कर्नाटक संगीत, रंगमंच कला, दृश्य कला, अनुप्रयुक्त कला, पेंटिंग, • कृषि क्षेत्र जैसेः कुक्कुट, जैविक खेती • कानूनी अध्ययन जैसेः मानव तस्करी, सहयोग, सहकारी कानून और व्यापार कानून, उपभोक्ता संरक्षण, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून, • प्रदर्शन और दृश्यकला : • अन्य कार्यक्रम जैसेः सामुदायिक रेडियो, ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, फैशन डिजाइन, बी.आर. अम्बेडकर के जीवन और विचार पर कार्यक्रम, अंग्रेजी शिक्षण, गैर सरकारी संगठन प्रबंधन, 'सामाजिक कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली, शांति अध्ययन और संघर्ष प्रबंधन', 'एचआईवी और पारिवारिक शिक्षा' • स्वास्थ्य शिक्षा जैसेः प्राथमिक चिकित्सा, सामान्य कर्तव्य सहायता, स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन, • कृषि अध्ययन जैसेः मधुमक्खी पालन, रेशम उत्पादन, जैविक खेती, आदिवासी अध्ययन, जल संचयन और प्रबंधन
डिप्लोमा कार्यक्रम (अवधि-1 साल)	एचआईवी और पारिवारिक शिक्षा, जलीय कृषि, क्रिटिकल केयर नर्सिंग, अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन, इवेंट मैनेजमेंट, पैरा लीगल प्रैक्टिस, आधुनिक कार्यालय अभ्यास, मांस प्रौद्योगिकी, 'अनाज, दलहन और तिलहन से मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन', जर्मन शिक्षण, उर्दू, वाटर शेड प्रबंधन
स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र (अवधि-6 माह)	प्रौढ़ शिक्षा, कृषि नीति, बांग्ला-हिंदी अनुवाद, जलवायु परिवर्तन, साइबर कानून, भू-सूचना विज्ञान, गांधी और शांति अध्ययन, दृष्टिबाधित प्रशिक्षकों के लिए सूचना और सहायक प्रौद्योगिकी, मलयालम-हिंदी अनुवाद, पेटेंट अभ्यास,
स्नातकोत्तर डिप्लोमा (अवधि-1 साल)	विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान, वयस्क शिक्षा, ऑडियो कार्यक्रम उत्पादन, पुस्तक प्रकाशन, आपराधिक न्याय, सामाजिक कार्य परामर्श, विकास अध्ययन, शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन, पर्यावरण और व्यावसायिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और सतत विकास, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, लोक गीत और संस्कृति अध्ययन, गांधी और शांति अध्ययन, उच्च शिक्षा, बौद्धिक संपदा अधिकार, सूचना सुरक्षा, 'पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग', दवा बिक्री प्रबंधन, स्थिरता विज्ञान

ग्रामीण महिलाओं के लिए वरदान बना जल जीवन मिशन

मध्यप्रदेश के 3193 ग्रामों के हर घर में सरल, सुगम और शुद्ध पेयजल

भोपाल, जल प्रत्येक जीवन की जरूरी जरूरत है और जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। देश के ग्रामीण अंचल में जल प्राप्ति के साधन के रूप में नदी, तालाब, कुआं और बावड़ी ही रहे हैं। हमेशा यही देखा गया कि ग्रामीण माताओं-बहनों को इन पेयजल स्रोतों से जल लाकर परिवार की जरूरत पूरी करना पड़ती थी। धीरे-धीरे हैण्डपम्प और ट्यूबवेल का प्रचलन बढ़ा, इससे हमारी आधी-आबादी (महिला वर्ग) के परिश्रम में कुछ कमी तो आई लेकिन उन्हें पेयजल की कठिनाई और समस्या से पूरी तरह मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी दूरी से सिर पर पानी से भरे बर्तन लेकर आती महिलाओं की दशा और पेयजल संकट को दर्शाती खबरें तथा फोटो हम सबने विभिन्न प्रचार माध्यमों में अनेकों बार पढ़े और देखे हैं। अब जल जीवन मिशन किस तरह ग्रामीण आबादी को नल से जल देकर उनके जीवन में बदलाव ला रहा है यह भी सच हम देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण आबादी और खासकर महिला वर्ग को पेयजल के लिए उठानी पड़ रही कठिनाई की निरन्तर चिंता की। इस समस्या से निदान के उपाय के लिए उनके चिंतन से ही राष्ट्रीय जल जीवन मिशन प्रारम्भ हुआ। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2019 को इस मिशन की घोषणा की। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने जल जीवन मिशन की गाइडलाइन जारी की और केंद्र तथा राज्य के समान व्यय अंश पर मिशन में कार्य प्रारम्भ हुए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मिशन की खूबियों को जाना और ग्रामीण अंचल की माता-बहनों की 'नीर के लिए पीर' को हमेशा के लिए दूर करने के उद्देश्य से प्रदेश में मिशन अन्तर्गत कार्य करने के निर्देश दिए। प्रदेश में जून 2020 से गांव के हर घर में नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ। अब सभी जिलों की ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन से जल मुहैया करवाने के कार्य तेज गति से चल रहे हैं। बदलाव के साक्ष्य के रूप में मिशन में 40 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से निरन्तर जलप्रदाय हो रहा है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्यमंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव मिशन के संचालन की प्रति सप्ताह समीक्षा करते हैं। श्री यादव का मानना है कि धरातल पर उतरी योजनाओं के लाभ से ही जन-विश्वास कायम होता है। जब आमजन की मानसिकता यह बने कि सरकार उसकी अपनी है, तब ही माना जाये कि माप की कसौटी पर सरकार खरी उतरी है। श्री यादव द्वारा जल जीवन मिशन की मार्गदर्शिका के अनुरूप कार्य प्रबंधन कार्यान्वयन सहायता, तृतीय पक्ष मूल्यांकन और कौशल विकास एजेन्सी से प्रत्यक्ष (वन-टू-वन) संवाद किया गया। इस व्यवस्था से मिशन के कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में हो रहे हैं।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण आबादी के घरों में नल से जल देने की व्यवस्था सहित स्कूल एवं आंगनवाड़ियों में भी पेयजल के लिए नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। लक्ष्य, प्रत्येक ग्रामीण परिवार, आंगनवाड़ी और स्कूल में गुणवत्तापूर्ण और पर्याप्त जल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना है। जल जीवन मिशन में प्रदेश के 3193 ग्रामों के प्रत्येक घर में नल कनेक्शन से प्रतिदिन जल दिए जाने की सुचारु व्यवस्था हो चुकी है। इसी कड़ी में प्रदेश की 24 हजार आंगनवाड़ियों और 41 हजार स्कूलों में बेहतर ढंग से पेयजल की व्यवस्था की जा चुकी है। शेष रहे ग्रामीण परिवारों सहित आंगनवाड़ियों और स्कूलों में भी नल से जलापूर्ति के कार्य निरन्तर जारी हैं।

प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने में मध्यप्रदेश अव्वल

जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय परीक्षण और अशंशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL) से मान्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश हैं कि सभी राज्य अपनी जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए निर्धारित अन्तराल में प्रत्यायन बोर्ड से (NABL) प्रमाण-पत्र प्राप्त करें, ताकि इस सेवा की उच्च गुणवत्ता के प्रति विश्वसनीयता बनी रहे। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की राज्य और जिला स्तरीय 51 प्रयोगशालाओं को प्रत्यायन बोर्ड (NABL) द्वारा मान्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए हैं। देश की विभिन्न जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश अव्वल एवं 30 प्रयोगशालाओं के मान्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला महाराष्ट्र राज्य दूसरे स्थान पर है।

हर स्तर पर समितियां गठित

मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के संचालन के लिये मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन और कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन का गठन किया गया है। साथ ही ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का गठन भी किया जायेगा। योजना में निर्माण लागत की 10 प्रतिशत जनभागीदारी होगी। ग्रामीणों से जन-भागीदारी श्रम, सामग्री अथवा नगद राशि के रूप में ली जा सकेगी। अनुसूचित जाति एवं जनजाति बहुल ग्रामों में जन-भागीदारी 5 प्रतिशत होगी।

मिशन मार्गदर्शिका के घटकों के अनुरूप कार्य-संचालन

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन की मार्गदर्शिका के अनुसार प्रदेश में मिशन के बेहतर संचालन के लिए प्रमुख रूप से चार घटकों को शामिल कर उनके अनुरूप कार्यवाही की जा रही है।

उस्ताद अलाउद्दीन खां पुण्यतिथि– 6 सितंबर

मैहर संगीत को मध्यप्रदेश से दुनियाभर में विख्यात करने वाले महान विभूति उस्ताद अलाउद्दीन खां

'मैहर घराना' भारतीय संगीत का संभवतः इकलौता प्रमुख घराना रहा है, जिसमें पीढ़ी हस्तांतरण किसी एक परिवार के सदस्यों की बजाय गुरू-शिष्य परंपरा के जरिये होता है। कोई अन्य घराना सितार, सरोद, वीणा, सुरबहार, सुरसिंगार, वॉयलिन, और गिटार के इतने बड़े उस्तादों को पैदा करने का दावा नहीं कर सकता। इस घराने को अलाउद्दीन खां के नाम से अहम पहचान मिली है, अलाउद्दीन खां एक शख़्स ही नहीं हैं, बल्कि एक परंपरा हैं। ऐसी परंपरा जो उनके बेटे-बेटियां-अन्नपूर्णा देवी, अली अकबर खान, पौत्र-आशीष खान तथा शिष्य-पंडित रविशंकर, पन्नालाल घोष, निखिल बनर्जी, सरन रानी और इनके भी शिष्यों से होती हुई लगातार हस्तांतरित होती जा रही है। उस्ताद अलाउद्दीन खां सरोद, सितार, सुरबहार, वायलिन, जैसे लगभग 200 से ज्यादा भारतीय और पश्चिमी वाद्य यंत्र बजा लेते थे। उनके बारे में यह तक कहा जाता है कि वे जिस वाद्य यंत्र पर हाथ रख देते थे वही उनका गुलाम हो जाता था। वे ध्रुपद और ख्याल भी गाते थे। उस्ताद अलाउद्दीन खां जिंदगीभर बाबाओं की तरह रहे हैं, इसलिए या फिर वे अपने शिष्यों यानी कि शार्गिदों को बच्चों की तरह प्यार करते थे इस वजह से लोग उन्हें 'बाबा' कहते थे। वे सही मायनों में एक संत भी थे। उनके आसपास और शिष्यों में सभी धर्मों और वर्गों के लोग थे। जहां वे रहते थे, वहां त्योहार सा माहौल बन जाता था। सरोद वादक व संगीत के शिक्षक बाबा अलाउद्दीन खां ने देश को आधुनिक संगीत दिया। उन्होंने कई पुराने संगीत एवं राग को पीछे छोड़ नए राग बनाए। वे इकलौते ऐसे संगीतकार थे, जिन्हें 200 प्रकार से ज्यादा वाद्ययंत्रों को बजाने की महारथ प्राप्त थी। इसके बाद भी उनकी संगीत सीखने की भूख कम नहीं हुई।

अलाउद्दीन खां के संगीत कला से प्रभावित होकर मैहर के महाराजा बृजनाथ सिंह बीसवीं सदी की शुरुआत में उन्हें मैहर लेकर आए थे। अलाउद्दीन खां मैहर के महाराजा के दरबारी संगीतकार थे। वे राजा के दरबार में नियमित रूप से वाद्य यंत्र बजाते और गायन करते थे। इसी जगह के नाम से उनके संगीत-स्कूल का नाम 'मैहर-घराना' पड़ा जो भारतीय संगीत का अगुआ घराना है। 'मैहर संगीत शैली' और 'मैहर घराने' एवं प्राचीन भारतीय शास्त्रीय संगीत के पुनरोत्थान का श्रेय अलाउद्दीन खां को ही दिया जाता है। इन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवनकाल मैहर में गीत-संगीत के साथ व्यतीत किया। यहां पर इन्होंने वर्ष 1955 में 'मैहर कॉलेज ऑफ म्यूजिक' की स्थापना की थी।

शास्त्रीय संगीत की शिक्षा में सबसे अहम है अनुशासन और रियाज

उस्ताद अलाउद्दीन खां का मानना था कि शास्त्रीय संगीत की शिक्षा में सबसे अहम अनुशासन और रियाज है। इसलिए वे काफी सख्ती से शिष्यों से इसका अभ्यास करवाते थे। उदय शंकर, पंडित रवि शंकर के बड़े भाई थे। उन्हें सर्वकालिक महान नर्तकों में गिना जाता है। वे हिंदुस्तान के पहले कलाकार थे, जिन्हें पश्चिम में पहचान मिली। उनका नाम पश्चिम के महानतम नर्तक निजिंस्की के साथ लिया जाता है। जब उदय शंकर ने उस्ताद अलाउद्दीन खां को वर्ल्ड टूर से जुड़ने के लिए बुलाया तब किसी को नहीं पता था कि यह गुरू-शिष्य परंपरा की उस जोड़ी के मिलने का सबब बन जायेगी, जिससे भारतीय शास्त्रीय संगीत का स्वरूप ही बदल जायेगा और भारतीय संगीत व वादन को पश्चिम में इतने बड़े पैमाने पर स्वीकृति मिलेगी।

इसी दौरे पर पंडित रवि शंकर की मुलाकात बाबा अलाउद्दीन खां से होती है। 16 साल के रवि शंकर उस वक्त एक बेहतरीन डांसर थे, जो अपने भाई के साथ दुनिया भर में नृत्य प्रस्तुतियां देते थे। रवि शंकर तब पेरिस में रह रहे थे, लेकिन

बाबा अलाउद्दीन खां से प्रभावित होकर सुनहरा डांसिंग कॅरियर छोड़कर उन्होंने सितार सीखने का निर्णय लिया और बाबा के शिष्यत्व में गुरुकुल प्रणाली में सितार सीखने पेरिस से मैहर आ गए थे। जब पंडित रवि शंकर यूरोप से आये तो अपने साथ आधुनिकतम ग्रामोफोन और रेडियो ले आये, जिससे अलाउद्दीन खां को पश्चिमी शास्त्रीय संगीत को भी सुनने और समझने में मदद मिली। पंडित रवि शंकर खुद कहते हैं कि कई उभरते हुए संगीतकार बाबा के पास आते थे मगर कुछ ही हफ्तों में भाग खड़े होते थे, लेकिन जो बाबा यानी उस्ताद अलाउद्दीन खां से रिश्ता कायम कर लेते थे और कुछ महीने या कुछ साल रुक जाते थे, वे महान संगीतकार बनकर वापस लौटते थे।

मैहर वाद्य वृंद (मैहर बैंड) की स्थापना

मैहर वाद्य वृंद अपनी तरह का अनूठा ऑर्केस्ट्रा है। इसे मैहर बैंड के नाम से भी लोग जानते हैं। इसकी स्थापना के पीछे की कहानी बड़ी ही मार्मिक है। 1918-19 में मैहर में प्लेग की महामारी फैलने से कई लोग मारे गए और कई बच्चे अनाथ हो गये। तब बाबा अलाउद्दीन खां ने इन बच्चों को अपने घर में इकट्ठा किया और उनके गुणों के अनुसार उन्हें किसी ना किसी वाद्य को बजाने की शिक्षा दी और इस तरह मैहर वाद्य वृंद अस्तित्व में आया।

बाबा अलाउद्दीन खां ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ पश्चिमी शास्त्रीय संगीत भी सीखा था और क्लेरनेट, वायलिन और चेलो जैसे पश्चिमी वाद्यों को अपने वाद्यवृंद में शामिल भी किया। उन्होंने बंदूकों की नाल से एक अनूठे वाद्य नलतरंग का आविष्कार किया। अक्सर वायलिन बजाते हुए बाबा ग्रुप को लीड करते थे। मैहर वाद्य वृंद के एक सदस्य के अनुसार यह ऑर्केस्ट्रा अभी भी बाबा की सैंकड़ों रचनाओं को ऐसे ही बजाता है जैसे बाबा के समय में बजाया जाता था। यानी हर वाद्य से एक साथ एक ही सुर निकलता है और शायद यह एक मात्र ऐसा ऑर्केस्ट्रा है, जिसमें वादक बिना नोटेशन या स्वरलिपि के बजाते हैं।

भोपाल में स्थित है उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी

उस्ताद अलाउद्दीन खां ने भारतीय संगीत को जो भी दिया है, वह अपने आप में इतिहास है। उस्ताद अलाउद्दीन खां को 1954 में संगीत नाटक अकादमी तथा 1958 और 1971 में क्रमशः पद्म भूषण और पद्म विभूषण से नवाजा गया था। उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी भोपाल, मध्यप्रदेश में स्थित है। इस अकादमी की स्थापना सन् 1979 में की गई थी। इसका उद्देश्य उस्ताद अलाउद्दीन खां के अवदान और परम्परा का अध्ययन, विस्तार और परिरक्षण के साथ-साथ हिन्दुस्तानी संगीत और शास्त्रीय नृत्य के उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, दुर्लभ संगीत शैलियों का पुनराविष्कार करना है। इस संस्थान द्वारा अलग-अलग जगहों पर संगीत समारोह भी आयोजित किए जाते हैं। यह संस्थान प्रकाशन के क्षेत्र में भी कार्य करता है। समय-समय पर प्रकाशित स्मारिकाएं, 'मेरी कथा' (उस्ताद अलाउद्दीन खां, रजब अली खान (अमीक हनफली), 'कुमार गंधर्व' (अशोक बाजपेई रायगढ़ में), 'कत्थक एट द सेंटर', हिंदी अनुवाद (मोहन नाडकर्णी), 'मध्यवर्ती' (सुनील त्रिवेदी) आदि इस प्रकाशन की पुस्तकें हैं। इस संस्थान के द्वारा उस्ताद अलाउद्दीन खां स्मृति संगीत समारोह का आयोजन मैहर में बड़े ही भव्य तरीके से किया जाता है।

उस्ताद अलाउद्दीन खां का संक्षिप्त जीवन परिचय

उस्ताद अलाउद्दीन खां का जन्म वर्ष 1862 में तत्कालीन भारत के ब्रह्मंबरिया जिले में स्थित नबीनगर तहसील के शिबपुर गांव में हुआ था, वर्तमान में यह जगह बांग्लादेश में है। इनके पिता का नाम सबदार हुसैन खां था। अलाउद्दीन के बड़े भाई फकीर आफताबुद्दीन ने उन्हें सबसे पहले संगीत से परिचित करवाया था। अलाउद्दीन खां ने नुलो गोपाल, अमृतलाल दत्त, हजारी उस्ताद, अली अहमद और वजीर खान जैसे नामचीन और प्रसिद्ध गुरुओं से तालीम हासिल की थी। अलाउद्दीन खां मशहूर सरोद वादक अली अकबर खां और अन्नपूर्णा देवी के पिता हैं, साथ ही वे राजा हुसैन खां के चाचा हैं। बाबा अलाउद्दीन खां ग्रैमी अवॉर्ड धारी पं. रवि शंकर, निखिल बनर्जी, पन्नालाल घोष, बसंत राय, बहादुर राय आदि सफल संगीतकारों के गुरू भी रहे। अलाउद्दीन खां 20वीं सदी के सबसे महान संगीत शिक्षकों में से एक माने जाते हैं। सन् 1935 में पं. उदय शंकर के बैले समूह के साथ इन्होंने यूरोप का दौरा किया था। बाबा ने कई एलबम भी चर्चित रहे हैं। उनकी सबसे खास रिकॉर्डिंग्स ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) के साथ 50 से 60 के दशक में की गई जो रिकॉर्डिंग्स सबसे अधिक प्रसिद्ध हैं। उस्ताद अलाउद्दीन खां ने अपने लम्बे संगीत-जीवन में कई विख्यात रागों की रचना की, जिनमें कुछ प्रमुख राग हैं - राग अर्जुन, भुवनेश्वरी, भागवती, राजेश्वरी, कोमल मारवा, मलय, मांझ खमाज, भीम और राग सुगंधा आदि। उस्ताद अलाउद्दीन खां का निधन 6 सितंबर 1972 को हुआ था।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान-खेल

1. इस वर्ष वर्ल्ड जूनियर कुश्ती चैम्पियनशिप का आयोजन किस देश में हुआ था?
(अ) इंडोनेशिया (ब) स्लोवाकिया
(स) रूस (द) एस्टोनिया

2. वर्ष 2015 में किस देश ने रग्बी वर्ल्डकप का खिताब जीता था?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) न्यूजीलैंड
(स) दक्षिण अफ्रीका (द) फ्रांस

3. एशियाई खेलों का पहली बार आयोजन किस शहर में किया गया था?
(अ) प्योंगयेंग (ब) टोक्यो
(स) नई दिल्ली (द) जकार्ता

4. इनमें से किस देश ने सबसे ज्यादा बार फीफा वूमेन वर्ल्डकप का खिताब जीता है?
(अ) अर्जेंटीना (ब) ब्राजील
(स) जर्मनी (द) अमेरिका

5. सेलेब ड्रेसल किस देश के दिग्गज तैराक हैं?
(अ) अमेरिका (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) आयरलैंड (द) रूस

6. नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलिंपिक में किस खेल में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) गोला फेंक (ब) भाला फेंक
(स) चक्का फेंक (द) निशानेबाजी

7. इस वर्ष विम्बलडन में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने हैं?
(अ) नोवाक जोकोविच
(ब) डेनिल मेदवेदेव
(स) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(द) केई निशिकोरी

8. इनमें से किस पाकिस्तानी बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक नहीं बनाया है?
(अ) अजहर अली
(ब) यूनिस खान
(स) मोहम्मद यूसुफ
(द) इंजमाम उल हक

9. शंघाई मास्टर्स एटीपी टूर्नामेंट की शुरुआत किस वर्ष में हुई थी?
(अ) वर्ष 2005
(ब) वर्ष 2009
(स) वर्ष 2012
(द) इनमें से कोई नहीं

10. अर्जेंटीना ने कितनी बार कोपा अमेरिका कप का खिताब जीता है?
(अ) 06 (ब) 08
(स) 12 (द) 15

11. फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप किस देश में आयोजित किया जाता है?
(अ) भारत (ब) ब्राजील
(स) क्रोएशिया (द) कतर

12. महिला गोल्फर युका सासो किस देश का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) चीन
(ब) जापान
(स) दक्षिण कोरिया
(द) हांगकांग

13. इनमें से किस भारतीय खिलाड़ी ने टोक्यो ओलिंपिक में पदक नहीं जीता है?
(अ) पी.वी. सिंधु
(ब) रवि कुमार दाहिया
(स) मैरी कॉम
(द) बजरंग पूनिया

14. वर्ष 2007 में किस देश ने आईसीसी वन-डे वर्ल्डकप जीता था?
(अ) ऑस्ट्रेलिया
(ब) भारत
(स) न्यूजीलैंड
(द) इनमें से कोई नहीं

15. अमेरिकी खिलाड़ी जस्टिन थॉमस किस खेल से संबंधित है?
(अ) बेसबॉल (ब) बास्केटबॉल
(स) टेनिस (द) गोल्फ

16. वर्ष 2020 में किस खिलाड़ी ने एटीपी टूर फाइनल्स का खिताब जीता था?
(अ) डोमिनिक थिएम
(ब) राफेल नडाल
(स) स्टेन वावरिंका
(द) डेनिल मेदवेदेव

17. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं?
(अ) रोहित शर्मा
(ब) युवराज सिंह
(स) महेंद्र सिंह धोनी
(द) विराट कोहली

18. इस वर्ष मिआमी ओपन में पुरुष एकल वर्ग के विजेता बने थे?
(अ) जेनिक सिनर
(ब) हुबर्ट हुरकाज
(स) आंद्रे रूबलेव
(द) केविन एंडरसन

19. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में अमेरिका ने कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) 34 (ब) 37
(स) 39 (द) 42

20. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में पुरुषों की सौ मीटर दौड़ में चैम्पियन बने हैं?
(अ) फ्रेड कार्ले
(ब) मार्सेल जैकब
(स) क्रिस्टियन कोलमेन
(द) आंद्रे डि ग्रीस

21. मलखम्ब को किस राज्य में राजकीय खेल का दर्जा मिला है?
(अ) मध्यप्रदेश (ब) महाराष्ट्र
(स) उत्तरप्रदेश (द) कर्नाटक

22. वर्ष 2017 में किस देश ने फीफा अंडर-17 वर्ल्डकप पर कब्जा जमाया था?
(अ) मैक्सिको
(ब) ब्राजील
(स) इंग्लैंड
(द) इनमें से कोई नहीं

23. इनमें से किस खिलाड़ी को इस वर्ष आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल नहीं किया गया है?
(अ) कुमार संगाकारा
(ब) ग्लैन मैक्ग्राथ
(स) एंडी फ्लॉवर
(द) बॉब विलिस

24. वर्ष 1988 में किस शहर में ओलिंपिक खेलों का आयोजन हुआ था?
(अ) एथेंस
(ब) मेलबर्न
(स) बार्सिलोना
(द) सियोल

25. इनमें से कौन भारतीय क्रिकेट टीम का कोच नहीं रहा है?
(अ) जवागल श्रीनाथ
(ब) अंशुमन गायकवाड
(स) अनिल कुंबले
(द) कपिल देव

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ), 6. (ब), 7. (अ), 8. (स), 9. (ब), 10. (द), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (अ), 15. (द), 16. (द), 17. (अ), 18. (ब), 19. (स), 20. (ब), 21. (अ), 22. (स), 23. (ब), 24. (द), 25. (अ)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

खेल चर्चा

भारत ने एशियन जूनियर मुक्केबाजी में जीते आठ स्वर्ण

दुबई, भारत के युवा मुक्केबाजों ने दुबई में आयोजित एशियन जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारत ने इस टूर्नामेंट में आठ स्वर्ण पदक जीते। टूर्नामेंट में भारत की 10 महिला मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई थी, इनमें से छह मुक्केबाजों ने फाइनल मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। भारत के लिये वीशू राठी (48 किलोग्राम), तनु (52 किलोग्राम), निकिता चंद (60 किलोग्राम), माही राघव (63 किलोग्राम), प्रांजल यादव (70 किलोग्राम) और कीर्ति (81 किलोग्राम से अधिक) ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं पुरुष वर्ग में रोहित चमोली (48 किलोग्राम) और भरत जून (81 किलोग्राम) ने भी भारत के लिये स्वर्ण पदक हासिल किये। भारत ने इस टूर्नामेंट में 8 स्वर्ण, 5 रजत और 6 कांस्य सहित 19 पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को ट्वेंटी-20 मैच में हराया

ढाका, बांग्लादेश ने अपनी सरजमी पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गये ट्वेंटी-20 सीरीज के पहले मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज की है। यह ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ बांग्लादेश की पहली जीत है। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुये महज 60 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिये टॉम लॉथम (18) और हेनरी निकोल्स (18) ही दहाई का आंकड़ा छू सकें। बांग्लादेश ने 3 विकेट खोकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने मैच में गेंद और बल्ले दोनों से बेहतर प्रदर्शन किया।

प्रायस ने डायमंड लीग में जीता स्वर्ण पदक

लुसाने, जमैका की फर्राटा धाविका शैली एन फ्रैसर प्रायस ने स्विट्जरलैंड में आयोजित डायमंड लीग में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। प्रायस ने इस दौड़ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और टोक्यो ओलिंपिक की चैंपियन एलिन थॉम्पसन हेराह को हराया। प्रायस ने 100 मीटर की दौड़ 10.60 सेकेंड में पूरी की। यह प्रायस का 100 मीटर दौड़ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके अलावा महिलाओं की 100 मीटर दौड़ का यह अब तक का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं थॉम्पसन 10.64 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। रेस में जमैका की शेरिका जैक्सन तीसरे स्थान पर रहीं।

डेल स्टेन ने क्रिकेट से लिया संन्यास

केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। दक्षिण अफ्रीका के लिये 93 टेस्ट, 125 एक दिवसीय तथा 47 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके स्टेन ने सोशल मीडिया के द्वारा संन्यास का ऐलान किया। अपनी तेज रफ्तार वाली गेंदों से बल्लेबाजों में खौफ बनाने वाले स्टेन काफी समय से अपनी फिटनेस की परेशानी से जूझ रहे थे। स्टेन ने वर्ष 2019 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा था। स्टेन ने दक्षिण अफ्रीका के लिये टेस्ट क्रिकेट में 439, एक दिवसीय क्रिकेट में 196 तथा ट्वेंटी-20 क्रिकेट में 64 विकेट लिये हैं।

मध्यप्रदेश खेल अलंकरण पुरस्कार-2020

विवेक सागर को सर्वोच्च विक्रम पुरस्कार से नवाजा जायेगा

भोपाल, खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा मध्यप्रदेश के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों के लिए गठित चयन समिति की अनुशंसा और प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया के अनुमोदन के बाद राज्य स्तरीय खेल पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई। टोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी श्री विवेक सागर प्रसाद को विक्रम अवॉर्ड से नवाजा जायेगा। मिडफील्ड खेलने वाले विवेक ने टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभायी थी।

संचालक खेल और युवा कल्याण श्री पवन जैन ने बताया कि वर्ष 2020 के लिए राज्य शासन द्वारा 13 एकलव्य, 10 विक्रम, 3 विश्वामित्र, 1 स्वर्गीय श्री प्रभाष जोशी और 1 लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार घोषित किए गए हैं। वर्ष 2020 के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार पद्मश्री श्री अभय छजलानी को दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 राज्य स्तरीय खेल पुरस्कारों के लिए एकलव्य में 110 आवेदन, विक्रम पुरस्कार में 95, विश्वामित्र पुरस्कार के लिए 34, स्व. श्री प्रभाष जोशी पुरस्कार के 3 तथा लाइफ टाइम अचीवमेंट

के लिए 21 आवेदन प्राप्त हुए थे।

यह खेल हस्तियां होंगी सम्मानित

एकलव्य पुरस्कार

व्यक्तिगत खेल में- सुषमा वर्मा क्यार्किंग-कैनोइंग सीहोर, तुषिता सिंह सॉफ्ट टेनिस भोपाल, स्पर्श खरे वूशु जबलपुर, अर्जुन सिंह घुड़सवारी भोपाल, सुनील डावर एथलेटिक्स बड़वानी, गौरांशी शर्मा बैडमिंटन (दिव्यांग) भोपाल, राममिलन यादव सेलिंग टीकमगढ़, अंकित शर्मा फेंसिंग, ग्वालियर, अनुराधा अहिरवार तीरंदाजी भोपाल, प्रीति रजक शूटिंग होशंगाबाद एवं शशांक पटेल ताईक्वांडो भोपाल।

दलीय खेल- साधना सेंगर हॉकी होशंगाबाद। ध्रुवराज कुर्रे पावर लिफ्टिंग भोपाल।

विक्रम पुरस्कार

व्यक्तिगत खेल में- विश्वजीत सिंह कैनो-स्लॉलम होशंगाबाद, सुनिधि चौहान शूटिंग भोपाल, निधि नन्हेट कराते बालाघाट, परिधि जोशी घुड़सवारी इन्दौर, मंजू बम्बोरिया बॉक्सिंग उज्जैन, एकता यादव सेलिंग भोपाल। **दलीय खेल-** विवेक सागर प्रसाद हॉकी होशंगाबाद, हर्षवर्धन तोमर बास्केटबॉल ग्वालियर। पूजा मालवीय मल्लखम्ब, उज्जैन। दिव्यांग श्रेणी में सुश्री प्राची यादव पैरा कैनो, ग्वालियर शामिल है।

विश्वामित्र पुरस्कार

व्यक्तिगत खेल- श्री वीरेन्द्र डबास, पैरा स्वीमिंग एवं पैरा एथलेटिक्स, ग्वालियर, श्री रिचपाल सिंह सलारिया, तीरंदाजी जबलपुर। **दलीय खेल-** डॉ. हबीब हसन शामिल हैं।

लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार

श्री अभय छजलानी, पद्मश्री तथा पूर्व अध्यक्ष इन्दौर टेबल टेनिस संघ को वर्ष 2020 के लाइफ टाइम पुरस्कार से नवाजा जायेगा।

स्वर्गीय प्रभाष जोशी खेल पुरस्कार

वर्ष 2020 के स्वर्गीय प्रभाष जोशी खेल पुरस्कार उज्जैन की मलखम्ब खिलाड़ी सुश्री वैष्णवी कहार को दिया जायेगा।

स्टुअर्ट बिन्नी ने क्रिकेट को कहा अलविदा

बेंगलुरु, भारत के ऑलराउंडर स्टुअर्ट बिन्नी ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। बिन्नी लंबे समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर थे। उन्होंने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय (ट्वेंटी-20) मैच 27 अगस्त 2016 को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। इस मैच में बिन्नी ने एक ओवर में 32 रन दिये थे। इसके बाद उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। स्टुअर्ट बिन्नी ने भारत के लिये 6 टेस्ट, 14 एकदिवसीय तथा 3 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। बिन्नी के नाम भारत के लिये एक दिवसीय क्रिकेट में एक मैच में सबसे अच्छी गेंदबाजी प्रदर्शन का रिकॉर्ड है। बिन्नी ने वर्ष 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ 4 रन देकर 6 विकेट हासिल किये थे।

वर्स्टापेन ने जीती बेल्जियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस

ब्रुसेल्स, कार रेसिंग टीम रेडबुल के ड्राइवर मैक्स वर्स्टापेन ने बेल्जियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस अपने नाम की है। वर्स्टापेन ने वर्षा बाधित इस रेस में पहला स्थान हासिल किया। रेस में जॉर्ज रसेल दूसरे, लुईस हैमिल्टन तीसरे, डेनियल रिकियार्डो चौथे तथा सबेस्टियन बेटल पांचवें स्थान पर रहे। तेज बारिश के कारण रेस बीच में ही रोक दी गई थी। खराब मौसम के कारण रेस पूरी नहीं हो सकी। रेस में एक लैप ही पूरी हो सकी, जिसमें वर्स्टापेन सबसे आगे रहे। रेस पूरी नहीं होने से खिलाड़ियों को मिले अंकों में भी कटौती की गई है।

इंग्लैंड ने पारी और 76 रन से जीता तीसरा टेस्ट मैच

हेडिंग्ले, भारत और इंग्लैंड के बीच हेडिंग्ले में खेले गये टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच में इंग्लैंड ने जीत दर्ज की है। इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट मैच में भारत को पारी और 76 रन से हराया। इंग्लैंड की जीत के नायक तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन रहे। रॉबिनसन ने मैच में 7 विकेट लिये।

भारत ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। इंग्लिश गेंदबाजों ने इस निर्णय को गलत साबित करते हुये भारतीय बल्लेबाजों को महज 78 रन के स्कोर पर ऑलआउट कर दिया। भारत के लिये रोहित शर्मा (19) और अजिंक्य रहाणे (18) ही दहाई का आंकड़ा छू सके। इसके बाद इंग्लिश बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड ने कप्तान जो रूट के शानदार शतक (121 रन) तथा डेविड मलान (70), हसीब हमीद (68) और रॉरी बर्न्स (61) के अर्धशतकों की बदौलत पहली पारी में 432 रन बनाये और 354 रनों की विशाल बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया। भारत के लिये चेतेश्वर पुजारा (91), रोहित शर्मा (59) और विराट कोहली (55) ने अर्धशतक बनाये। एक समय भारत 215 पर दो विकेट गंवाकर अच्छी स्थिति में था, लेकिन इसके बाद लगातार विकेट गंवाने के कारण भारत पारी की हार को टाल नहीं पाया और 278 रन पर पूरी भारतीय टीम ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। इससे पहले भारत ने सीरीज के दूसरे मैच में जीत दर्ज की थी, वहीं पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था।

आईपीएल में नई टीमों के लिये टेंडर जारी

मुंबई, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 2022 सीजन से दो नई टीमें जुड़ेंगी। इन टीमों के लिये आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल ने टेंडर जारी कर दिया है। टीमों की बेस प्राइस 2 हजार करोड़ रुपये रखी गई है। लीग की लोकप्रियता को देखते हुये उम्मीद की जा रही है कि बोली बेस प्राइस से कई गुना ऊपर जा सकती है।

आईपीएल टेंडर के अनुसार नई टीम की नीलामी में वही व्यक्ति या कंपनी हिस्सा ले सकती है, जो कम से कम 30 करोड़ डॉलर (2,188 करोड़ रुपये) का बजट तय करे। इसमें बेस प्राइस के साथ शुरुआत फीस भी शामिल है।

बीसीसीआई की आय में होगा इजाफा

भारतीय क्रिकेट बोर्ड की कमाई का सबसे बड़ा जरिया आईपीएल है। 2 नई टीमों के शामिल होने से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को नीलामी की रकम तो मिलेगी ही, साथ ही उसकी सालाना कमाई 10 करोड़ डॉलर (करीब 729 करोड़ रुपये) बढ़ जायेगी। हालांकि, टीमें बढ़ने से आईपीएल का एक सीजन पूरा होने में ज्यादा दिन लगेंगे और आईसीसी समेत कई देशों को चिंता है कि इससे इंटरनेशनल क्रिकेट पर असर पड़ेगा।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है आईपीएल

आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी और प्रमुख फ्रेंचाइजी बेस्ड ट्वेंटी-20 क्रिकेट लीग है। हालांकि पिछले दो सीजन से कोरोना महामारी ने लीग के सामने अलग तरह की चुनौती पेश की है। वर्ष 2020 में पूरी लीग संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में करानी पड़ी।

टोक्यो पैरालिंपिक-2021

भारत ने दो स्वर्ण सहित जीते 10 पदक

टोक्यो, ओलिंपिक खेलों के बाद अब पैरालिंपिक खेलों में भी भारतीय एथलीटों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय खिलाड़ियों ने पैरालिंपिक खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये दो स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य सहित 10 पदक अपने नाम किये हैं। ये टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय प्रदर्शन से भी बेहतर है।

अवनि और सुमित ने जीता स्वर्ण पदक

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत के लिये अवनि लखेरा और सुमित अंतिल ने स्वर्ण पदक जीते। अवनि ने महिलाओं की आर-टू 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। अवनि ने इस स्पर्धा में चीन की झांग कुइपिंग और यूक्रेन की इर्याना स्चेतनिक को हराया। झांग को रजत पदक मिला, वहीं इर्याना ने कांस्य पदक हासिल किया।

भारत के लिये दूसरा स्वर्ण पदक सुमित ने जीता। सुमित ने भाला फेंक की एफ-64 स्पर्धा में नया कीर्तिमान रचते हुये स्वर्ण पदक हासिल किया। सुमित ने इस स्पर्धा के दौरान विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। सुमित ने

अपने दूसरे प्रयास में 68.08 मीटर की दूरी तय कर भारत के ही संदीप चौधरी का विश्व रिकॉर्ड (66.18 मीटर) तोड़ा। इसके बाद सुमित ने अपने पांचवें प्रयास में 68.55 मीटर दूरी तय कर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। स्पर्धा में संदीप चौधरी चौथे स्थान पर रहे।

भाविना ने टेबल टेनिस में जीता रजत

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत को पहला पदक भाविना पटेल ने दिलाया। भाविना ने टेबल टेनिस की महिला व्यक्तिगत क्लास-4 स्पर्धा में रजत पदक जीता। भाविना पैरालिंपिक में टेबल टेनिस स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। भाविना के अलावा निषाद कुमार

ने पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा तथा योगेश कथूनिया ने पुरुषों की चक्का फेंक एफ-56 स्पर्धा में भारत के लिये रजत पदक हासिल किये। रियो पैरालिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले देवेंद्र झाझड़िया और मरियप्पन थंगावेलू ने इस बार रजत पदक जीते हैं।

तीन खिलाड़ियों ने जीते कांस्य पदक

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत को तीन खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीते। सुंदर सिंह गुर्जर ने भाला फेंक एफ-46 स्पर्धा, शरद कुमार ने ऊंची कूद टी-63 तथा सिंघराज अढाना ने पुरुषों की पी-1 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किये।

मैनचेस्टर यूनाइटेड में रोनाल्डो की वापसी

मैनचेस्टर, पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिये खेलते हुये नजर आयेंगे। रोनाल्डो की इंग्लिश फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड में वापसी हुई है। रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ दो वर्ष का करार किया है, जिसे बाद में एक वर्ष के लिये बढ़ाया जा सकता है। रोनाल्डो अभी इटैलियन क्लब जुवेंट्स के लिये खेल रहे थे। रोनाल्डो के लिये मैनचेस्टर यूनाइटेड और जुवेंट्स के बीच शुरू में 15 मिलियन यूरो (लगभग 129 करोड़ रुपये) का करार हुआ है, जो बाद में आठ मिलियन यूरो (लगभग 68 करोड़ रुपये) और बढ़ सकता है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो इससे पहले वर्ष 2003 से 2009 तक मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिये खेल चुके हैं। इस दौरान रोनाल्डो ने 196 मैचों में 84 गोल किये थे। इसके बाद रोनाल्डो ने वर्ष 2009 से 2018 तक रियल मैड्रिड तथा वर्ष 2018 से 2021 तक जुवेंट्स के लिये फुटबॉल खेली है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

ब्रिक्स एनएसए बैठक में अफगान संकट पर चर्चा

अफगानिस्तान की गंभीर होती स्थिति के बीच ब्रिक्स एनएसए की वर्चुअल बैठक संपन्न हुई। भारत ने ब्रिक्स देशों को अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद आतंकवाद और मानवाधिकार की अपनी चिंता से अवगत कराया है।

सूत्रों के मुताबिक भारत ने आतंकी गुटों की हरकतों को लेकर अपने इनपुट सदस्य देशों से साझा किए हैं। साथ ही अपना मत स्पष्ट किया है कि आतंकवाद के मुद्दे पर दो राय नहीं होनी चाहिये। बैठक में समसामयिक और भविष्य के लिहाज से अहम मुद्दे जिनमें क्षेत्रीय व वैश्विक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ सुरक्षा और मादक पदार्थों की तस्करी के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। बैठक में एनएसए अजीत डोभाल, रूसी एनएसए जनरल पेत्रुशेव, चीनी पोलित ब्यूरो के सदस्य - यांग जेइचिक, ब्राजील के समकक्ष जनरल ऑगस्टो हेलेना रिबेरो परेरा, दक्षिण अफ्रीका के उप राज्य सुरक्षा मंत्री नसेडिसो कोडवा शामिल हुए।

श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी की 125वीं जयंती

श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी ने भक्ति वेदांत को दुनिया की चेतना से जोड़ने का काम किया : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी की 125वीं जयंती के अवसर पर एक विशेष स्मारक सिक्का जारी किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने जन्माष्टमी और श्रील प्रभुपाद जी की 125वीं जयंती के सुखद संयोग को उल्लेखित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'ये ऐसा है जैसे साधना का सुख और संतोष एक साथ मिल जाए।' उन्होंने यह भी कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाए जाने के बीच यह अवसर आया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'इसी भाव को आज पूरी दुनिया में श्रील प्रभुपाद स्वामी के लाखों करोड़ों अनुयाई और लाखों करोड़ों कृष्ण भक्त अनुभव कर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि प्रभुपाद स्वामी एक अलौकिक कृष्ण भक्त तो थे ही, साथ ही वे एक महान भारत भक्त भी थे। उन्होंने देश के स्वतन्त्रता संग्राम में संघर्ष किया था। उन्होंने असहयोग आंदोलन के समर्थन में स्कॉटिश कॉलेज से अपना डिप्लोमा तक लेने से मना कर दिया था।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग के हमारे

ज्ञान का पूरे विश्व में प्रसार हुआ है और भारत की सस्टेनेबल लाइफस्टाइल, आयुर्वेद जैसा विज्ञान दुनियाभर में फैल गया है। श्री मोदी ने कहा, यह हमारा संकल्प है कि इसका लाभ पूरे विश्व को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भी हम किसी अन्य देश में जाते हैं और जब वहां मिलने वाले लोग हरे कृष्णा कहते हैं, तो हमें काफी अपनापन और गर्व महसूस होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें यह अहसास तब भी होगा, जब मेक इन इंडिया उत्पादों के लिए भी यही अपनापन मिलेगा। उन्होंने कहा, हम इस संबंध में इस्कॉन से काफी कुछ सीख सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के समय में भक्ति ने ही भारत की भावना को जीवित रखा था। उन्होंने कहा, विद्वान यह आकलन करते हैं कि यदि भक्तिकाल में कोई सामाजिक क्रांति नहीं हुई होती तो भारत कहां होता और किस स्वरूप में होता, इसकी कल्पना करना मुश्किल है। भक्ति ने आस्था, सामाजिक क्रम और अधिकारों के भेदभाव को खत्म करके जीव को ईश्वर के साथ जोड़ दिया। उस मुश्किल दौर में भी, चैतन्य महाप्रभु जैसे संतों ने हमारे समाज को भक्ति भावना के साथ बांधा और 'आत्मविश्वास पर विश्वास' का मंत्र दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय अगर स्वामी विवेकानंद जैसे मनीषी आगे आए जिन्होंने वेद-वेदान्त को पश्चिम तक पहुंचाया, तो वहीं विश्व को जब भक्तियोग को देने की जिम्मेदारी आई तो श्रील प्रभुपाद जी और इस्कॉन ने इस महान कार्य का बीड़ा उठाया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने भक्ति वेदान्त को दुनिया की चेतना से जोड़ने का काम किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया के विभिन्न देशों में सैकड़ों इस्कॉन मंदिर हैं और कई गुरुकुल भारतीय संस्कृति को जीवित रखे हुए हैं। इस्कॉन ने दुनिया को बताया कि भारत के लिए आस्था का मतलब- उमंग, उत्साह, उल्लास और मानवता पर विश्वास है। श्री मोदी ने कच्छ के भूकंप, उत्तराखंड हादसे, ओडिशा और बंगाल में आए चक्रवात के दौरान इस्कॉन द्वारा किए गए सेवा कार्य पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने महामारी के दौरान इस्कॉन द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

विग्रह पोत

भारतीय नौसेना को मिला स्वदेशी जहाज

भारतीय तटरक्षक बल में स्वदेश निर्मित 'विग्रह' पोत को शामिल किया गया। 'विग्रह' के कमीशनिंग इवेंट में हिस्सा लेने पहुंचे रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा, इस पोत की कमीशनिंग हमारी तटीय रक्षा क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार के साथ रक्षा क्षेत्र में हमारी लगातार बढ़ती आत्मनिर्भरता को दर्शाती है। 98 मीटर लंबा ये पोत आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम् (विजाग) में स्थित होगा। इस पोत का संचालन 11 अधिकारियों और 110 नाविकों की कंपनी द्वारा किया जाएगा। विग्रह के भारतीय तटरक्षक बल में शामिल होने के बाद भारत के पास 157 पोत और 66 विमान हो जाएंगे। बता दें कि भारतीय तटरक्षक बल के पोत विग्रह का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो शिप बिल्डिंग लिमिटेड

ने किया है। भारतीय तटरक्षक बल के पोत (आईसीजीएस) विग्रह को नौसेना के बेड़े में शामिल करने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में श्री राजनाथ सिंह ने कहा अगले 2 वर्षों में दुनियाभर में सुरक्षा पर खर्च 2 लाख 10 हजार करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा। विग्रह 7 अपतटीय गश्ती जहाजों में आखिरी जहाज है। उन्होंने कहा, ज्यादातर देशों का पूरे एक साल के लिए भी इस स्तर का बजट नहीं है।

साउथ अफ्रीका में मिला कोविड का नया वेरिएंट सी. 1.2

साउथ अफ्रीका और दुनिया के कई अन्य देशों में कोरोना वायरस का एक नया वेरिएंट पाया गया है, जो ज्यादा तेजी से फैल सकता है। बताया जा रहा है कि ये वेरिएंट वैक्सीन से भी बचकर निकल सकता है। यानी कि वैक्सीन लगने के बाद भी आपको वेरिएंट का खतरा है।

साउथ अफ्रीका में नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिजीज (एनआईसीडी) और क्वाजुलु नेटाल रिसर्च इनोवेशन एंड सीक्वेंसिंग प्लेटफॉर्म (केआरआईएसपी) के वैज्ञानिकों ने कहा कि इस साल मई में देश में पहली बार रुचि के संभावित वेरिएंट सी.1.2 का पता चला था। शोध में पाया गया कि सी.1.2 चीन, कांगो, मॉरीशस, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल और स्विट्जरलैंड में 13 अगस्त तक पाया गया है। 24 अगस्त को प्रीप्रिंट

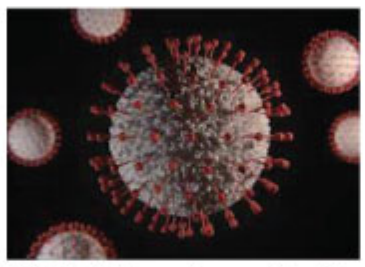

रिपोजिटरी मेडरएक्सीव पर पोस्ट किए गए पीयर रिव्यू स्टडी के अनुसार, सी.1.2 ने सी1 की तुलना में काफी हद तक विकास किया है, जो कि पहले से सार्स-कोव-2 संक्रमणों पर हावी होने वाली वंशावली में से एक है। रिसर्चर्स ने बताया कि नया वेरिएंट चिंता बढ़ा सकता है।

बीटा-डेल्टा वेरिएंट के समान है सी.1.2 : स्टडी के लेखकों ने कहा कि यह शुरुआती पहचान के दौरान देश में बीटा और डेल्टा वेरिएंट के साथ देखी गई वृद्धि के समान है। सी.1.2 मूल में प्रति वर्ष लगभग 41.8 म्यूटेशन रेट है, जो अन्य प्रकारों की करंट ग्लोबल म्यूटेशन दर से लगभग दोगुनी है।

सबसे ज्यादा म्यूटेट हुआ है सी. 1 : सी.1 की तुलना में नया वेरिएंट काफी हद तक म्यूटेट है। यह वुहान में पाए गए किसी भी मूल वायरस से अधिक म्यूटेट है। सी.1.2 में पहचाने गए लगभग 52 प्रतिशत स्पाइक म्यूटेशन को पहले अन्य वीओआई और वीओसी में पहचाना गया है। इनमें डी614जी, सभी वेरिएंट के लिए सामान्य, और ई484 के और एन 501वाय शामिल हैं, जिन्हें बीटा और गामा के साथ साझा किया जाता है, ई484के को ईटीए में और एन 501 वाय को अल्फा में भी देखा जाता है। यह नया वेरिएंट दुनियाभर में चल रहे वैक्सीनेशन के लिए चुनौती बना है।

अफगानिस्तान से

ब्रिटिश सैनिक वापस वतन पहुंचे

ब्रिटेन के शेष सैनिक काबुल से वापस अपने देश पहुंचने लगे हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन का अफगानिस्तान में 20 साल लंबा सैन्य अभियान खत्म हो गया, जहां तालिबान ने कब्जा कर लिया है।

तालिबान ने कई प्रमुख शहरों पर कब्जा करने के बाद 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था। यह अमेरिका के देश से जाने की समयसीमा से दो हफ्ते पहले हुआ था। रॉयल एयर फोर्स का एक विमान काबुल से रवाना हुआ और ऑक्सफोर्डशायर में आरएएफ ब्रीज नॉर्टन पहुंचा। विमान में अफगानिस्तान में ब्रिटेन के राजदूत सर लॉरी ब्रिस्टो भी सवार थे जो लोगों को निकालने की प्रक्रिया में मदद कर रहे थे। लोगों को निकालने वाले अभियान 'ऑपरेशन पिटिंग' को चलाने वाले वाइस एडमिरल सर बेन की ने कहा, एक दुःख की भावना थी कि हमने वह सब नहीं किया जो हम चाहते थे। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ट्विटर पर एक वीडियो जारी कर कहा कि 'ऑपरेशन पिटिंग' का खत्म होना एक ऐसे मिशन का समापन है, हमने जो कुछ भी अपने जीवन में देखा है, उसके विपरीत है।'

भारतीय-अमेरिकी विदेश मंत्रियों ने अफगान संकट पर की चर्चा

भारतीय विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से बात की और अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की। यह बातचीत काबुल हवाई अड्डे के बाहर आत्मघाती बम विस्फोट के दो दिन बाद हुई, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक और लगभग 170 अफगानी मारे गए। श्री जयशंकर ने ट्वीट किया, अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन से बात की। साथ ही संयुक्त राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् (यूएनएससी) के एजेंडे पर विचारों का आदान-प्रदान किया। काबुल हवाई अड्डे के बाहर हुए बम विस्फोट की कड़ी निंदा करते हुए भारत ने कहा कि इस हमले ने दुनिया द्वारा आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत पर बल दिया। वहीं ब्लिंकन ने बातचीत के बारे में ट्वीट किया, भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से अफगानिस्तान और संयुक्त राष्ट्र में समन्वय समेत हमारी साझी प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई।

रक्षा उपकरण

जांचने के लिए बढ़ेंगे विशेषज्ञ

रक्षा उपकरणों की खरीद के बाद उनकी गुणवत्ता की जांच होती है। हर उपकरण को इस प्रकार की जांच से गुजरना होता है। ताकि ऐन वक्त पर वह सही कार्य करे। यह कार्य रक्षा मंत्रालय के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ क्वालिटी एश्योरेंस (डीजीक्यूए) करता है। लेकिन इन दिनों डीजीक्यूए तकनीकी अफसरों की भारी कमी से जूझ रहा है। इसलिए अब रक्षा मंत्रालय ने तकनीकी अफसरों की संख्या में 20 फीसदी की बढ़ोत्तरी का फैसला किया है। डीजीसीक्यू में इस समय 4448 तकनीकी अधिकारी हैं जो खरीदे गए हथियारों की गुणवत्ता परखते हैं।

- **तकनीकी अफसरों की कमी से जूझ रहा है डीजीक्यूए।**
- **अफसर को रोज पांच उपकरण जांच कर प्रमाणित करना होते हैं।**

भले ही हथियार आयुध फैक्ट्रियों से खरीदे गए हों, निजी या सरकारी कंपनियों से खरीदे जाएं या फिर आयात होकर आएं। डीजीक्यूए की जांच के बगैर उनका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। रक्षा मंत्रालय द्वारा संसदीय समिति के समक्ष रखे गए दस्तावेजों के अनुसार एक महीने में इन तकनीकी अधिकारियों ने करीब 19000 क्वालिटी चेक किए। इस प्रकार एक अधिकारी ने प्रति दिन पांच हथियारों की जांच की।

आशंका जताई गई कि मौजूदा तकनीकी कर्मियों पर दबाव है। संख्या नहीं बढ़ाई तो चूक का खतरा है। जो बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसलिए निर्णय लिया गया है कि तकनीकी अधिकारियों की संख्या तत्काल 20% बढ़ाई जाए। समिति को भी इस बारे में अवगत कराया गया है। 1100 नए अधिकारियों की नियुक्त आने वाले दिनों में डीजीक्यूए में होगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।